जबलपुर सोमवार 21 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद शुक्ल पक्ष, दशमी
वर्ष 32 अंक 84 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏵⏵ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 33.3°C
न्यूनतम तापमान 23.4 °C
सूर्योदय - 5.59 | सूर्यास्त - 6.08

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

सतना में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का संगठन विस्तार... ⏵⏵ 4

सिनेमा जगत के युगपुरुष थे ताराचंद बड़ज़ात्या... ⏵⏵ 7

बलवाकाण्ड में नाम आने से डरें नहीं ... ⏵⏵ 8

एशियन गेम्स: निशानेबाजों ने खोला पदक का खाता

हॉकी और बैडमिंटन में भी मिली सफलता, महिला क्रिकेट टीम स्वर्ण के करीब

नागोया

एशियन गेम्स 2026 का आगाज हो चुका है और पहले दिन भारतीय महिला निशानेबाजों ने पदक का खाता खोला। भारत को अब तक दो रजत पदक मिले हैं और ये दोनों ही पदक निशानेबाजी में आए हैं। वहीं, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में जगह बना ली है और वह स्वर्ण पदक अपने नाम करने से एक कदम दूर है। पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने भी दमदार जीत के साथ एशियाड का आगाज किया है। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय निशानेबाजों ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के खाते में पहला पदक जोड़ दिया है। भारत

ने महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। भारतीय टीम में इलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदर्सा कोचलुम्कल विनोद शामिल थीं। तीनों शूटरों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को रजत पदक दिलाया है। आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग गैलरी में भारतीय टीम ने छह-छह सीरीज की शूटिंग के बाद कुल 1898.0 अंक हासिल किए और दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की जीफेई वांग, जियायु हान और युचेन डू की टीम ने 1904.2 अंकों के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। जापान की हिनाता ताइची, मिसाकी नोबाता और शियोरी हिराता की टीम ने 1897.1 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय निशानेबाज इलावेनिल वलारिवन और सोनम मस्कर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल के व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। क्वालिफिकेशन में सोनम मस्कर ने 634.1 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि इलावेनिल 633.5 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहीं। चीन की जीफेई वांग ने 636.8 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया।

(विस्तृत खबर पेज 10 पर)

'मोहन' ने 'राधा' को गांधीसागर में छोड़ा

गरोठ।

मध्यप्रदेश के गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में चीता पुनर्स्थापन परियोजना के तहत नई मादा चीता लाई गई है। चीता को कूनो नेशनल पार्क से गांधी सागर स्थानांतरित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इसे गांधी सागर के सॉफ्ट-रिलीज बाड़े में छोड़ा। उन्होंने इसका नाम राधा रखा। मादा चीता के आने के बाद गांधी सागर में दो नर और दो मादा समेत कुल चार चीते हो जाएंगे। इसे कूनों के बाद भारत में चीतों के दूसरे आवास के विस्तार के तौर पर देखा जा रहा है। गांधी सागर में पहले से 'प्रभास' और 'पावक' नाम के नर चीते और 'धीरा' नाम की मादा चीता मौजूद हैं। नई मादा चीता गांधी सागर में पहुंचने वाली दूसरी मादा चीता होगी। अब नए चीते के आने से क्षेत्र में चीतों का कुनबा और मजबूत होगा। चीता प्रबंधन के लिए स्थानीय वनकर्मियों और वन्यजीव गाइडों को प्रशिक्षण दिया गया है। गांधी सागर को कूनो के साथ चीता संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए विकसित किए जा रहे प्रमुख आवासों में शामिल किया गया है। परियोजना के विस्तार से क्षेत्र में वन्यजीव पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना जताई जा रही है। इससे गाइड, होमस्टे और परिवहन जैसी स्थानीय सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है।

अभयारण्य देश का दूसरा बड़ा चीता घर बना

'एसआईआर यानि शाह इंस्टिगेटेड रिमूवल'

कांग्रेस का दावा- 7.8 करोड़ नाम हटे, 5.43 करोड़ मतदाताओं पर लटकी तलवार

नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव (संचार) और सांसद जयराम रमेश ने मतदाता सूचियों के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर के पहले और दूसरे चरण में 7.8 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए। यह एसआईआर से पहले की मतदाता सूची के मुकाबले 13 फीसदी है। जयराम रमेश ने अपने बयान में एसआईआर को लेकर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, एसआईआर असल में बड़े पैमाने पर मतदाताओं का 'शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल' है। यह हमारे संविधान पर हमला है। जयराम रमेश ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जून 2025 में बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया का पहला चरण शुरू किया था। इसके बाद नवंबर 2025 में 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों

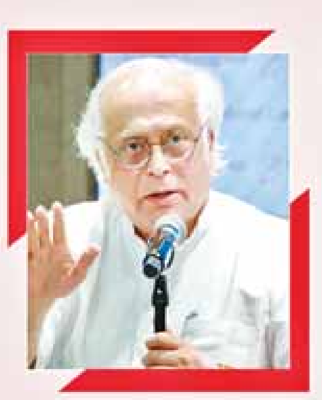

> आश्चर्यजनक रूप से 32% मतदाताओं-यानी लगभग हर तीन में से एक मतदाता का नाम या तो मतदाता सूची से हटा दिया गया है या उस पर नाम हटाए जाने का खतरा है। अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची से पुरुषों की तुलना में महिलाओं के नाम अधिक हटाए गए हैं।
>
> *जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव*

में इसका दूसरा चरण शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि एसआईआर का तीसरा चरण 2026 के मध्य में 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हुआ। इस चरण में अब तक 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के आंकड़ों के आधार पर 36.06 करोड़ मतदाताओं में से 6.18 करोड़ के नाम हटाए गए हैं। यह कुल मतदाताओं का 17 फीसदी से अधिक है। जयराम रमेश ने कहा कि नाम हटाए जाने और नाम हटने के खतरे वाले मतदाताओं को मिलाकर करीब 32 फीसदी मतदाता प्रभावित हो सकते हैं। यानी लगभग हर तीन में से एक मतदाता का नाम या तो मतदाता सूची से हटा दिया गया है या उसके हटाए जाने का खतरा है।

5.43 करोड़ मतदाताओं को नोटिस का दावा

कांग्रेस नेता के मुताबिक, इसके अलावा 5.43 करोड़ मतदाताओं को नोटिस जारी कर मतदाता सूची में अपना नाम बनाए रखने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज मांगे गए हैं। उनका दावा है कि इससे 15 फीसदी और मतदाताओं के नाम हटाए जाने का खतरा है। जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के बाद भी इतनी बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता कैसे हो सकते हैं, जिनका अभी वेरिफिकेशन किया जाना बाकी है। उन्होंने इसे एसआईआर प्रक्रिया की ढांचागत खामियों से जोड़ते हुए कहा कि यह असामान्य रूप से बहुत बड़ा अनुपात है।

एसआईआर प्रक्रिया के राज्यवार आंकड़े

जयराम रमेश ने कहा कि दिल्ली में 53.73 फीसदी, चंडीगढ़ में 52.58 फीसदी, तेलंगाना में 48.90 फीसदी, झारखंड में 39.57 फीसदी, हरियाणा में 37.5 फीसदी, उत्तराखंड में 35.71 फीसदी, मेघालय में 35.36 फीसदी, महाराष्ट्र में 33.88 फीसदी, कर्नाटक में 27.6 फीसदी, ओडिशा में 23.67 फीसदी, आंध्र प्रदेश में 21.17 फीसदी और पंजाब में 15.23 फीसदी लोगों पर नाम हटाए जाने का खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकांश बड़े राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पुरुषों की तुलना में महिलाओं के नाम मतदाता सूची से अधिक हटाए गए हैं।

नागरिकों पर डाला दस्तावेज देने का बोझ

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिए सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है और नागरिकों पर ऐसे दस्तावेज पेश करने का बोझ डाल दिया है, जो संभव है कि उन्हें सरकार ने कभी उपलब्ध ही नहीं कराए हों। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि जिस कसौटी पर देश के अधिकांश नागरिक खरे नहीं उतर सकते, वह वास्तव में लोगों को बाहर करने की एक मशीन भर है। जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा शासित अन्य राज्यों के साथ-साथ पंजाब ने अब तक ऐसी सूची सार्वजनिक नहीं की है।

एसआईआर : 33 लाख मतदाताओं को नोटिस

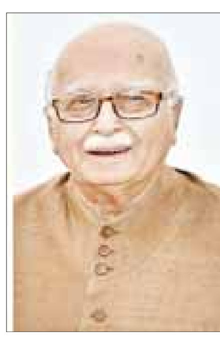

नई दिल्ली।

विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत दिल्ली में एक बड़ा मामला सामने आया है। निर्वाचन आयोग द्वारा विवरणों में कथित विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले 33 लाख मतदाताओं की सूची में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसी कई प्रमुख हस्तियों के नाम भी शामिल हैं। 98 वर्षीय आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस जारी किए गए हैं, क्योंकि उनके नाम 2002 के विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए। हालांकि, उनके बेटे जयंत इस मैपिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर चुके हैं। ये सभी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं। आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और उनके बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। अधिकारियों के अनुसार, बेटे मीर के नोटिस में माता-पिता के नाम में विसंगति और पत्नी सीमा के नोटिस में उनके अपने नाम में बेमेल का कारण बताया गया है। इस सूची में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की प्रविष्टि को मान्य कर दिया गया है और शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची (जो 4 नवंबर को प्रकाशित होगी) में उनके नाम को शामिल करने के लिए सुरक्षित कर लिया गया है। 30 जून से 17 अगस्त के बीच चलाए गए घर-घर सत्यापन अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को एक गणना फॉर्म जमा करना आवश्यक था। मसौदा सूचियों में शामिल लगभग 97 लाख मतदाताओं में से 33.13 लाख मतदाताओं को उनके फॉर्म में विसंगतियों के चलते नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से अब तक 31.63 लाख से अधिक नोटिस दिए जा चुके हैं।

रेखा, आडवाणी, सिसोदिया, केजरीवाल और सिब्बल भी शामिल

30 लाख का इनामी नक्सली कमांडर ढेर

वाराणसी। रामनगर थाना क्षेत्र के लंका मैदान के समीप रविवार सुबह पुलिस और यूपी एटीएस की टीम की झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) के कमांडर से मुठभेड़ हो गई। क्रॉस फायरिंग में 30 लाख रुपये के इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता को गोली लगी। पुलिस टीम उसे अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, बृजेश गंझू पुत्र पंचू गंझू निवासी लूटू, थाना लवलंग, जनपद चतरा (झारखंड) के खिलाफ झारखंड में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। झारखंड सरकार ने उस पर 25 लाख रुपये और एनआईए ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस के मुताबिक वह टीपीसी का सक्रिय कमांडर था और लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर था।

ब्रिज से गिरी तेज रफ्तार कार, तीन की मौत

मुंबई। मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार तड़के हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। हादसा करीब सुबह 5.20 बजे लोटस जेट्टी के पास हुआ। बीएमसी के अनुसार, एक हाई-एंड लग्जरी कार मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। इसी दौरान कथित तौर पर तेज रफ्तार के कारण चालक ने कार पर नियंत्रण खो दिया और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद कार में सवार सभी चार लोगों को नायर अस्पताल ले जाया गया। इनमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर बताई गई है।

दीया जलाने को पैसा है लेकिन हॉस्टल बनाने को नहीं : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छात्राओं के लिए हॉस्टल की कमी को लेकर सरकार पर तंज करते हुए कहा है कि सरकार के पास दीया जलाने को पैसा है लेकिन परेशान छात्राओं के लिए हॉस्टल बनाने के लिए पैसा नही है। श्री गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कल इंदौर में एक छात्रा ने उनसे पूछा था कि सरकार के पास दीया जलाने के लिए पैसा है, तो उनके हॉस्टल के लिए क्यों नहीं। उन्होंने

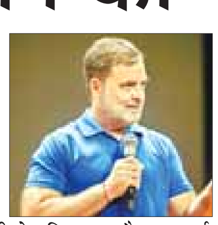

कहा कि गांव से पढ़ने शहर आने वाली छात्राओं को हॉस्टल नहीं मिलने के कारण पीजी में रहना पड़ता है और सुरक्षित रहने में लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि हर महीने किराये की चिंता और बेघर होने के डर के बीच छात्राओं को पढ़ाई करनी पड़ती है तथा कई लड़कियां रहने की जगह नहीं होने के कारण बीच में ही पढ़ाई छोड़ देती हैं। उन्होंने आवास भत्ते को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि यह महंगाई के साथ नहीं बढ़ता और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है।

मलेशिया को पसंद आया ब्रह्मोस, अमेरिका को छोड़ भारत से रक्षा साझेदारी की तैयारी

नई दिल्ली । भारत और मलेशिया के बीच रक्षा सहयोग को लेकर एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मलेशिया ने भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित ब्रह्मोस हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली में रुचि दिखाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी संभावित खरीद से मलेशिया अपनी रक्षा जरूरतों के लिए अमेरिका और उसके सहयोगी देशों पर निर्भरता कम कर सकता है। हालांकि अभी

यह संभावित खरीद में रुचि है और इसे अंतिम रक्षा सौदा नहीं माना जा सकता। रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ कमलेश कुमार के अनुसार, भारत के साथ करीबी सहयोग मलेशिया को एक महत्वपूर्ण आर्थिक और सुरक्षा साझेदार उपलब्ध करा सकता है, बिना उसे किसी एक शक्ति खेमे में पूरी तरह जाने की जरूरत पड़े। रक्षा साझेदारियों में विविधता लाना मलेशिया की रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखने का एक तरीका हो सकता है। ब्रह्मोस की मारक क्षमता और बहुउपयोगिता को देखते हुए इसकी संभावित तैनाती से दक्षिण चीन सागर में मलेशिया की प्रतिरोधक क्षमता को लेकर दूसरे देशों की धारणा प्रभावित हो सकती है।

टाटा संस में तकरार: ट्रस्ट्स बोले- नहीं बदल सकते नियम

चंद्रशेखरन की कुर्सी पर फंसा पेंच

जोधपुर।

टाटा समूह में चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस के 17 सितंबर के उस फैसले की वैधता पर सवाल उठाया है, जिसमें चंद्रशेखरन को पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाए रखने का फैसला हुआ था। ट्रस्ट्स का कहना है कि कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के मुताबिक, ट्रस्ट की ओर से नामित निदेशकों की मंजूरी जरूरी थी। ऐसे में चेयरमैन के पास मौजूद कास्टिंग वोट इस शर्त को खत्म नहीं कर सकता। टाटा ट्रस्ट्स के मुताबिक, 17 सितंबर की बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव पर कोई गतिरोध था ही नहीं। टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स के दो नामित निदेशक हैं। इनमें से रतन टाटा के निधन के बाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन बने नोएल टाटा

ने चंद्रशेखरन के कार्यकाल को पांच साल बढ़ाने के प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया, जबकि दूसरे ट्रस्ट-नामित निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने प्रस्ताव का समर्थन किया। ट्रस्ट्स का तर्क है कि दो नामित निदेशकों में बहुमत का मतलब दो है, एक नहीं। इसलिए जरूरी समर्थन नहीं मिला और प्रस्ताव वैध रूप से पारित नहीं हो सकता था।

4-1 का आंकड़ा मायने नहीं रखता

टाटा ट्रस्ट्स का कहना है कि पूरे बोर्ड में 4-1 से प्रस्ताव पारित होना इस मामले में निर्णायक नहीं है। उसके मुताबिक, ट्रस्ट-नामित निदेशकों से जुड़ी शर्त पूरा करना जरूरी था। ट्रस्ट्स ने कहा कि वोटों का नतीजा 4-1 हो या कोई और, इससे फर्क नहीं पड़ता। किसी शर्त को या तो पूरा किया जाता है या नहीं किया जाता। इस मामले में ट्रस्ट्स की ओर से जरूरी समर्थन नहीं मिला, इसलिए उनके अनुसार प्रस्ताव भी वैध नहीं है। ट्रस्ट्स के मुताबिक, ऐसे मामले में प्रस्ताव को प्रभावी होने के लिए बोर्ड में कम-से-कम 66 प्रतिशत समर्थन के साथ-साथ टाटा ट्रस्ट्स की ओर से नियुक्त दोनों डायरेक्टरों की सहमति भी जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर ओलंपिक एसोसिएशन का चुनाव रद्द

जम्मू (वार्ता)

जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय ने 15 दिसंबर 2024 को हुए जम्मू-कश्मीर ओलंपिक एसोसिएशन (जेकेओए) के चुनाव को शून्य और अमान्य घोषित कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने जेकेओए के प्रशासन और प्रबंधन की निगरानी के लिए दो सदस्यीय प्रशासकों की समिति का गठन भी किया है। इस संबंध में श्री राजीव शर्मा की ओर से अधिवक्ता अमित गुप्ता, अधिवक्ता गौरव सदोत्रा और अधिवक्ता सुमित मोजा ने याचिका दायर की थी।

पंचमुखी शिक्षा से समग्र ग्राम विकास की दिशा में एकल अभियान

शिक्षा के साथ स्वास्थ्य, संस्कार, ग्राम विकास और नागरिक चेतना पर जोर

शहडोल (स्वतंत्रमत)

एकल अभियान द्वारा ग्रामीण भारत के समग्र विकास के उद्देश्य से पंचमुखी शिक्षा की अवधारणा पर कार्य किया जा रहा है। यह शिक्षा मॉडल केवल बच्चों के बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि शरीर, संस्कार, संस्कृति, व्यक्तित्व और सामाजिक चेतना के विकास को भी समान महत्व देता है। पंचमुखी शिक्षा के माध्यम से शिक्षा को ग्राम जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पंचमुखी शिक्षा के पांच प्रमुख आयाम प्राथमिक शिक्षा, आरोग्य शिक्षा, ग्राम विकास शिक्षा, जागरण (ग्राम स्वराज) शिक्षा और संस्कार शिक्षा हैं। इन पांचों आयामों को एक-दूसरे से जोड़कर ग्रामीण परिवारों, बच्चों, युवाओं और समुदाय के समग्र विकास की दिशा में गतिविधियां संचालित की जाती हैं।

बच्चों की शिक्षा के साथ संस्कार और जीवन कौशल

प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत 4 से 14 वर्ष तक के बच्चों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जाती है। एकल विद्यालयों में भाषा, गणित, सामान्य ज्ञान, स्वास्थ्य, कहानियां, गीत, खेल, योग एवं रचनात्मक गतिविधियों को शामिल किया जाता है। प्रार्थना और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, सम्मान और सामाजिक मूल्यों की भावना विकसित करने पर जोर दिया जाता है। शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए ई-शिक्षा की व्यवस्था भी की गई है। डिजिटल सामग्री, वीडियो और गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों के सीखने को रोचक बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

आरोग्य शिक्षा से स्वस्थ परिवार की पहल

पंचमुखी शिक्षा का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम आरोग्य शिक्षा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए योग, स्वच्छता, पोषण, औषधीय पौधों और घरेलू स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पर जोर दिया जाता है। ग्राम वैद्य, आरोग्य सेविका, स्वास्थ्य शिविर एवं टेलीमेडिसिन जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से ग्रामीणों तक स्वास्थ्य संबंधी सहायता पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। परिवारों को पोषण वाटिका और औषधीय वाटिका विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है, ताकि स्वास्थ्य के प्रति आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हो।

आत्मनिर्भर गांव के लिए ग्राम विकास शिक्षा

ग्राम विकास शिक्षा का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और गांवों में रोजगार एवं आजीविका के अवसर बढ़ाना है। इसके अंतर्गत जैविक खेती, पोषण वाटिका, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, कौशल प्रशिक्षण, कंप्यूटर शिक्षा, युवा क्लब तथा ग्राम आधारित उत्पादन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाता है। ग्रामोथान रिसोर्स सेंटर, इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट, स्किल ट्रेनिंग सेंटर और मोबाइल कंप्यूटर वैन जैसी पहल के माध्यम से किसानों और युवाओं को आधुनिक कौशल एवं व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है।

जागरण शिक्षा से नागरिक चेतना को बढ़ावा

जागरण शिक्षा अथवा ग्राम स्वराज शिक्षा के माध्यम से ग्रामीणों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया जाता है। पंचायती राज व्यवस्था, सरकारी योजनाओं, सूचना का अधिकार, मतदाता जागरूकता तथा नागरिक सहभागिता जैसे विषयों पर जानकारी दी जाती है। इसके साथ ही सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रभावना और स्थानीय संस्कृति एवं विरासत के प्रति गौरव की भावना विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ग्रामीण समुदाय के भीतर से नेतृत्व विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जाता है।

संस्कार शिक्षा से मजबूत हो रही सामाजिक-सांस्कृतिक जड़ें

पंचमुखी शिक्षा का पांचवां आयाम संस्कार शिक्षा है। इसके अंतर्गत भजन, सत्संग, राम एवं कृष्ण कथा, योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विभिन्न पर्व-त्योहारों के माध्यम से सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और परिवार एवं समुदाय में आपसी सद्भाव जैसे विषयों को भी संस्कार शिक्षा से जोड़ा गया है। सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। पंचमुखी शिक्षा का उद्देश्य शिक्षा को केवल किताबों और कक्षा तक सीमित न रखकर उसे ग्राम जीवन से जोड़ना है। प्राथमिक शिक्षा से ज्ञान, आरोग्य शिक्षा से स्वास्थ्य, ग्राम विकास शिक्षा से आत्मनिर्भरता, जागरण शिक्षा से नागरिक चेतना और संस्कार शिक्षा से मूल्य एवं सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। एकल अभियान के अनुसार इन पांचों आयामों के समन्वय से ऐसा ग्रामीण समाज विकसित करने का प्रयास है, जहां बच्चे शिक्षित हों, परिवार स्वस्थ हों, युवा कुशल हों, किसान सक्षम हों और ग्रामीण नागरिक अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक होकर आत्मनिर्भर ग्राम निर्माण में सहभागी बनें।

25वीं राज्य स्तरीय वूशु प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में 16 से 18 सितंबर तक आयोजित 25वीं मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वूशु प्रतियोगिता में शहडोल जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 7 पदक अर्जित किए। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 700 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु एवं स्पर्धा वर्गों में सहभागिता की। प्रतियोगिता में शहडोल के अथर्व सिंह टेकाम ने स्वर्ण पदक, आदित्य तिवारी ने रजत पदक तथा प्रथमेश ताम्रकर, इमरान खान, चंद्रशेखर यादव, केशव भारद्वाज एवं घ् द्विवेदी ने कांस्य पदक प्राप्त किया। स्वर्ण पदक विजेता अथर्व सिंह टेकाम के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय स्तर की वूशु प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है। शहडोल जिला वूशु संघ के जिला अध्यक्ष राजेश सोंधिया एवं जिला सचिव एवं कोच अंशुमान सिंह ने टीम एवं सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के दौरान शहडोल टीम के जूनियर कोच के रूप में चंद्रशेखर यादव एवं कान्हा गर्ग ने तथा टीम मैनेजर के रूप में हिमानी सिंह ने अपनी जिम्मेदारी निभाई।

हाई स्कूल नरगी में सेवा संकल्प अभियान का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'जन सेवा से देश सेवा' की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शासकीय एकीकृत हाई स्कूल नरगी, जिले में विद्यार्थियों द्वारा चित्रकला गतिविधि का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। विद्यार्थियों ने अपने चित्रों के माध्यम से सेवा, समर्पण, राष्ट्रप्रेम और जनकल्याण की भावनाओं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। चित्रकला गतिविधि में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कल्पनाशीलता एवं कला प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस गतिविधि से बच्चों में रचनात्मकता के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा भाव को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया गया।

दिल को बचाना है तो योग को बनाएं जीवन का हिस्सा

शहडोल (स्वतंत्रमत)

आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार के बीच बिगड़ती दिनचर्या, अनियंत्रित खानपान, मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता हृदय स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। कम उम्र में भी हृदय संबंधी समस्याओं के मामले सामने आने के बीच विश्व हृदय दिवस लोगों को अपने दिल की सेहत के प्रति सजग होने का संदेश देता है। योगाचार्य शिवाकान्त शुक्ला, योग प्रशिक्षक, आयुष विभाग एवं संस्थापक शिवजी योग एण्ड वैलनेस संस्थान, ने योग और प्राणायाम को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और जीवनशैली में संतुलन स्थापित करने की वैज्ञानिक पद्धति है। नियमित योगाभ्यास शारीरिक सक्रियता बढ़ाने, तनाव कम करने और स्वस्थ दिनचर्या विकसित करने में सहायक हो सकता है। योगाचार्य शिवाकान्त शुक्ला के अनुसार लगातार मानसिक तनाव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। योग और प्राणायाम के नियमित अभ्यास से मन को शांत करने, तनाव कम करने और शरीर को विश्राम देने में मदद मिलती है। उन्होंने लोगों से योग को केवल बीमारी के समय नहीं, बल्कि स्वस्थ रहते हुए भी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि ताड़ासन और वृक्षासन शरीर के संतुलन एवं सक्रियता के लिए उपयोगी हैं। भुजंगासन छाती और श्वसन क्षमता से जुड़े अभ्यासों में शामिल है, जबकि शवासन शरीर एवं मन को गहरी विश्रांति देने में सहायक है। हृदय रोग से पीड़ित व्यक्तियों को कठिन आसनों का अभ्यास विशेषज्ञ योग प्रशिक्षक एवं चिकित्सकीय सलाह के अनुसार ही करना चाहिए। योगाचार्य ने नाड़ीशोधन एवं भ्रामरी प्राणायाम को भी नियमित जीवनशैली का हिस्सा बनाने की सलाह दी। नियंत्रित श्वसन एवं प्राणायाम मन को शांत करने और तनाव प्रबंधन में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि योग चिकित्सा का विकल्प नहीं है, बल्कि चिकित्सकीय उपचार के साथ स्वस्थ जीवनशैली के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में अपनाया जा सकता है।

30 से 45 मिनट अपने दिल के नाम

विश्व हृदय दिवस पर उन्होंने लोगों से प्रतिदिन 30 से 45 मिनट योग, प्राणायाम और ध्यान के लिए निकालने का संकल्प लेने की अपील की। साथ ही संतुलित आहार, पर्याप्त शारीरिक गतिविधि और नियमित स्वास्थ्य जांच पर ध्यान देने तथा धूम्रपान एवं तंबाकू से दूरी बनाए रखने की सलाह दी। योगाचार्य शुक्ला ने कहा कि स्वस्थ हृदय केवल बीमारी से बचाव का विषय नहीं, बल्कि बेहतर और खुशहाल जीवन की आधारशिला है। समय रहते जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव ही हृदय को स्वस्थ रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

जल जीवन मिशन की योजनाओं का अपर मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मध्यप्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव सचिन सिन्हा ने जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण एवं भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम कुदरी, गोपालपुर, धमनीकला, जवारी, अटरियाटोला एवं सिंहपुर पहुंचकर योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। अपर मुख्य सचिव सचिन सिन्हा ने भ्रमण के दौरान ग्रामीण हितग्राहियों से संवाद कर जल जीवन मिशन के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पेयजल सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं के संचालन एवं पेयजल उपलब्धता के संबंध में चर्चा की। भ्रमण के दौरान सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बुढ़ार अजय श्रीवास्तव एवं विकासखंड समन्वयक दीप नारायण त्रिपाठी भी साथ रहे।

शासकीय सेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रहे सचिव भीमसेन यादव

जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत ढोलर में सचिव के पद पर कार्यरत भीमसेन यादव अपनी शासकीय सेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन में भी अपना अहम योगदान दे रहे हैं। सचिव भीमसेन यादव ने अपने गृह ग्राम निगाई में अब तक काफ़ी संख्या में पौधे रोपित किए हैं। आपने बहुत लोगों की तस्वीरें पौधरोपण करते सोशल मीडिया पर देखी होंगी किन्तु इनके पौधरोपण का तरीका कुछ अलग है। आपको बता दें की अधिकतर लोग पौधरोपण कर उनके सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित नहीं करते और कुछ दिनों बाद वह पौधे किसी न किसी कारण से नष्ट हो जाते हैं। यही कारण है कि सचिव भीमसेन यादव पौधरोपण करने के तुरंत बाद बांस की लकड़ियों का घेरा बनाकर उन्हें सुरक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने अब तक पीपल, बरगद और आम के काफ़ी संख्या में पौधे सार्वजनिक स्थानों पर लगाए हैं। उनका कहना है कि वह सुबह ही इस काम के लिए निकल जाते हैं। साथ ही एक ऐसे स्थान का चयन करते हैं, जहां पौधे सुरक्षित रहें और बड़े होकर लोगों को छाया प्रदान कर सकें। सचिव भीमसेन यादव शासकीय सेवा के बीच पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश देते दिखाई दे रहे हैं। जो लोगों को पर्यावरण एवं समाजसेवा के प्रति प्रेरित करने में मददगार साबित होगा।

गणेश जी की भक्ति में डूबा उमरिया नगर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। गणेश उत्सव के चलते इन दिनों पूरा उमरिया नगर भगवान श्री गणेश की भक्ति में सराबोर नजर आ रहा है। नगर के विभिन्न मोहल्लों और प्रमुख स्थानों पर आकर्षक गणेश पंडाल सजाए गए हैं, जहां श्रद्धालु प्रतिदिन भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। गणेश मंदिरों में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। नगर के पुराना बस स्टैंड, कैंप, झिरिया मोहल्ला, खलेसर, विकटगंज, चौपाटी के सामने,

फजिलगंज सहित अन्य जगहो पर गणेश प्रतिमाएं

स्थापित की गई है, जहां विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की जा रही है। गणेश पंडालों में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को विभिन्न मनमोहक मुद्राओं और आकर्षक स्वरूपों में विराजित किया गया है। शाम के समय पंडालों में विशेष आरती एवं पूजा का आयोजन किया जा रहा है। भक्ति गीतों और आरती से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण भी किया जा रहा है। गणेश उत्सव को लेकर सबसे अधिक उत्साह छोटे-छोटे बच्चों में देखने को मिल रहा है। बच्चे परिवार के साथ गणेश पंडालों में पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन कर रहे हैं। वहीं युवा और अन्य श्रद्धालु भी आयोजन में बढ़-चढ़कर सहभागिता कर रहे हैं। नगर में स्थापित गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं। आयोजकों द्वारा बताया गया कि 25 सितंबर को गाजे-बाजे और भक्तिमय माहौल के बीच भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। इस दौरान श्रद्धालु नाचते-गाते और जयकारे लगाते हुए गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन स्थल तक ले जाएंगे।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी घोषित सोनम सोनी सहित पांच बनीं जिला उपाध्यक्ष

उमरिया (स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अर्चना परांजपे के निर्देशानुसार तथा संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया, महिला मोर्चा संभाग प्रभारी डॉ. स्वप्ना वर्मा एवं जिला प्रभारी राजेंद्र पांडे के मार्गदर्शन में भाजपा जिला उमरिया की महिला मोर्चा जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल एवं भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नम्रता यादव की सहमति से नई कार्यकारिणी घोषित की गई। घोषित कार्यकारिणी में श्रीमती ममता वर्मा, श्रीमती कपूरिया बाई, श्रीमती पूनम साहू, श्रीमती अनीता सिंह एवं श्रीमती सोनम सोनी को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं श्रीमती सुमन गोटिया एवं सुश्री प्रेमलता बर्मन को जिला महामंत्री बनाया गया है। इसके अलावा श्रीमती माया उपाध्याय, श्रीमती शिल्पा गर्ग, श्रीमती नूतन सिंह, श्रीमती संगीता सिंह एवं श्रीमती श्याम बाई प्रजापति को जिला मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। श्रीमती प्रिया दुबे को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी में श्रीमती निशा रोहणी को जिला आईटी विभाग, श्रीमती काजल असाटी को जिला कार्यालय मंत्री तथा श्रीमती इन्द्रवती सेन को सह जिला कार्यालय मंत्री बनाया गया है। श्रीमती मनीषा सिंह को जिला मीडिया प्रभारी एवं सुश्री आर्ची सिंह गहरवार को जिला सोशल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है। इसी क्रम में श्रीमती सोनू पटेल को 'मन की बात' प्रभारी, सुश्री अनामिका हरिजन को जिला प्रशिक्षण प्रभारी तथा श्रीमती अनूपा सिंह को लाभार्थी प्रमुख बनाया गया है। भाजपा महिला मोर्चा की नवगठित जिला कार्यकारिणी में उमरिया, पाली, मानपुर, करकेली, कोहका, नौरोजाबाद, पिपरिया, बड़ेरी एवं किरनताल सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों की महिला कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपे गए हैं। कार्यकारिणी गठन के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने और महिला मोर्चा की गतिविधियों को जिले के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाने की बात कही है।

एमपीपीएससी परीक्षा में रूचि तिवारी की शानदार सफलता पर महिला समन्वय की जिला टोली ने घर पहुँचकर किया अभिनंदन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

नौरोजाबाद निवासी रूचि तिवारी ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित परीक्षा में उप कुलसचिव पद की सामान्य वर्ग श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने परिवार के साथ-साथ पूरे उमरिया जिले को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर महिला समन्वय की जिला टोली ने कहा कि रूचि तिवारी की उपलब्धि उमरिया जिले की सभी बेटियों के लिए प्रेरणा का विषय है। उनकी सफलता से यह विश्वास मजबूत होता है कि जिले की बेटियाँ शिक्षा, प्रशासन एवं विभिन्न प्रतियोगी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा के बल पर नई ऊँचाइयाँ हासिल कर सकती हैं। महिला समन्वय संगठन से शिक्षिका आशा तिवारी ने रूचि तिवारी एवं उनके परिवार को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, सफल कार्यकाल एवं निरंतर प्रगति की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

संकल्प सेवा अभियान के तहत नमो युवा शक्ति खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत) । संकल्स सेवा अभियान के तहत गुरुवार 17 सितंबर को पीएम श्री कॉलरी स्कूल में नमो युवा शक्ति खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन का उददेश्य युवाओ एवं युवतियो को खेल, रचनात्मक स्वास्थ्य, नेतृत्व कुशलता एवं आत्म निर्भरता से जोड़ना है। इस अवसर पर कुर्सी रेस, चम्मच नीबू रेस, खो खो प्रतियोगिता का आयोजन युवतियो के मध्य वं सुकोकू वर्ग पहेली का आयोजन युवको के मध्य किया गया। स्थान रखने वाले प्रतिभागियो को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में बिरसामुंडा सीएलएफ की कौशल सखी वंदना पाल व्दारा अपनी सफलता की कहानी सुनाकर प्रतिभागियो को प्रोत्साहित किया गया। स्वास्थ्य विभाग व्दारा प्रतिभागियो के स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई।

झूठी शिकायत के आरोप में थाना प्रभारी को सौंपा आवेदन

मानपुर (स्वतंत्रमत)। मानपुर निवासी जय प्रकाश शर्मा ने अपने विरुद्ध की गई कथित झूठी शिकायत के संबंध में थाना प्रभारी मानपुर को आवेदन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। आवेदन में श्री शर्मा ने बताया कि वे दैनिक समाचार पत्र की एजेंसी संचालित करते हैं और मानपुर जनपद के ग्राम पंचायत कठार में संचालित देवेंद्र चतुर्वेदी स्टोन क्रेशर से संबंधित खबरें प्रकाशित करते रहे हैं। उनका आरोप है कि खबर प्रकाशित होने के बाद अतुल गुप्ता द्वारा उनके फोन-पे पर दो हजार रुपये भेजे गए, जिसे उन्होंने वापस कर दिया और किसी प्रकार की गलत गतिविधि से दूर रहने की बात कही। श्री शर्मा ने आवेदन में यह भी उल्लेख किया कि क्रेशर से संबंधित शिकायतें प्रदूषण विभाग एवं खनिज विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में लाई गई हैं तथा 30 अगस्त 2026 को सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की गई है। उन्होंने अपने विरुद्ध अतुल गुप्ता द्वारा पुलिस में की गई शिकायत को झूठा बताते हुए पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग एवं गंदगी करने पर 9 हजार 500 रुपये का जुर्माना

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद द्वारा प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग एवं गंदगी के विरुद्ध कार्रवाई की गई। बुढ़ार रोड स्थित दुकानों के निरीक्षण के दौरान छह दुकानदारों के पास से कुल 6 किलो 400 ग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन पाए जाने तथा गंदगी किए जाने पर कुल 9 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। नगर पालिका की टीम द्वारा दुकानदारों को प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने की हिदायत दी गई। साथ ही इसके स्थान पर कपड़े अथवा जूट के थैलों का उपयोग करने की समझाइश दी गई। दुकानदारों से दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा नगर को स्वच्छ एवं पॉलिथीन मुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील भी की गई।

आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक निलंबित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने अभिलाषा सोधियां पर्यवेक्षक परिक्षेत्र चिल्हारी परियोजना मानपुर महिला एवं बाल विकास विभाग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि गत सप्ताह अमरपुर सेक्टर मे आयोजित जन विश्वास अभियान के दौरान आंगनबाडी केंद्र असोढ 02 के निरीक्षण के दौरान आंगनबाडी में बच्चों की कम उपस्थिति तथा रजिस्टर में अंकित वास्तविक वजन से कम वजन पाए जाने सहित आंगनबाडी केंद्र में पाई गई अनियमितताओ के आरोप में कलेक्टर व्दारा पर्यवेक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय उमरिया नियत किया गया है।

संस्कृत भाषा को सरल कैसे बनाएं, दैनिक बातचीत में कैसे शामिल करें

संस्कृत भारत की प्राचीन, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। इसे अनेक भारतीय भाषाओं की जननी भी कहा जाता है। आज कई विद्यार्थियों को संस्कृत कठिन लगती है, इसलिए वे इससे दूरी बनाने लगते हैं। वास्तव में संस्कृत उतनी कठिन नहीं है, जितना हम समझते हैं। यदि इसे सरल तरीके से सिखाया जाए और दैनिक जीवन से जोड़ा जाए, तो इसे बोलना और समझना आसान हो सकता है।

सरल शब्दों से करें शुरुआत

संस्कृत सीखने की शुरुआत कठिन व्याकरण के बजाय रोजमर्रा के छोटे-छोटे शब्दों और वाक्यों से होनी चाहिए। जैसे, नमस्ते (प्रणाम), कथम् अस्ति? (कैसे हैं?), अहम् कुशली अस्मि (मैं कुशल हूं), धन्यवादः (धन्यवाद), कृपया आदि। ऐसे वाक्यों का नियमित अभ्यास विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाता है।

दैनिक जीवन में करें प्रयोग

संस्कृत को घर, विद्यालय और मित्रों के बीच होने वाली छोटी बातचीत से जोड़ा जा सकता है। सुबह मिलने पर सुप्रभातम्, विदा लेते समय पुनर्मिलामः, भोजन के समय भोजनं कुर्मः और धन्यवाद के लिए धन्यवादः जैसे शब्दों का प्रयोग किया जा सकता है। धीरे-धीरे ये शब्द बातचीत का हिस्सा बन जाते हैं।

तकनीक से सीखना हुआ आसान

मोबाइल ऐप, ऑनलाइन कक्षाएं, वीडियो और ऑडियो सामग्री के माध्यम से संस्कृत सीखना आसान हो गया है। विद्यार्थी प्रतिदिन कुछ मिनट संस्कृत सुनें, पढ़ें और बोलने का अभ्यास करें। इससे उच्चारण और शब्द-भंडार दोनों बेहतर होंगे।

विद्यालय और परिवार की भूमिका

विद्यालयों में संस्कृत को केवल परीक्षा का विषय न बनाकर व्यवहारिक भाषा के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए। प्रार्थना सभा, भाषण, नाटक, गीत और संवाद में संस्कृत का प्रयोग बढ़ाया जा सकता है। परिवार में भी अभिभावक बच्चों के साथ कुछ सरल संस्कृत शब्दों का प्रयोग करें। जैसे, आगच्छ (आओ), गच्छ (जाओ), उपविश (बैठो), पठ (पढ़ो)।

संस्कृत बने जीवन का हिस्सा

संस्कृत को सरल बनाने का सबसे अच्छा तरीका हैकृ इसे जीवन का हिस्सा बनाना। नियमित अभ्यास, सरल शिक्षण पद्धति, परिवार और विद्यालय का सहयोग तथा आधुनिक तकनीक के उपयोग से संस्कृत को दैनिक बातचीत में आसानी से शामिल किया जा सकता है। इससे भाषा के प्रति रुचि बढ़ेगी और हमारी सांस्कृतिक विरासत भी आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रहेगी।

अरुण लता तिवारी
शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

एमपी बोर्ड की परीक्षा में निबंध लेखन

एमपी बोर्ड की परीक्षा में निबंध लेखन विद्यार्थियों की भाषा, विचार और अभिव्यक्ति क्षमता को परखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। चाहे निबंध हिंदी का हो या अंग्रेजी का, अच्छे उत्तर के लिए कुछ मूल बातें समान रहती हैं। विषय को समझना, विचारों को सही क्रम में रखना, भूमिका और निष्कर्ष को प्रभावी बनाना तथा भाषा की शुद्धता बनाए रखना जरूरी है। केवल अधिक शब्द लिखने के बजाय विषय पर केंद्रित और व्यवस्थित निबंध लिखना अधिक महत्वपूर्ण है।

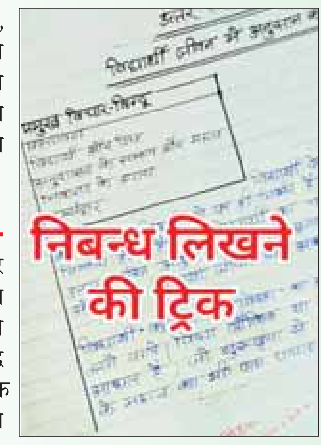

भाषा अलग, तरीका लगभग समान

हिंदी और अंग्रेजी में निबंध लिखते समय भाषा और व्याकरण के नियम अलग होते हैं, लेकिन लेखन की मूल रणनीति समान रहती है। दोनों भाषाओं में पहले विषय को समझें, फिर मुख्य बिंदु तय करें और उसके बाद क्रमबद्ध तरीके से निबंध लिखें। याद रखें, पहले टॉपिक समझें, फिर पाइंट्स बनाएं, फिर भूमिका लिखें, मुख्य भाग लिखने के बाद उपसंहार जरूर लिखें।

भूमिका हो रोचक

निबंध की शुरुआत विषय के संक्षिप्त परिचय से करें। हिंदी में सरल और प्रभावी वाक्य तथा अंग्रेजी में क्लियर और सिंपल सेंटेंस लिखें। शुरुआत बहुत लंबी न करें।

विचारों का रखें सही म

निबंध को छोटे-छोटे अनुच्छेदों में लिखें। सामान्य क्रम इस प्रकार रखा जा सकता है पहले भूमिका फिर विषय का परिचय दें फिर विषय का महत्व/समस्या लिखें, उसका कारण प्रभाव, समाधान और अंत में निष्कर्ष अवष्य लिखें। हिंदी निबंध में वर्तनी, व्याकरण और विराम चिह्नों पर ध्यान दें। अंग्रेजी निबंध में स्पेलिंग, ग्रामर, टेंस की गलतियों से बचें। दोनों भाषाओं में कठिन शब्दों के बजाय स्पष्ट और सहज भाषा का प्रयोग करें।

निबंध लेखन का 7 दिन का अभ्यास प्लान

दिन 1 – किसी आसान विषय पर भूमिका और निष्कर्ष लिखें।
दिन 2 – पर्यावरण या शिक्षा जैसे विषय के मुख्य बिंदु तैयार करें।
दिन 3 – हिंदी में पूरा निबंध निर्धारित समय में लिखें।
दिन 4 – अंग्रेजी में किसी विषय पर में लिखें।
दिन 5 – दोनों भाषाओं में लिखे निबंधों की गलतियां खोजें।
दिन 6 – कमजोर हिस्सों को दोबारा लिखकर सुधारें।
दिन 7 – परीक्षा जैसा माहौल बनाकर हिंदी और अंग्रेजी में एक-एक निबंध लिखने का अभ्यास करें।

परीक्षा में ध्यान रखें

- विषय को ध्यान से पढ़ें और उसी पर लिखें।
- पहले 4 से 5 मुख्य बिंदु मन में तय करें।
- अनुच्छेद छोटे और स्पष्ट रखें।
- शब्द-सीमा का ध्यान रखें।
- हिंदी में वर्तनी और अंग्रेजी में स्पेलिंग जरूर जांचें।
- अंत में 2 से 3 मिनट उत्तर की समीक्षा के लिए रखें।

परीक्षा का आसान फॉर्मूला

विषय की समझ, सही क्रम, शुद्ध भाषा, प्रभावी प्रस्तुति और मजबूत निष्कर्ष एक अच्छे निबंध लेखन शैली की प्रमुख विषेषता है। चाहे हिंदी का निबंध हो या अंग्रेजी का, नियमित लेखन अभ्यास ही परीक्षा में बेहतर और आत्मविश्वासपूर्ण उत्तर लिखने की सबसे अच्छी तैयारी है।

मातृभाषा: विचारों को व्यक्त करने का माध्यम

मातृभाषा वह भाषा है जिसे बच्चा अपने परिवार और आसपास के वातावरण से स्वाभाविक रूप से सीखता है। इसी भाषा के माध्यम से वह अपने शुरुआती विचारों, भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करना शुरू करता है। इसलिए मातृभाषा केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास की मजबूत नींव भी है। जब विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में किसी विषय को समझता है, तो वह अपने विचारों को अधिक सहजता से व्यक्त कर पाता है। इससे बोलने और लिखने की क्षमता विकसित होती है। अपनी बात स्पष्ट तरीके से रखने का अभ्यास आत्मविश्वास बढ़ाता है। मातृभाषा में संवाद करते समय विद्यार्थी शब्दों को लेकर कम झिझकता है। कक्षा में प्रश्न पूछना, उत्तर देना, चर्चा में भाग लेना और मंच पर बोलना उसके आत्मविश्वास को मजबूत करता है। यही आत्मविश्वास आगे अन्य भाषाएं सीखने में भी मदद करता है। मातृभाषा के माध्यम से विद्यार्थी लोककथाओं, साहित्य, कहावतों, लोकगीतों और पारिवारिक परंपराओं को समझता है। इससे उसे अपनी संस्कृति और सामाजिक मूल्यों की जानकारी मिलती है। भाषा के साथ संस्कार और संवेदनशीलता भी विकसित होती है। प्रारंभिक शिक्षा यदि विद्यार्थी को परिचित भाषा में मिलती है, तो वह अवधारणाओं को आसानी से समझ सकता है। विषय को समझकर सीखने की आदत रटने की प्रवृत्ति को कम करती है। मातृभाषा में पढ़ने की आदत शब्द-भंडार और लेखन कौशल को भी समृद्ध करती है। मातृभाषा में मजबूत आधार होने से विद्यार्थी दूसरी भाषाओं को सीखने में भी बेहतर तरीके से आगे बढ़ सकता है। वह नई भाषा के शब्दों, वाक्य-रचना और अर्थ की तुलना अपनी परिचित भाषा से कर सकता है।

भाषा: सभी विषयों के ज्ञान का प्रवेश-द्वार

शिक्षा और शिक्षण की पूरी प्रक्रिया में भाषा का स्थान केंद्रीय है। भाषा केवल विचार व्यक्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, तर्क, सृजनशीलता और व्यक्तित्व विकास का आधार भी है। भाषा की समझ मजबूत हो तो कठिन विषय भी आसानी से समझ में आते हैं। प्रसिद्ध दार्शनिक लुडविग विट्गेंस्टाइन का कथन है कि मेरी भाषा की सीमाएँ ही मेरे संसार की सीमाएँ हैं।

हर विषय को समझने की कुंजी

इतिहास, विज्ञान, गणित, समाजशास्त्र या कला, हर विषय को समझने के लिए भाषा आवश्यक है। प्रश्न को सही ढंग से समझना और उसके अनुरूप उत्तर देना तभी संभव है, जब विद्यार्थी भाषा पर अच्छी पकड़ रखते हों। कई बार विषय का ज्ञान होने के बावजूद कठिन शब्दावली न समझ पाने से विद्यार्थी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाते।

भाषा सीखने का सही तरीका

भाषा पर पकड़ बनाने के लिए नियमित पढ़ना, लिखना और बोलना जरूरी है। कठिन शब्दों के अर्थ, पर्यायवाची, विलोम और सरल भाषा में उनका प्रयोग सीखें। शब्दकोश का उपयोग शब्द-भंडार बढ़ाने में सहायक है। कठिन अध्यायों को बार-बार पढ़ने और लिखने का अभ्यास भी करें।

परीक्षा में भाषा का महत्व

परीक्षा में प्रश्नपत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए। प्रश्न का आशय समझने के बाद ही उत्तर लिखें। शब्द-सीमा, समय-प्रबंधन, वर्तनी और व्याकरण का ध्यान रखें। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र हल करना और पाठ्यक्रम का नियमित पुनरावर्तन आत्मविश्वास बढ़ाता है।

एकाग्रता और दृश्य स्मृति

मोबाइल और सोशल मीडिया पढ़ाई में ध्यान भटका सकते हैं। अध्ययन के समय इनसे दूरी बनाकर एकाग्रता बढ़ाई जा सकती है। कठिन तथ्यों को चित्र, संकेत या छोटे आइकॉन से जोड़कर याद करना भी उपयोगी है। दृश्य स्मृति कई विद्यार्थियों के लिए सीखने को आसान बना सकती है।

चर्चा, लेखन और वाचन

गुरुजनों और मित्रों के साथ विषय पर चर्चा करना, नियमित लेखन और जोर से पढ़ने का अभ्यास भाषा-कौशल को बेहतर बनाता है। परीक्षा में परिचित पेन और अन्य उपयोगी साधनों का ही प्रयोग करें, ताकि लेखन की गति और आत्मविश्वास बना रहे।

सफलता का मूल मंत्र

भाषा केवल एक विषय नहीं, बल्कि ज्ञान और व्यक्तित्व विकास का आधार है। नियमित अभ्यास, अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मक सोच के साथ विद्यार्थी भाषा पर अधिकार हासिल कर सकते हैं। भाषा मजबूत होगी तो सीखने और परीक्षा में सफलता की राह भी आसान होगी।

डॉ. शिव कुमार सिंह ठाकुर
शिक्षक (हिंदी),
क्राइस्ट चर्च बॉयज़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जबलपुर।

Tenses Made Easy

Learn English Tenses with Simple Rules

Tenses are one of the most important parts of English Grammar. A tense tells us when an action happens, happened, or will happen. a good understanding of tenses is useful in sentence formation, fill-in-the-blanks, error correction and other grammar-based questions. Learning the basic rules and practising them regularly can make tense-based questions much easier.

What is a Tense?

A tense shows the time of an action. There are three main types of tenses:

1 Present Tense ? Action happening now or regularly

2 Past Tense ? Action that happened in the past

3 Future Tense ? Action that will happen in the future

Each tense has four forms: Simple, Continuous, Perfect and Perfect Continuous.

1. Present Tense

1.1 Simple Present: Used for habits, regular actions and universal truths.

I go to school every day.

1.2 Present Continuous: Used for an action happening at the moment.

I am reading a book.

1.3 Present Perfect: Used for an action that has been completed recently or whose result is connected with the present.

She has finished her work.

1.4 Present Perfect Continuous: Used for an action that started in the past and is still continuing.

He has been studying for two hours.

2. Past Tense

2.1 Simple Past: Used for an action completed in the past.

I visited Delhi last year.

2.2 Past Continuous: Used for an action that was continuing at a particular time in the past.

She was reading a book.

2.3 Past Perfect: Used for an action completed before another past action.

The train had left before we arrived.

2.4 Past Perfect Continuous: Used for an action that had continued for some time before another past event.

He had been working for two hours.

3. Future Tense

3.1 Simple Future: Used for an action that will happen in the future.

I will help you.

3.2 Future Continuous: Used for an action that will be continuing at a particular time in the future.

She will be studying at 8 p.m.

3.3 Future Perfect: Used for an action that will have been completed by a particular future time.

They will have completed the work.

3.4 Future Perfect Continuous: Used for an action that will have continued for a period of time up to a particular future point.

He will have been working for two hours.

How to Identify a Tense?

While solving Class 10 grammar questions, look carefully at the helping verb, main verb and time expressions. Words such as every day, now, yesterday, already, tomorrow, since and for can provide useful clues. Always check whether the subject and verb agree with each other.

Exam Tips

1 Learn the basic structure of all 12 tenses.

2 Practise changing sentences from one tense to another.

3 Pay attention to helping verbs.

4 Check the correct form of the main verb.

5 Do not ignore subject-verb agreement.

6 Read the complete sentence before selecting an answer.

शब्द पहेली - 8981

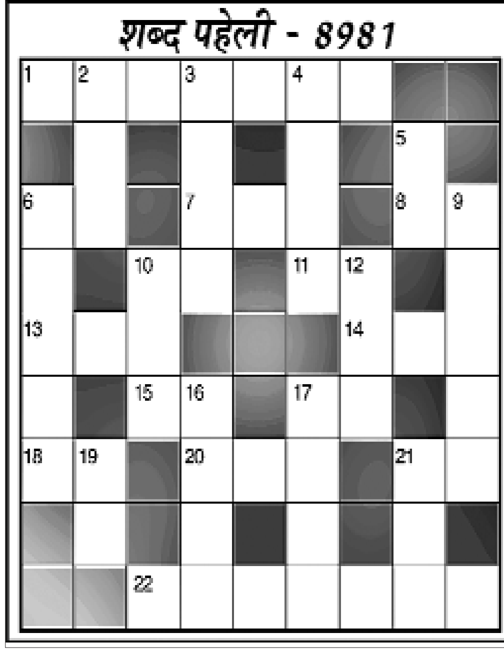

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण, बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह, जिज्ञासा-3
16. हद, सीमा, बार्डर-4
17. हमेशा, सदैव-4
19. बलिदान, परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-8980 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

हितकारिणी महोत्सव
2026-27
अंतर हितकारिणी साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताएँ
हितकारिणी परिवार के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए प्रतिभा प्रदर्शन का भव्य मंच

5 अक्टूबर से 8 अक्टूबर
साहित्य, संगीत, नृत्य, वाद-विवाद, खेलकूद, विज्ञान, कला एवं अनेक रोचक प्रतियोगिताएँ
अपनी प्रतिभा को पहचान दें...
प्रतियोगिता में भाग लें, सीखें, आगे बढ़ें, अपनी संस्था का गौरव बढ़ाएँ
आइए, उत्साह और उमंग के साथ हितकारिणी महोत्सव का हिस्सा बनें
एक परिवार, अनेक प्रतिभाएँ, एक गौरव - हितकारिणी

सतर्कता जागरूकता अभियान में साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी से बचाव की दी जानकारी

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार बैंक ऑफ इंडिया शाखा नरसिंहपुर में सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आमजनों को साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई तथा सतर्क एवं जागरूक रहने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल अरेस्ट, म्यूल अकाउंट, मनी लॉन्ड्रिंग, ओटीपी शेयरिंग, रिश्वतखोरी एवं फर्जी लिंक के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों के संबंध में जानकारी दी गई। उपस्थित नागरिकों को समझाया गया कि साइबर ठगी से बचने के लिए किसी भी अनजान या संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करें तथा अपनी बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी, पासवर्ड एवं ओटीपी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें।

खेल मैदान से जुड़ें बच्चे, नशे से रहें दूर : मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में हुआ संभागीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम मैदान, गोटेगांव में किया गया। मंत्री श्री पटेल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों एवं युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर खेल गतिविधियों से जुड़ना चाहिए। खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य एवं संघर्ष करने

की क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल मैदान में उतरकर चुनौतियों का सामना करने की आदत जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ निरंतर अभ्यास करने तथा अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए प्रयासरत रहने का आह्वान किया। गोटेगांव क्षेत्र में कबड्डी को लेकर लंबे समय से सक्रिय खेल वातावरण रहा है। प्रतियोगिता के आयोजन से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में विधायक श्री महेंद्र नागेश, पूर्व मंत्री श्री जालम सिंह पटेल, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री अनुज जैन, बीआरसी गोटेगांव श्री उमाशंकर छिरा सहित विभिन्न विद्यालयों के खेल शिक्षक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग के नरसिंहपुर, जबलपुर, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा एवं कटनी जिलों के बालक खिलाड़ियों ने 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में नरसिंहपुर जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए तीनों आयु वर्गों में विजेता बनने का गौरव हासिल किया। खिलाड़ियों ने पूरे प्रतियोगिता के दौरान बेहतर तालमेल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय देते हुए अपने मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ निरंतर अभ्यास करने तथा जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के कार्यक्रम का विद्यालयों में हुआ वेबकास्ट प्रसारण

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में मुख्यमंत्री स्कूटी वितरण योजना अंतर्गत आयोजित मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण कार्यक्रम भोपाल स्थित शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर शनिवार को सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। सीधा प्रसारण कार्यक्रम को विद्यार्थियों, अभिभावकों, प्राचार्यों एवं शाला परिवार ने देखा व सुना। जिले के 145 विद्यार्थी मुख्यमंत्री स्कूटी योजना से लाभान्वित हुए हैं। योजना से लाभान्वित छात्र-छात्राओं ने वीडियो संदेश के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में कार्यक्रम के वेबकास्ट के माध्यम से सीधे प्रसारण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इस क्रम में पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर, सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखपुर एवं शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर सहित विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर विद्यालयों में अभिभावक, प्राचार्य, शाला परिवार एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान में छात्राओं ने दिया सामाजिक जागरूकता का संदेश

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत जिले में सेवा, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में शासकीय महिला महाविद्यालय, नरसिंहपुर में महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में छात्राओं ने चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता, स्वच्छता अभियान, नशामुक्ति विषय पर जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से सेवा, स्वच्छता, नशामुक्ति एवं सामाजिक

जागरूकता का संदेश दिया। चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं ने अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, वहीं नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता रैली के माध्यम से समाज को नशे से दूर रहने तथा स्वच्छता के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पशु चिकित्सा विभाग द्वारा बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र उमरिया में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण के माध्यम से नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इन गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता, स्वच्छता, नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे जनहित के विषयों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन गाडरवारा में 21 सितम्बर को

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार व अप्रेन्टिशिप एवं रोजगार अवसर के लिए युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन शासकीय महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, गाडरवारा में 21 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से किया जायेगा। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं के ऋण वितरण पत्र जारी किये जायेंगे। जिसमें 10 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा 5वीं से स्नातकोत्तर, आईटीआई उत्तीर्ण, डिप्लोमा उत्तीर्ण, इंजीनियरिंग स्नातक उत्तीर्ण एवं अन्य कौशल प्रशिक्षण प्राप्त आवेदकों का चयन विभिन्न पदों पर किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने इच्छुक आवेदक को अपने समस्त दस्तावेजों के साथ कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ लेने के लिए कहा है।

मन की शुद्धि और लोभ का त्याग ही उत्तम शौच धर्म है : पंडित ओमप्रकाश जैन शास्त्री

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

जैन समाज के पर्वराज पर्युषण के पांचवें दिन श्री तारण तरण चैत्यालय जी में उत्तम शौच धर्म की आराधना की गई इस अवसर पर पूर्ण भक्तिभाव के साथ मन्दिर विधि सम्पन्न की गई।पण्डित ओमप्रकाश जैन शास्त्री ने अपने प्रवचन में उत्तम शौच धर्म पर प्रकाश डालते हुये कहा की शौच धर्म का अर्थ केवल बाहरी शारीरिक शुद्धता नही है बल्कि मन की शुद्धि और लोभ का त्याग है।लोभ को पापों का मूल बताते हुये कहा की तृष्णा, परिग्रह, और लालच का त्याग कर सन्तोष भाव अपनाने से मन में सच्ची पवित्रता आती है।उन्होंने कहा की लोभ सभी पापों की जड़ है इसलिए लोभ को पाप का बाप कहा जाता है। उत्तम शौच मानसिक सुख का आधार है जो

व्यक्ति संतोषी स्वभाव अपनाता है उसे मानसिक शांति मिलती है।जब मन में लालच और ईर्ष्या कम होती है तब आत्मा का असली निर्मल स्वरूप सामने आता है।उत्तम शौच के बारे में आगे बोलते हुये उन्होंने कहा की अपने जीवन में हमारे पास जो है उसी में संतुष्ट रहना और अधिक चाहिए की तृष्णा की अंतहीन इच्छा को रोकना ही सच्चा शौच धर्म है।पर्युषण पर्व के इस महोत्सव के अवसर पर श्री तारण तरण चैत्यालय जी में रात्रि में बीर श्री महिला मंडल द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

कामता टोला अग्निकांड में लापरवाही पर निगमायुक्त सख्त

सतना (स्वतंत्र मत)। कामता टोला में हुई बहुमंजिला इमारत में भीषण अग्निकांड के दौरान फायर ब्रिगेड की लापरवाही सामने आने पर नगर निगम आयुक्त डॉ.नागार्जुन बी.गौड़ा ने सख्त रुख अपनाया है। आयुक्त ने फायर ऑफिसर रामप्रसाद परमार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में पूछा गया है कि आग बुझाने के दौरान फायर वाहन और स्काई लिफ्ट मशीन खराब कैसे हो गई, क्या इसकी खराबी की जानकारी पहले से थी। यदि वाहन वारंटी पीरियड में है तो समय रहते सुधार कार्य क्यों नहीं कराया गया।

नोटिस में कहा गया है कि फायर वाहन और स्काई लिफ्ट के खराब होने के कारण आग बुझाने में देरी हुई जिससे निगम की छवि धूमिल हुई है। यह गंभीर लापरवाही की श्रेणी में आता है। आयुक्त ने फायर ऑफिसर से 3 दिन के भीतर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने को कहा है अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। उल्लेखनीय है कि कामता टोला में हुए अग्निकांड के दौरान फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंचने के बाद स्टार्ट नहीं हुई थी और स्काई लिफ्ट भी काम नहीं कर रही थी।

सतना के करही रोड स्थित बिट्स कॉलेज में छात्र असुरक्षित, गुंडागर्दी चरम पर

सतना (स्वतंत्र मत)

शहर के करही रोड स्थित प्रतिष्ठित बिट्स कॉलेज में छात्रों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। कॉलेज परिसर के अंदर और बाहर आए दिन मारपीट और गुंडागर्दी की घटनाएं आम हो गई हैं लेकिन कॉलेज प्रबंधन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। ताजा मामला छात्र हर्ष सिंह के साथ हुई बेरहमी से मारपीट का है जिसने कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते दिनों कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र हर्ष सिंह को दर्जनों की संख्या में आए बाहरी युवकों ने घेर लिया और लात.घूंसों और लाठी.डंडों से बेरहमी से मारपीट की। बताया जा रहा है कि हमलावर छात्र नहीं बल्कि बाहर के असामाजिक तत्व थे जो

खुलेआम कॉलेज परिसर में घुस आए और घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। इतना ही नहीं जाते.जाते दबंग युवकों ने हर्ष सिंह को जान से मारने की धमकी भी दी। इस सनसनीखेज घटना के बाद से कॉलेज में दहशत का माहौल है। सबसे ज्यादा भयभीत कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राएं हैं। छात्राओं का कहना है कि जब कॉलेज परिसर के अंदर दिनदहाड़े एक छात्र को दर्जनों युवक पीट सकते हैं और जान से मारने की धमकी दे सकते हैं तो उनकी सुरक्षा की क्या गारंटी है। कई छात्राओं ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कॉलेज में बाहरी युवकों का आना.जाना लगा रहता है कैंटीन और पार्किंग में वे अड्डा जमा रहते हैं और छात्राओं पर फब्तियां कसते हैं। इस गंभीर मामले में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात कॉलेज प्रबंधन की भूमिका है। छात्र हर्ष सिंह के साथ हुई मारपीट के बाद परिजनों और छात्रों ने प्रबंधन से शिकायत की लेकिन प्रबंधन ने इस मामले में अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। न तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई न ही सुरक्षा गार्डों को सख्त हिदायत दी गई। प्रबंधन के इस मौन रवैये से दबंगों के हौसले और बुलंद हो गए हैं।

सतना में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का संगठन विस्तार

केशव प्रताप सिंह को बनाया जिला महासचिव

सतना (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने मध्यप्रदेश में संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में सतना जिले में एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सिंह पवार जी की अनुमति प्रदेश महासचिव वीरभान सिंह बघेल जी महिला जिलाध्यक्ष रेखा दाहिया एवं जिलाध्यक्ष केशरी सिंह जी की सहमति से वार्ड क्रमांक 3 निवासी केशव प्रताप सिंह को जिला महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। इस संबंध में नियुक्ति पत्र जारी किया गया है। नियुक्ति पत्र में स्पष्ट किया गया है कि केशव प्रताप सिंह को उनकी सक्रियता संगठन के प्रति निष्ठा और सामाजिक कार्यों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी को उम्मीद है कि उनके आने से सतना जिले में संगठन और अधिक सशक्त होगा और बूथ स्तर तक पार्टी की पहुंच बढ़ेगी।

पदाधिकारियों ने दी बधाई

केशव प्रताप सिंह के जिला महासचिव बनने पर एनसीपी परिवार में हर्ष का माहौल है। नियुक्ति के अवसर पर जिला अल्पसंख्यक महिला अध्यक्ष साजिया बेगम उपाध्यक्ष तेजभान तिवारी एडवोकेट शहर अध्यक्ष अनिल सिंह एडवोकेट युवा जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह जी विधि प्रकोष्ठ से एस.पी.शुक्ला श्रम प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अजय सोनी जिला प्रवक्ता एडवोकेट वीरेन्द्र सिंह राजपूत महिला शहर अध्यक्ष एडवोकेट सुनीता मिश्रा वीरेन्द्र चौधरी विधि प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष मनीषा वर्मा वार्ड प्रभारी राहुल चौरसिया श्रम प्रकोष्ठ अध्यक्ष उषा चौधरी वार्ड क्रमांक 2 प्रभारी किरण सिंह सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी।

जिला महिला अध्यक्ष रेखा दाहिया ने कहा कि पार्टी ने एक कर्मठ और जुझारू कार्यकर्ता को मौका दिया है। वहीं जिलाध्यक्ष केशरी सिंह ने कहा कि केशव प्रताप सिंह के अनुभव का लाभ पूरे जिले को मिलेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी लगातार युवाओं और सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे ला रही है ताकि 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सके।

नवनियुक्त जिला महासचिव केशव प्रताप सिंह ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो भरोसा उन पर जताया है वे उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की रीति.नीति को घर.घर तक पहुंचाने और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का कार्य करेंगे।

रॉयल कम्पलेक्स जैतवारा में देखा गया कांग्रेस नेता जननायक राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

सतना (स्वतंत्र मत)। कांग्रेस नेता जननायक राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को रॉयल कम्पलेक्स जैतवारा में सीधा लाइव प्रसारण देखा गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझगवां द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष उमेश कुमार गर्ग के नेतृत्व में रॉयल कम्पलेक्स जैतवारा में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लाइव प्रसारण में बड़ी संख्या में छात्र युवक वरिष्ठ कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होकर कांग्रेस नेता जननायक राहुल गांधी से सतना के युवक सहित प्रदेश के अन्य छात्र छात्राओं ने शिक्षा एवं बेरोजगारी के सम्बन्ध में मंच साझा कर किए गए। संवाद को लाइव प्रसारण में देखा गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उमेश कुमार गर्ग संतोष चतुर्वेदी राजेंद्र गर्ग रामनरेश तिवारी ऋषि पोरवाल धर्मेंद्र डोहर वीरेंद्र सिंह राम प्रसाद कुशवाहा अजेन्द्र पाण्डेय दिनेश सिंह अभिलाष सिंह भोलादीन केवट त्रिवेणी सिंह जगन्नाथ दिनकर रामबहोर सिंह प्रदीप सिंह संतोष कुमार जैन सचिन गर्ग गौरव मिश्रा उदित गर्ग समरभान सिंह आशीष सिंह श्रवण कुमार पाण्डेय राजकरण पाठक हीरालाल पाठक संतराम विश्वकर्मा पंकज त्रिपाठी सीता शरण शिवराम त्रिपाठी उमेश विश्वकर्मा राजवली डोहर शक्तिमान डोहर केदार नाथ कुशवाहा मोहम्मद समीर जैकी राम विश्वास कुशवाहा राजेश पाण्डेय अरुणेश सिंह सेम्मू सेन राजेश गुप्ता गंगादीन चौरसिया मुस्ताक अहमद पुरुषोत्तम गौतम मुनीम त्रिपाठी सुनील दुबे पिंटू कुशवाहा जय सिंह पुनीत सिंह राम भूषण पाण्डेय नरेंद्र सिंह मूलचंद कुशवाहा नवल किशोर पाठक राम आश्रय सेन पिंटू डोहर महेंद्र त्रिपाठी अंकुर द्विवेदी अंकित मिश्रा पंकज द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

सतना में यूसीएल कर्मचारी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग

कई राउंड गोलियां चलाकर कार में तोड़फोड़, बतखर में फैली दहशत

सतना (स्वतंत्र मत)

शहर के घनी आबादी वाले बतखर मोहल्ले में शनिवार देर रात उस वक्त अफरा.तफरी मच गई जब अज्ञात हमलावरों ने एक यूसीएल कर्मचारी के घर को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी कार में भी जमकर तोड़फोड़ की और मौके से फरार हो गए। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यूसीएल कर्मचारी भार्गवेंद्र सिंह अपने परिवार के साथ बतखर मोहल्ले में रहते हैं। शनिवार रात करीब 11 बजे अचानक अज्ञात हमलावर उनके घर के बाहर पहुंचे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमलावरों ने 5 से 6 राउंड गोलियां चलाई हैं। गोलियों की आवाज सुनकर परिवार के लोग सहम गए और घर के अंदर ही दुबक गए। इस दौरान हमलावरों ने बाहर खड़ी उनकी कार के शीशे भी तोड़ दिए और धमकी देते हुए भाग निकले। गोली चलने की आवाज सुनते ही मोहल्ले के लोग घरों से बाहर निकल आए लेकिन तब तक हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो चुके थे। घटना की सूचना तुरंत कोलगवां थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दल.बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना के बाद से भार्गवेंद्र सिंह का परिवार दहशत में है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी किसी से कोई

पुरानी रंजिश नहीं है फिर भी इस तरह से हमला किया गया है। पुलिस पुरानी रंजिश लेन.देन और धमकाने के एंगल से भी जांच कर रही है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। साथ ही मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है। शहर के बीचोबीच हुई इस फायरिंग की घटना ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बतखर जैसे घनी आबादी वाले इलाके में इस तरह से गोलियां चलना बेहद चिंताजनक है। लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

इनका कहना है

बतखर में यूसीएल के कर्मचारियों के वहां झगड़ा हुआ था दो पक्षों में गोली चलने की खबर गलत है इस मामले में पुलिस जाच कर रही है।

सुदीप सोनी टीआई कोलगंवा सतना

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर बिरसा मुंडा समिति ने रोपे पौधे

सतना (स्वतंत्र मत)

नवांकुर संस्था सेकटर क्रमांक 4 कारीगोही जय बिरसा मुंडा ग्रामीण विकास एवं शोध समिति बांका एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला सतना विकास खंड मझगवां के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर 17 सितम्बर के अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना हेतु सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत बिरसा मुंडा उधान बांका मे पौधारोपण एवं बिरसा मुंडा प्रतिमा परिसर बांका मे दीप प्रज्वलन कार्य क्रम आयोजित किया गया। कार्य क्रम मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन पर बिरसा मुंडा

उधान बांका मे एक पुत्रजीवा का पौधा रोपण किया गया एवं पौधा को तैयार करने का संकल्प लिया गया साथ हि भगवान् बिरसा मुंडा प्रतिमा परिसर बांका मे दीप प्रज्वलित कर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना हेतु भगवान् श्री कामता नाथ स्वामी से प्रार्थना अर्चना की गई। कार्य क्रम मे जनपद सदस्य एवं अध्यक्ष जय बिरसा मुंडा ग्रामीण विकास एवं शोध समिति बांका श्री मती सोना बाई सिंह गोड़ सचिव ग्राम पंचायत बांका जितेन्द्र पांडेय नवांकुर संस्था एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारियों सहित ग्रामीण महिला पुरुषों सहित बच्चे उपस्थित रहे सभी के चेहरे पर उत्साह झलक रहा था कार्य क्रम के अंत मे सचिव राजेश त्रिपाठी के द्वारा कार्य क्रम मे उपस्थित सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

वार्षिक आम सभा की सूचना

प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति मर्यादित मुंगवानी गोरखपुर एवं बचई जिला नरसिंहपुर में वार्षिक आम सभा बैठक का आयोजन किया जाना है, आयोजन प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति मर्यादित मुंगवानी एवं गोरखपुर की वार्षिक आम सभा दिनांक 27/09/2026 दिन इतवार को दोपहर 12:00 बजे से एवं 3:00 बजे से समिति कार्यालयों में रखी गई है। एवं प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति मर्यादित बचई की वार्षिक आम सभा दिनांक 28/09/2026 को दोपहर 1:00 बजे से समिति कार्यालय बचई में रखी गई।

वार्षिक आमसभा में विगत बैठकों का अवलोकन करना अन्य विषयक के अन्तर्गत अध्यक्ष महोदय जी की अनुमति से विषयक प्रस्ताव पर चर्चा निर्णय लिया जावेगा सभी पदाधिकारी एवं सदस्यजन से आमसभा में उपस्थिति हेतु अपील की जाती है।

प्रबंधक
प्राथ. लघु. वनो. सह. समिति. मर्या.
मुंगवानी, गोरखपुर, बचई जिला नरसिंहपुर

पंचायत सचिवों ने रैली निकाल सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन
विभागीय संविलियन से लेकर पुरानी पेंशन तक रखी मांग

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन ने पंचायत सचिव संवर्ग की लंबित मांगों और वर्षों से चली आ रही सेवा संबंधी समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। संगठन की ओर से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के माध्यम से दिए गए ज्ञापन में पंचायत सचिवों के विभागीय संविलियन, सेवा सुरक्षा, वेतन विसंगति, पदोन्नति, पुरानी पेंशन, अनुकंपा नियुक्ति, सेवानिवृत्ति लाभ सहित कुल 16 प्रमुख मांगों को तत्काल पूरा करने मांग की गई है जिलाध्यक्ष अभिषेक जानू शर्मा ने बताया कि पंचायत सचिव ग्राम पंचायत स्तर पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं सीमित संसाधनों और लगातार बढ़ते कार्यभार के बावजूद पंचायत सचिव शासन और ग्रामीण जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं इसके बावजूद लंबे समय से उनकी कई सेवा संबंधी मांगें लंबित हैं ज्ञापन में सबसे प्रमुख मांग पंचायत सचिव संवर्ग

का पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में विभागीय संविलियन करने की है संगठन ने कहा कि संविलियन होने से पंचायत सचिवों को सेवा सुरक्षा भविष्य और स्पष्ट सेवा शर्तों का लाभ मिल सकेगा इसके साथ ही शासन द्वारा पूर्व में की गई घोषणाओं के लंबित आदेश तत्काल जारी करने की मांग भी की गई है संगठन ने पंचायत सचिवों से वर्तमान में कराए जा रहे अतिरिक्त कार्यों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया है। ज्ञापन में कहा गया है कि पंचायत सचिवों से उनके मूल पंचायत दायित्वों के अलावा अधिकार अभिलेख पंजीयन ई-केवाईसी भूमि एवं संपत्ति से संबंधित व्यक्तिगत कार्यों सहित राजस्व प्रकृति के कार्य कराए जा रहे हैं। संगठन ने मांग की है कि ऐसे कार्य पंचायत सचिवों से न कराए जाएं तथा संबंधित विभाग के अमले को इन कार्यों की जिम्मेदारी दी जाए इसके अलावा पंचायत सचिवों से गैर-पंचायत कार्य नहीं लिए जाने की मांग भी की गई है। संगठन ने कहा कि पंचायत सचिवों के मूल दायित्व पहले से ही व्यापक हैं ऐसे में अतिरिक्त विभागीय जिम्मेदारियों से कार्यभार बढ़ रहा है। प्रत्येक कार्य के लिए स्पष्ट जिम्मेदारी निर्धारित किए जाने की मांग की गई है समयमान वेतनमान का लाभ देने तथा वर्षों से चली आ रही वेतन विसंगति का शीघ्र निराकरण करने मांग की गई है सेवा अवधि और पात्रता के अनुरूप कर्मचारियों को वेतन संबंधी लाभ मिलना चाहिए संगठन ने पंचायत समन्वय अधिकारी पीसीओ के पद पर 50 प्रतिशत विभागीय पदोन्नति कोटा प्रभावी रूप से लागू करने की मांग की है। संगठन ने पंचायत सचिवों को नियमानुसार 300 दिन के अर्जित अवकाश के नगदीकरण की सुविधा देने की मांग भी की है। ज्ञापन में पंचायत सचिवों और उनके परिवारों को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा तथा आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने और प्रत्येक पंचायत सचिव का आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करने मांग की गई है मनरेगा कार्यों में अनियमित वसूली पर रोक लगाने की मांग करते हुए संगठन ने कहा कि अपूर्ण अधूरे अथवा प्रगतिरत कार्यों में वास्तविक भौतिक प्रगति गुणवत्ता और स्थल सत्यापन के बिना पंचायत सचिवों तथा ग्राम रोजगार सहायकों से वसूली नहीं की जानी चाहिए।

पूर्व में की गई वसूली की भी नियमानुसार समीक्षा करने की मांग रखी गई है पंचायत सचिवों की नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करने की मांग भी की गई है। संगठन ने उच्चतम न्यायालय के लागू निर्णयों तथा शासन के प्रचलित नियमों के अनुरूप पात्र पंचायत सचिवों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने के लिए आवश्यक आदेश जारी करने की मांग की है इसके साथ ही ओबीसी वर्ग के अनुकंपा आश्रितों के लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण कर नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने मांग की गई है।

अनुकंपा नियुक्ति के लिए सीपीसीटी परीक्षा की अनिवार्यता में भी आवश्यक छूट देने की मांग रखी गई है संगठन के अनुसार पात्र आश्रितों को नियुक्ति प्राप्त करने के बाद सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए दो वर्ष की अवधि दी जानी चाहिए सेवानिवृत्त पंचायत सचिवों के लंबित ग्रेच्युटी और एनपीएस राशि का तत्काल भुगतान करने की मांग की गई है। सेवानिवृत्ति के समय वर्तमान में देय राशि को बढ़ाकर न्यूनतम 10 लाख रुपये किए जाने की मांग की गई है संगठन ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि पंचायत सचिव संवर्ग की इन मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाए। पंचायत सचिव किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं कर रहे बल्कि सेवा सुरक्षा सामाजिक सुरक्षा और लंबे समय से लंबित अधिकारों के न्यायोचित निराकरण की मांग कर रहे हैं यदि शासन द्वारा पंचायत सचिव संगठन की उपरोक्त मांगों का शीघ्र एवं सकारात्मक निराकरण नहीं किया जाता है तो प्रदेश के पंचायत सचिव अपने अधिकारों एवं न्यायोचित मांगों के लिए लोकतांत्रिक एवं सवैधानिक तरीके से चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे आवश्यकता पड़ने पर संगठन द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल एवं व्यापक आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा।

पड़ोसी ने किया महिला पर हमला

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)। बम्हनी बंजर थाना क्षेत्र के ग्राम ग्वारा में उमा रजक पर एक पड़ोसी परिवार के लोगों के द्वारा धारदार हथियार से किए गए जानलेवा हमले की घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। 112 की मदद से घायल महिला को बम्हनी अस्पताल लाया गया। जहां से उसे जिला चिकित्सालय में रेफर कर दिया गया था उपचार के दौरान घायल महिला के सिर पर छह टांके लगाए जाने की बात बताई गई है। घटना 13 सितंबर के दोपहर 1 बजे की बताई जा रही है उस समय पीड़िता का पति घर पर नहीं था खबर लगते ही जब वह घर आया तो आरोपियों के द्वारा उसके साथ भी मारपीट करने की बात बताई जा रही है अब घटना के 6 दिन बाद पीड़ित परिवार पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत करने पहुंचा इस दौरान आवेदन पत्र पर आरोप लगाया गया कि आरोपी गण अवैध शराब का विक्रय करते हैं और घटना के बाद भी गाली गलौज कर धमकी दे रहे है लेकिन संबंधित थाने की पुलिस ने अभी तक पीड़िता का बयान भी नहीं लिया है।

ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जिला आजीविका मिशन के तत्वावधान में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित 35 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाली 23 महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ब्यूटी पार्लर से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक कार्यों के साथ व्यक्तित्व विकास स्वरोजगार की स्थापना तथा व्यवसाय संचालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

सतर्कता जागरूकता अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा संचालित सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जिले में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बैंक की ओर से जवाहर नवोदय विद्यालय और हृदय नगर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सतर्कता जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जबलपुर से आए सतर्कता अधिकारी शंकराचार्य ने विद्यार्थियों को केंद्रीय सतर्कता आयोग की भूमिका साइबर क्राइम और म्यूल खातों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मामूली विवाद में महिला की हत्या

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत तिंदनी में मामूली विवाद को लेकर 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की पड़ोसी महिला ने ही चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर 45 वर्षीय आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार तिंदनी गांव में रहने वाली फूलकली यादव का पिछले कुछ दिनों से पड़ोस में रहने वाली संकरी यादव से छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि संकरी यादव द्वारा आरोपी महिला के कुछ कथित गतिविधियों को लेकर रोक टोक की गई थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया था।

श्रेष्ठ ने जीता राष्ट्रीय स्तर का रजत पदक

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिला मुख्यालय से लगे हृदय नगर ग्राम के प्रतिष्ठित मिश्रा परिवार के 16 वर्षीय श्रेष्ठ मिश्रा ने राष्ट्रीय स्तर की स्पीड स्केटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर मंडला का नाम रोशन किया है। राष्ट्रीय फिगर एवं स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप में श्रेष्ठ ने अंडर-16 आयु वर्ग में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। श्रेष्ठ प्रकाश मिश्रा के पौत्र एवं अनिल मिश्रा के सुपुत्र है। श्रेष्ठ मिश्रा ने देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज कॉम्प्लेक्स में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अंडर-14 आयु वर्ग की आइस स्केटिंग प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया है। करीब 5 डिग्री तापमान में

आयोजित प्रतियोगिता में श्रेष्ठ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे भारत में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। श्रेष्ठ मिश्रा पिछले तीन-चार वर्षों से लगातार आइस स्केटिंग का प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने भंवरताल स्केटिंग कोर्ट एवं स्मॉल वंडर सीनियर सेकेंडरी स्कूल बल्देवबाग में कोच रामकिशोर सोनी के निर्देशन और प्रशिक्षण में अभ्यास किया है। राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल करने के बाद श्रेष्ठ के आगामी जर्मनी में होने वाली अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में स्थान मिलने की उम्मीद है। श्रेष्ठ की इस सफलता में स्पेशल ओलंपिक्स भारत मध्यप्रदेश के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. दीपांकर बैनर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कोच रामकिशोर सोनी ने भी श्रेष्ठ की सफलता पर बधाई दी। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने मिश्रा परिवार के इस उपलब्धि पर गौरान्वित महसूस किया उन्होंने श्रेष्ठ के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

भाषण चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में सपनो का भारत विषय पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दोनों विधाओं में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की विद्यार्थियों ने अपने विचारों और चित्रों के माध्यम से विकसित आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत की कल्पना को अभिव्यक्त किया कार्यक्रम में प्राचार्य कल्पना नामदेव शिक्षाविद योगेश श्रीवास्तव एवं पर्यावरणविद राजेश छत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के भविष्य को आकार देने में विद्यार्थियों की

रचनात्मक सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण भूमिका है। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा ठाकुर, द्वितीय स्थान तनु रजक तथा तृतीय स्थान प्रियंका, प्राची एवं नीतू ने प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीया एवं तृतीय स्थान क्रमशः नेहा बैरागी, नैतिक जायसवाल, एवं पूजा वरकड़े ने प्राप्त किया द्य निबंध प्रतियोगिता में नेहा ठाकुर प्रथम, तनु रजक द्वितीय एवं प्रियंका धुर्वे, नीतू बैरागी प्राची हीरौंदे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया विजेता विद्यार्थियों को कार्यक्रम में पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का संयोजन शिवम मिश्रा, शालिनी साहू एवं कन्हैया बरमैया ने किया। मंच संचालन करते हुए अखिलेश उपाध्याय ने किया।

वहीं निबन्ध प्रतियोगिता में नरेश ठाकुर, सीके नंदा, एवं देवेंद्र कछवाहा निर्णायक थे कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रवीण अग्रवाल मुकेश अहिरवार, दीपक नागोत्रा सहित अन्य शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा।

अधिकारियों ने किया आंगन बाड़ी केंद्र का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत प्रशासनिक अमला आमजन के बीच पहुंचकर शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जमीनी स्तर पर समीक्षा कर रहा है। इसी क्रम में सिंहवाहिनी वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्था बच्चों को मिल रही सुविधाओं तथा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली गई निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम शैलेंद्र चौधरी महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओ अनूप नामदेव सुपरवाइजर प्रीति झारिया सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं वार्ड पार्षद श्रीमती माया संजय गुप्ता भी इस दौरान मौजूद रहीं साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया गया।

सूर्या जायसवाल का शानदार प्रदर्शन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

भोपाल में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय मध्यप्रदेश वुशू चैंपियनशिप में जबलपुर के उभरते खिलाड़ी सूर्या जायसवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सूर्या ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक दो स्वर्ण और दो रजत अपने नाम किए सूर्या की इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश वुशू संघ अध्यक्ष एवं आईपीएस अधिकारी जयदीप सिंह, खेल विभाग संयुक्त संचालक बीएस यादव तथा संघ सचिव मनोज गुप्ता ने बधाई देते हुए सम्मानित किया पदाधिकारियों ने आगामी राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए सूर्या को शुभकामनाएं भी दी सूर्या की इस उपलब्धि से उनके परिवार प्रशिक्षकों और खेलप्रेमियों में खुशी का माहौल है। उनके कोच दिव्यांश, मनोज गुप्ता, नितिन भाटिया, प्रदीप परिहार, सुरेंद्र सिंह एवं मनीष रजक सहित खेलप्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल खेल भविष्य की कामना की।

पनिका समाज ने मनाया बलिदान दिवस

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। ग्राम पदमी में पनिका समाज द्वारा अमर शहीद मोहन पनिका एवं दयाल पनिका का बलिदान दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने देश की आजादी में पनिका समाज के योगदान को याद करते हुए दोनों शहीदों के बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि अमर शहीद मोहन पनिका और दयाल पनिका ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने प्राण न्यौछावर किए थे जिनका त्याग और बलिदान समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। कार्यक्रम में नई पीढ़ी को शहीदों के इतिहास और देशभक्ति की भावना से परिचित कराने पर जोर दिया गया। अंत में उपस्थित लोगों ने अमर शहीद अमर रहें के नारे लगाए। इस दौरान समस्त क्षेत्रवासियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा पनिका समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सेवा समर्पण संकल्प अभियान के तहत युवाओं ने रक्तदान कर दिया सेवा और मानवता का संदेश

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। सेवा एवं समर्पण की भावना के साथ नैनपुर सिविल अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भारतीय जनता पार्टी एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल, जिला उपाध्यक्ष शैलेश मिश्रा, मंडल अध्यक्ष राकेश रजक, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। रक्तदान करने वाले कार्यकर्ताओं ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। जरूरत के समय रक्त की एक यूनिट किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसी भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा, समर्पण और मानवता के भाव से मनाते हुए रक्तदान किया गया। इस अवसर पर लोगों से भी अपील की गई कि स्वस्थ एवं पात्र नागरिक आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करें और जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा में अपना योगदान दें। शिविर के माध्यम से सेवा कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ समाज में रक्तदान के महत्व का संदेश भी दिया गया।

प्रेमी जोड़े पर जानलेवा हमला, युवक की उपचार के दौरान मौत

नैनपुर पुलिस ने मामले का खुलासा कर तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, आरोपी न्यायालय के सुपुर्द

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। थाना नैनपुर क्षेत्र के ग्राम खिरसारू में प्रेमी जोड़े के साथ कथित मारपीट कर युवक को विद्युत करंट लगाने और उपचार के दौरान उसकी मौत के गंभीर मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, पूर्व में दर्ज मर्ग क्रमांक 78/2026 की जांच के आधार पर 19 सितंबर 2026 को थाना नैनपुर में अपराध क्रमांक 444/2026 के तहत बीएनएस की धारा 103(1), 109(1), 115(2) एवं 3(5) में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी।

बातचीत को लेकर हुआ विवाद

पुलिस विवेचना में सामने आया कि ग्राम खिरसारू निवासी 19 वर्षीय बिन्दो बाई कुलस्ते अपने परिचित अभिषेक धुर्वे (19), निवासी ग्राम टाला, पोस्ट उगली, थाना केवलारी, जिला सिवनी के साथ बातचीत कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, इसी बात को लेकर आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट की।जांच के अनुसार, आरोपियों ने दोनों को बिजली के तार से

बांधकर करंट लगाया और बाद में उन्हें खेत में छोड़ दिया। घटना में अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए नागपुर ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

तीन आरोपी गिरफ्तार-पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों एवं पूछताछ के आधार पर मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में चमरालाल उर्फ भूरा मरावी (56), लालसिंह उर्फ नरबद मरावी (27) और सुशील कुमार उर्फ शुक्लू मरावी (30), सभी निवासी ग्राम खिरसारू शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने मामले में कथित तौर पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी का गेड़ा एवं विद्युत तार भी जब्त किया है।

पुलिस टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिका

मामले के खुलासे में थाना प्रभारी नैनपुर निरीक्षक मंशाराम वगेन, चौकी प्रभारी पिंडरई निरीक्षक अंशुल गुप्ता, उप निरीक्षक राजकुमार हिरकने, मनोरंजन नगपुरे, उप निरीक्षक खुशबू बिसेन सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा एवं एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा मामले की विवेचना और आरोपियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई।

संपादकीय

यह कैसी दोस्ती है?

अमरीकी कांग्रेस (संसद) ने रूस और ईरान पर प्रतिबंधों वाला नया बिल पारित कर दिया है। सीनेट ने पहले ही 86-11 मतों से पारित कर दिया था। अब अमरीकी प्रतिनिधि सभा ने भी 262-159 मतों से यह बिल पास कर दिया। अब यह कानून बन जाएगा। इसी के साथ राष्ट्रपति का संवैधानिक विशेषाधिकार भी बढ़ जाएगा कि वह किसी भी देश पर शून्य से 100 फीसदी तक टैरिफ थोप सकते हैं। टैरिफ कम या ज्यादा भी कर सकते हैं। दरअसल इस बिल के पारित होते ही राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर 'टैरिफ बम' फोड़ दिया है। हालांकि इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने जब कई देशों पर मनमाना टैरिफ थोपा था, तो अमरीकी सर्वोच्च अदालत ने उसे 'अवैध' करार देते हुए खारिज कर दिया था। अब नया कानून बनने के बाद भी न्यायपालिका इसकी समीक्षा कर सकती है, लेकिन उसे खारिज करना आसान नहीं होगा। बिल में जिन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का संदर्भ था, उसमें भारत, चीन, हंगरी, स्लोवाकिया, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, कजाकिस्तान, तुर्किये आदि देशों के नाम उल्लेखनीय हैं। इनमें अधिकतर अमरीका-समर्थक या 'मित्र देश' हैं। भारत को तो अमरीका लगातार 'रणनीतिक साझेदार' मानता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी को 'डियर फ्रेंड' कहते और उनकी 'महानता' का गुणगान करते नहीं थकते। यह सार्वजनिक है और दोनों नेता आपस में 'गलबहियां' डालते रहे हैं। यह कैसी दोस्ती है? दोस्ती और फिर 100 फीसदी टैरिफ का बोझ! भारत अमरीकी बाजार में 'अप्रासंगिक' हो सकता है! कोई भी ग्राहक महंगी चीज क्यों खरीदेगा? भारत के रत्न, कीमती पत्थर, जवाहरात, वस्त्र और फार्मा आदि के निर्यातकों का तो दम ही निकल जाएगा! किस काम की ऐसी दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी! भारत सरकार को भी टैरिफ का जवाब टैरिफ से ही देना चाहिए। यही नहीं, अपना 'तुरुप का पत्ता' भी खेलते हुए स्पष्ट करना चाहिए कि ट्रंप के टैरिफवाद के मद्देनजर भारत अमरीका के साथ 'व्यापार समझौता' फिलहाल स्थगित करता है। यह गौरतलब है कि भारत ने 40 देशों के साथ 'मुक्त व्यापार समझौते' किए हैं, जो किसी अन्य देश ने नहीं किए हैं। कहीं भी टैरिफ रोड़ा नहीं बना है। प्रस्तावित व्यापार समझौते का जो मसौदा सामने आया था, उसके मुताबिक अमरीका भारत के साथ 500 अरब डॉलर तक का कारोबार करना चाहता है। क्या अमरीका को भारत में इतना गहरा घुसने दिया जाना चाहिए? दरअसल 100 फीसदी तक का टैरिफ एक धमकी है और राष्ट्रपति ट्रंप उसके जरिए रूस और ईरान पर आर्थिक पाबंदियों के व्यापक दबाव बनाना चाहते हैं। उनकी रणनीति और व्यापार-नीति यह है कि भारत और चीन इन दो युद्धरत देशों से कच्चा तेल और गैस न खरीदें अथवा बहुत कम मात्रा में खरीदें। पूरा यूरोप रूस से गैस का आयात करता है, अमरीका ने उसे क्यों छोड़ दिया? ट्रंप चाहते हैं कि भारत और चीन जैसे बड़े देश अमरीकी तेल खरीदें, क्योंकि अब वेनेजुएला के तेल को मिला कर अमरीका विश्व में तेल का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। कमोबेश चीन ने तो साफ ऐलान कर दिया है कि वह रूस और ईरान से तेल खरीदता रहेगा। युद्ध, ऊर्जा-संकट और बाधित सप्लाई चेन के बावजूद रूस भारत को सर्वाधिक कच्चा तेल मुहैया करवा रहा है, ईरान से भी सप्लाई दोबारा शुरू की गई है, लिहाजा भारत को भी साफ कहना चाहिए कि देश की ऊर्जा-जरूरतों और कीमतों के मद्देनजर वह रूस और ईरान से तेल-गैस खरीदता रहेगा। भारत अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप से क्यों डरे? दोनों देशों के बीच 11 लाख करोड़ रुपए का कारोबार होता है। अब अमरीका का निर्यात बढ़ कर करीब 87,000 करोड़ रुपए हो गया है। क्या ट्रंप उसे खोना चाहेंगे? बहरहाल बार-बार टैरिफ की घोषणा कर राष्ट्रपति ट्रंप भारत की बांह नहीं मरोड़ सकते।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस-21 सितम्बर, 2026

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है-शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निर्माताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है।

भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत-एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा।

सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है।

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

हिन्दी संवाद की भाषा, विवाद की नहीं

सुरेश हिंदुस्तानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

देश में भाषा के नाम पर उत्तर और दक्षिण के राज्यों में भेद पैदा करने का दुस्साहस लम्बे समय से चल रहा है। इसमें तथ्यात्मक पहलू यह है कि ऐसा खेल राजनीति के संरक्षण में होता है। दक्षिण के राज्यों में हिन्दी के प्रति जिस प्रकार से अलगाव के बीज बोने की कवायद की जाती है, उसे प्रथम दृष्टि में एक दूसरे को लड़ाने की योजना का हिस्सा ही मानना चाहिए, क्योंकि सांस्कृतिक दृष्टि से पूरा भारत एक है। इस संस्कृति को बनाने में भारतीय भाषाओं का योगदान भी प्रमुख है। भारत की सभी भाषाएं हमारी संस्कृति का अटूट हिस्सा हैं। चाहे वह बड़े भूभाग में बोले जाने वाली हो या फिर किसी राज्य की भाषा क्यों न हो। सब महत्वपूर्ण हैं।

अभी हाल ही में हिंदी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को सीधे शब्दों में कहा है कि हिंदी के प्रति सोच को बदलना चाहिए। इसके निहितार्थ यही हैं कि हिन्दी देश के बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है। इसलिए दक्षिण के राज्यों में इसके प्रति सकारात्मक भाव होना चाहिए। वैसे भी आम जनमानस में यह भाव दिखाई भी देता है। भारत की पहचान उसकी भाषायी विविधता में है। यहां भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जीवनानुभव, संस्कृति और संवेदना की वाहक है। कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल तक बदलती बोलियां और भाषाएं भारत की आत्मा को अनेक स्वरों में व्यक्त करती हैं। यही बहुस्वरता हमारी विशिष्टता है। इसलिए किसी एक भारतीय भाषा का विस्तार दूसरी भाषा के लिए संकुचन नहीं, बल्कि पूरे भारतीय भाषायी संसार का विस्तार है। हिन्दी इसी व्यापक भाषायी परिवार की एक सशक्त कड़ी है। उसका स्वभाव संवाद का है। वह जहां पहुंचती है, वहां केवल शब्द नहीं ले जाती, लोगों से जुड़ने का एक सहज माध्यम भी बनाती है। देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोग जब अपनी-अपनी मातृभाषाओं के साथ हिन्दी के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं, तो उनके बीच दूरी घटती है और परिचय बढ़ता है। एकात्म भाव का जागरण होता है।

हिन्दी की व्यापकता का आधार केवल उसका भाषायी भूगोल नहीं है। रोजगार, शिक्षा, व्यापार, पर्यटन, सिनेमा, साहित्य और संचार के अनेक माध्यमों ने उसे देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया है। दक्षिण भारत में भी हिन्दी समझने और बोलने वाले लोगों की संख्या कम नहीं है। वहां हिन्दी के अध्ययन और अध्यापन के लिए वर्षों से संस्थाएं सक्रिय रही हैं। अनेक विद्यार्थी हिन्दी सीखते हैं, साहित्य पढ़ते हैं और देश के दूसरे हिस्सों के लोगों से संवाद में उसका उपयोग करते हैं। यह अपनी भाषा में जड़ें मजबूत रखते हुए दूसरी भारतीय भाषाओं से परिचित होना दृष्टि को विस्तृत करता है। एक भाषा हमें अपनी मिट्टी से जोड़ती है, दूसरी हमें दूसरे प्रदेश की मिट्टी की गंध समझने का अवसर देती है। अनेक भाषाओं का ज्ञान अनेक संसारों से परिचय है। भारत में हिन्दी के प्रति आत्मीयता रखने वाले समाजों ने कभी तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, मराठी या असमिया जैसी भाषाओं के अस्तित्व को चुनौती नहीं माना। दक्षिण की भाषाएं उत्तर के लिए उतनी ही अपनी हैं, जितनी उत्तर की भाषाएं दक्षिण के लिए। तुलसी, कबीर और प्रेमचंद को पढ़ने वाला पाठक जब सुब्रमण्यम भारती, तिरुवल्लुवर या कुवेम्पु की रचनाओं तक पहुंचता है, तो वह भारत को थोड़ा और गहराई से जानता है।किसी बच्चे को हिन्दी सीखने का अवसर मिलता है तो उसके सामने देश के एक बड़े भूभाग, व्यापक साहित्य और असंख्य लोगों से जुड़ने का एक और द्वार खुलता है। इसी प्रकार हिन्दीभाषी समाज जब तमिल, तेलुगु, कन्नड़ या मलयालम के शब्द सीखता है, तो भारत की सांस्कृतिक समृद्धि उसके लिए और विस्तृत हो जाती है।

हम यह भली भांति जानते हैं कि भारत के दक्षिणी राज्यों में कई बार हिन्दी के कार्यक्रम सफलता पूर्वक हुए हैं। शिक्षा संस्थानों में भी हिन्दी के प्रति अनुराग बढ़ता जा रहा है। लेकिन इसका तात्पर्य यह कतई नहीं है कि अन्य भाषाओं के उपेक्षा का भाव है। राजनीतिक दल इसे हिन्दी थोपने के रूप में प्रचारित करके जनता को केवल भ्रमित करने का काम करते हैं। शिक्षा संस्थानों में बच्चों के सामने जितनी अधिक भाषाओं और ज्ञान के द्वार खुलेंगे, उनका संसार उतना ही विस्तृत होगा। इस सकारात्मक अभियान को जब मजबूत दिशा मिलेगी, तो स्वाभाविक रूप से भारत का शक्तिशाली स्वरूप सामने आएगा। हिन्दी को लेकर भी यही दृष्टि होनी चाहिए।

भारत की भाषाएं एक ही सांस्कृतिक चेतना की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। एक भाषा का समृद्ध होना दूसरी भाषा के लिए खतरा नहीं, अनेक भाषाओं का साथ-साथ समृद्ध होना भारत की सामूहिक शक्ति है। देश के एक कोने में बैठा व्यक्ति दूसरे कोने में रहने वाले व्यक्ति से सहज संवाद कर सके, उसके विचार समझ सके, उसकी संस्कृति को जान सके, यही भाषायी समृद्धि का वास्तविक उद्देश्य है। हिन्दी इस संवाद में एक सेतु की भूमिका निभा सकती है, लेकिन उस सेतु की सुंदरता तभी है जब उसके दोनों ओर भारत की अपनी विविध भाषाएं सुरक्षित, सम्मानित और जीवंत रहें।

भारत को एक-दूसरे को समझने की संस्कृति की आवश्यकता है। भाषायी विविधता उस संस्कृति की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। हिन्दी उस विविधता में अपना स्वर जोड़ती है और दूसरी भारतीय भाषाएं उसके स्वर को और समृद्ध करती हैं। इसलिए हिन्दी को लेकर दृष्टि संवाद की होनी चाहिए, विवाद की नहीं। हिन्दी जितनी अधिक भारतीय भाषाओं से जुड़ेगी, उतनी ही अधिक भारतीय बनेगी। और भारत जितनी भाषाओं में स्वयं को अभिव्यक्त करेगा, उसकी आत्मा उतनी ही समृद्ध सुनाई देगी। हिन्दी संवाद की भाषा है और भारत की विविध भाषाएं उस संवाद का विस्तार हैं। यही विविधता भारत की शक्ति है, यही उसकी पहचान और यही उसकी सांस्कृतिक सुंदरता है।

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ है- जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है।

जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं।

लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं

तनवीर जाफ़री

तो इसलिये अमेरिका को तेल उत्पादक देशों में अपनी पिट्ठू सरकार चाहिये?

वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ़्लोरेस को अमेरिकी सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिसॉल्व नामक एक सैन्य अभियान के दौरान गत 3 जनवरी, 2026 को वेनेज़ुएला की राजधानी काराकास से हिरासत में ले लिया गया था। इस समय वे न्यूयॉर्क की एक फ़ेडरल जेल में हिरासत में हैं। अमेरिकी न्याय विभाग का आरोप है कि मादुरो ने कोलंबिया के विद्रोही समूह एफ़ ए आर सी और लैटिन अमेरिका के बड़े ड्रग कार्टेल्स के साथ मिलकर पिछले दो दशकों से अमेरिका में भारी मात्रा में कोकीन भेजने की साज़िश रची। अमेरिकी पक्ष का कहना है कि वेनेज़ुएला के शीर्ष अधिकारियों ने पैसों और सत्ता के लालच में ड्रग तस्करों को सुरक्षा प्रदान की। उधर अंतरराष्ट्रीय ख़ुफ़िया डेटा और ख़ुद अमेरिकी एजेंसियों की कुछ रिपोर्ट्स दर्शाती हैं कि वेनेज़ुएला दुनिया का मुख्य ड्रग उत्पादक देश नहीं है। इसके अलावा, ट्रम्प प्रशासन ने मादुरो को ट्रेन दे एरागुआ जैसे आपराधिक गिरोहों से भी जोड़ने की कोशिश की, लेकिन अमेरिकी ख़ुफ़िया एजेंसियों को इसके भी पुख़्ता सबूत नहीं मिले। निकोलस मादुरो ने भी अमेरिकी अदालत में ख़ुद को निर्दोष बताते हुए इन सभी आरोपों को सिरे से ख़ारिज किया है। रूस और चीन जैसे मादुरो समर्थक कई देशों का मानना है कि यह आरोप पूरी तरह से राजनीतिक हथियार और एक बहाना हैं। दरअसल अमेरिका का असली मक़सद वेनेज़ुएला में सत्ता परिवर्तन कर अपनी पिट्ठू सरकार बनाकर वहां के दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों पर अमेरिकी कंपनियों का नियंत्रण स्थापित करना था। ख़ुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मादुरो की गिरफ़्तारी के बाद यह बयान भी दिया था कि अमेरिका अब वेनेज़ुएला को चलाएगा, तेल संसाधनों पर ध्यान देगा। अमेरिकी अदालत में मादुरो का मुक़दमा भी 1 जून, 2027 से शुरू होने जा रहा है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अमेरिका ने गंभीर आपराधिक और ड्रग्स के आरोपों को आधार बनाकर ही इस बड़े सैन्य हस्तक्षेप और वेनेज़ुएला के राजनीतिक तख़्तापलट को अंजाम दिया।

इसके बाद इसी वर्ष 2026 में अमेरिका ने वेनेज़ुएला के कच्चे तेल के शिपमेंट और वित्तीय संपत्तियों पर सीधे तौर पर नियंत्रण हासिल किया है। जनवरी से अब तक अमेरिका ने स्किपर, मैरिनेरा, और बर्था जैसे वेनेज़ुएला से जुड़े कई तेल टैंकरों को समुद्र में प्रतिबंधित कर ज़ब्त किया जिनमें से अकेले बर्था टैंकर में 19 लाख बैरल और मैरिनेरा आदि से क़रीब 20 लाख बैरल तेल ज़ब्त किया गया। एक वित्तीय विश्लेषण के अनुसार, अमेरिका ने वेनेज़ुएला के तेल निर्यात पर नियंत्रण करके इस साल 13 अरब डॉलर से अधिक की नक़द राशि अमेरिकी खातों में जमा की है, जिसे अमेरिकी ट्रेज़री विभाग द्वारा मॉनिटर किया जा रहा है। गोया अमेरिका ने अब तक भौतिक रूप से करोड़ों बैरल निकाला हुआ तेल और 13 अरब डॉलर का कैश राजस्व अपने नियंत्रण में लिया है और काग़ज़ी व रणनीतिक तौर पर वेनेज़ुएला की ज़मीन के नीचे मौजूद 65 अरब बैरल के विशाल तेल भंडार के संचालन और दोहन का क़ानूनी अधिकार हासिल कर लिया है। ग़ौरतलब है कि वेनेज़ुएला के पास लगभग 303 अरब बैरल का दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित कच्चा तेल भंडार है। और अमेरिका ने इसके लगभग पांचवें हिस्से पर नियंत्रण पा लिया है। यह 65 अरब बैरल का आंकड़ा कितना विशाल है, इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह अमेरिका के 46 अरब बैरल के अपने कुल तेल भंडारसे भी कहीं अधिक है। और यदि इसे भारत के संदर्भ में देखें तो यह भारत की लगभग 40 वर्षों के तेल आयात के बराबर है।

ठीक इसी तर्ज़ पर अमेरिका ईरान में भी तेल की लूट करना चाह रहा है। ईरान के पास लगभग 208 से 209 अरब बैरल का प्रमाणित तेल भंडार है। इस भंडार के साथ ईरान वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर आता है। इसी तेल भंडार पर क़ब्ज़ा जमाने के लिये अमेरिका कभी ईरान में सत्ता विरोधी विद्रोह का फ़साना गढ़ता है तो कभी वर्तमान सत्ता को आतंकवादियों को बढ़ावा देने वाली सत्ता बताता है। और जब इन चालों व साज़िशों से भी बात नहीं बनती तो इस्राईल व अमेरिका मिलकर ईरान पर अकारण आक्रमण कर देते हैं। परन्तु ईरानी हुक्मरान पिछले 4 दशकों से अमेरिका की इस चाल से भली भांति वाक़िफ़ हैं कि वह ईरान में एक बार फिर से वहां के पूर्व शासक रज़ा शाह पहेलवी की ही तरह अपनी कठपुतली सरकार बनाकर बिठाना चाहता है। ठीक उसी तरह जैसे सऊदी अरब सहित अन्य कई खाड़ी देशों में उसके इशारों पर चलने वाले शासक सत्तासीन हैं और लगभग वे सभी अमेरिका को न केवल उसकी मर्ज़ी के अनुसार उसे तेल निर्यात कर रहे हैं अपने देशों की सुरक्षा के नाम पर अमेरिका से हथियार भी ख़रीदते रहते हैं। इतना ही नहीं बल्कि ऐसे देशों को अमेरिका ने उनकी सुरक्षा का भी भरोसा दिलाया है। जिस भरोसे को ईरान ने पिछले दिनों उस समय चकनाचूर कर के रख दिया जबकि ईरान ने पिछले दिनों हुये युद्ध के दौरान मध्य एशियाई देशों में मौजूद कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ही तबाह कर डाला।

मध्य पूर्व के खाड़ी देशों में सऊदी अरब पारंपरिक रूप से अमेरिका को तेल निर्यात करने वाला सबसे प्रमुख मुस्लिम देश है।अमेरिकी रिफ़ाइनरियों के लिए सऊदी अरब भारी कच्चे तेल का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है। सऊदी अरब के बाद खाड़ी देशों में इराक़, अमेरिका को कच्चा तेल निर्यात करने वाला दूसरा सबसे बड़ा मुस्लिम देश है। कुवैत भी अमेरिकी रिफ़ाइनरियों को अपनी तेल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार कच्चे तेल की आपूर्ति करता है। संयुक्त अरब अमीरात अथवा यूएई भी समय-समय पर अमेरिकी बाज़ारों में कच्चा तेल और परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद भेजता है। इसके अलावा अफ़्रीकी मुस्लिम बहुल देशों में लीबिया से भी अमेरिका हाल के वर्षों में अच्छी मात्रा में कच्चा तेल आयात करता रहा है। इसी तरह नाइजीरिया का स्वीट क्रूड यानी कम सल्फ़र वाला तेल अमेरिकी बाज़ार में निर्यात किया जाता है। उत्तरी अफ़्रीक़ी देश अल्जीरिया भी अमेरिका को कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करता है। और इस तरह वैश्विक स्तर पर तेल दोहन के परिणाम स्वरूप पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश बन चुका है। इस वजह से मध्य पूर्व और ओपेक देशों से अमेरिका की तेल निर्भरता काफ़ी घट गई है। अमेरिका अपनी ज़रूरत का सबसे बड़ा हिस्सा अब ओपेक देशों के बजाय अपने पड़ोसी देश कनाडा और मैक्सिको से आयात करता है। हाँ कुछ अमेरिकी क़ानून और प्रतिबंधों की वजह से और ख़ासकर अमेरिका की कठपुतली सत्ता न होने की वजह से भी ईरान जैसे देश से अमेरिका कच्चा तेल आयात नहीं कर पाता। इसलिये अमेरिका को तेल उत्पादक देशों में अपनी पिट्ठू सरकार चाहिये ताकि अपनी मर्ज़ी व अपनी सुविधानुसार मनमाने तरीक़े से विश्व के तेल भंडारों पर अपना नियंत्रण क़ायम किया जा सके?

ईरान ने वार्ता की शर्तें अमेरिका को सौंपी, युद्ध समाप्ति का निर्णय अमेरिका के रुख पर निर्भर: मोहसेन रजाई

तेहरान, (वार्ता)

ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रजाई ने शनिवार को कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों के जरिए अमेरिका के साथ बातचीत दोबारा शुरू करने और जंग के खात्मे के लिए अपनी शर्तें भेजने की पुष्टि की है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार श्री रजाई ने एक मीडिया संगठन को दिए साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका को जल्द ही इन शर्तों पर अपना रुख स्पष्ट करना होगा। इरानी सुरक्षा प्रमुख ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का ईरान को लेकर आकलन और गणित पूरी तरह गलत साबित हुआ है तथा यह युद्ध इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उकसावे पर शुरू हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि श्री ट्रम्प की धमकियों का कोई परिणाम नहीं

निकलेगा और ईरान एक निर्णायक युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार है।

श्री रजाई ने दावा किया कि ईरानी सशस्त्र बल अमेरिकी सेना की कमजोरियों से भली-भांति परिचित हैं और अमेरिकी हवाई हमलों का सामना करने के लिए अभूतपूर्व रूप से सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा पिछले समझौते से हटने के बाद तेहरान को वॉशिंगटन के प्रति अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में ईरान ने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के निकट पोत-रोधी मिसाइल का सफल परीक्षण कर अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया है।

कतर के मध्यस्थ के जरिए अमेरिका को भेजी गई मुख्य शर्तों में सभी मोर्चों पर जारी सैन्य संघर्ष और युद्ध पर पूर्ण विराम, अमेरिका द्वारा जब्त सभी ईरानी संपत्तियों को बहाल करना और ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई समुद्री नाकाबंदी को तुरंत हटाना शामिल है। रजाई ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और इजरायल के आक्रामक कदम ईरान को परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने का आधार प्रदान करते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान ने अभी तक एनपीटी छोड़ने का अंतिम निर्णय नहीं लिया है और यह पूरी तरह अमेरिका के आचरण पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान वर्तमान में सामूहिक विनाश के हथियारों पर रोक लगाने वाले फतवे और अपने परमाणु सिद्धांत पर कायम है, लेकिन भविष्य की गारंटी नहीं दी जा सकती। यमन और सऊदी अरब के संबंधों पर बोलते हुए श्री रजाई ने कहा कि ईरान, सऊदी अरब और यमन के बीच जारी संघर्ष का अंत चाहता है और उसका मानना है कि यमन के लोग भी सऊदी अरब के साथ समझौते के पक्षधर हैं।

बर्लिन के देखभाल केन्द्र में लगी आग, एक की मौत, 25 घायल

बर्लिन, (वार्ता)। जर्मनी के बर्लिन में एक देखभाल सुविधा केन्द्र में लगी आग में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 25 अन्य लोग घायल हो गए। दमकल विभाग ने यह जानकारी दी है। जर्मन अख़बार टेगेसस्पीगल की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार सुबह 10 बजे से कुछ देर पहले दमकल कर्मियों को सूचना दी गई। शुरुआती जांच से पता चला कि आग एक मरीज़ के कमरे में लगी थी, जो पूरी तरह से आग की लपटों में घिरकर नष्ट हो गया। क्रूज़बर्ग ज़िले में बनी पांच मंज़िला इमारत में चारों ओर घना धुआं फैल गया। दमकल विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि घायलों में से एक व्यक्ति की हालत गंभीर थी और उसे होश में लाने के लिए विशेष प्रयास करने पड़े, जबकि बाकी लोगों को मामूली चोटें आईं, जिनमें से ज़्यादातर को धुएं के कारण परेशानी हुई। इमारत में रहने वाले सभी लोगों को बाहर निकाला गया और उन्हें मेडिकल मदद दी गई।

वीकेंड की छुट्टी रद कर अचानक व्हाइट हाउस लौटे ट्रंप, ईरान की नई धमकी के बाद अमेरिका में अलर्ट

वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपना वीकेंड ट्रिप एक दिन पहले ही बीच में ही रद कर दिया और शनिवार शाम को अचानक वॉशिंगटन डीसी लौट आए। व्हाइट हाउस की ओर से जारी एक वीडियो में उन्हें मरीन वन से उतरते हुए देखा गया। हालांकि, उनके अचानक लौटने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई है, क्योंकि उनका कैंप डेविड में रविवार तक रुकने का कार्यक्रम था। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप की यह वापसी ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी विदेश विभाग ने शनिवार को पश्चिम एशिया को लेकर एक नया सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। विभाग ने वहां मौजूद अमेरिकी नागरिकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने और संभावित यात्रा बाधाओं के लिए तैयार रहने की सलाह दी है।

दूसरी तरफ शनिवार को ही सऊदी अरब ने इस बात की पुष्टि की कि यमन के हूती विद्रोही गुट ने उसकी राजधानी रियाद को बैलिस्टिक मिसाइल से निशाना बनाने की कोशिश की थी। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने दावा किया कि उन्होंने सऊदी राजधानी रियाद और यानबू में स्थित तेल कंपनी अरामको की सुविधाओं को निशाना बनाने के लिए कई मिसाइलों और ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के साथ चल रहे संघर्ष के बीच रियाद को निशाना बनाने की यह हालिया घटना है।

इसके अलावा विदेश विभाग की चेतावनी में कहा गया है कि यह सैन्य संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है, इसलिए अमेरिकी नागरिकों को पश्चिम एशिया की यात्रा पर जाने से बचना चाहिए। साथ ही, जो लोग पहले से वहां हैं, उन्हें एयरपोर्ट और उड़ानों से जुड़ी ताजा जानकारी पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों ने 5 आतंकियों को मार गिराया, 23 बंधक छुड़ाए

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने एक बड़े अभियान के दौरान 5 आतंकवादियों को मार गिराया और 23 लोगों के अपहरण के प्रयास को पूरी तरह विफल कर दिया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने रविवार को इस अभियान की पुष्टि की। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, यह घटना 18-19 सितंबर की रात कलात के निकट चमन-कराची राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। आतंकियों ने फिरौती के लिए अपहरण, जबरन वसूली और गाड़ियों को लूटने के उद्देश्य से हाईवे पर एक अवैध चेकपोस्ट स्थापित कर ली थी, जिससे वहां से गुजरने वाले आम नागरिकों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था। सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने त्वरित जवाबी कार्रवाई की। दोनों पक्षों के बीच हुई तीव्र गोलीबारी के बाद पांच आतंकियों को मार गिराया गया। सुरक्षा बलों ने आतंकियों के ठिकाने पर छापा मारकर अपहृत नागरिकों को सुरक्षित छुड़ाया। मौके से छह ट्रक, तीन बसें और दो कारें भी बरामद की गईं, जिन्हें आतंकियों ने अपने कब्जे में ले रखा था। इसके साथ ही भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री भी जब्त की गई। ढ्डस्क्क के अनुसार, क्षेत्र में बचे हुए आतंकियों का पूरी तरह सफाया करने और प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों व स्थानीय आबादी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आसपास के इलाकों में सैनिटाइजेशन अभियान जारी है। सेना ने दोहराया कि विदेशी संरक्षण प्राप्त आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियान पूरे संकल्प के साथ जारी रहेगा। बलूचिस्तान लंबे समय से गंभीर सुरक्षा चुनौतियों और आतंकवादी हमलों का सामना कर रहा है, जिसके कारण सुरक्षा बलों ने अभियानों की गति तेज कर दी है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की मासिक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रांत में आतंकी घटनाओं में 7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

बसपा में शामिल होने से पहले ही दीपिका आउट मायावती ने ईशान आनंद को फिर दी एंट्री

लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने परिवार और पार्टी संगठन को लेकर एक बार फिर बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद और उनकी बहन को अब पार्टी की कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही अपने भाई आनंद कुमार के परिवार से केवल ईशान आनंद को ही पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाने का एलान किया। मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपने अनुभवों को ध्यान में रखते हुए नजदीकी रिश्ते-नातों के मोह से ऊपर उठकर काम करने का फैसला किया है। बसपा संस्थापक कांशीराम ने भी अपने रिश्तेदारों को राजनीतिक लाभ देने से दूरी बनाए रखी। अपना जीवन बहुजन समाज के हित के लिए समर्पित किया। मायावती ने लिखा कि कांशीराम से प्रेरित होकर उन्होंने भी अपना पूरा जीवन

बहुजन समाज के लिए समर्पित किया। उनके मुताबिक, एक महिला होने के कारण उन्हें अपने किसी न किसी भाई-बहन को साथ रखना पड़ा। इसी क्रम में उनके छोटे भाई आनंद कुमार लंबे समय से उनकी सेवा में कार्यरत हैं।मायावती ने कहा कि आनंद कुमार के विशेष आग्रह पर उनके बड़े बेटे आकाश आनंद को राजनीति में आगे किया गया। हालांकि, शादी के बाद आकाश आनंद के रवैये और गतिविधियों के कारण उन्हें पार्टी से अलग करना पड़ा। आकाश आनंद अब अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में हैं और उन्हें दोबारा पार्टी में लेना पार्टी के साथ विश्वासघात होगा। मायावती ने कहा कि आनंद कुमार के परिवार से किसे पार्टी में आगे किया जाए, इसको लेकर वह पिछले कुछ समय से दुविधा में थीं। अब गंभीर विचार के बाद उन्होंने फैसला लिया है कि परिवार के ऐसे किसी सदस्य को ही आगे किया जाएगा, जो आकाश आनंद के नक्शेकदम पर न चले। उन्होंने यह भी कहा कि आगे चलकर आकाश आनंद की बहन की मदद लेने का सवाल भी उनके सामने था, लेकिन शादी के बाद उनका मामला भी आकाश आनंद जैसा निकला तो यह पार्टी हित में उचित नहीं होगा। इसलिए आकाश आनंद और उनकी बहन को पार्टी की किसी भी जिम्मेदारी से दूर रखा जाएगा और इस फैसले में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। आकाश आनंद और उनकी बहन के स्थान पर आनंद कुमार के परिवार से केवल ईशान आनंद को पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे किया जाएगा। उन्होंने हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि ईशान ने पार्टी विरोधी कोई गंभीर कृत्य किया तो उन्हें भी पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में आनंद कुमार के परिवार के किसी अन्य सदस्य को पार्टी की छोटी-बड़ी कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके बजाय पार्टी में कार्यरत दलित वर्ग के किसी मिशनरी और वफादार कार्यकर्ता को आगे बढ़ाने की बात मायावती ने कही।

तमिलनाडु में अब शराब की दुकानों पर नहीं चलेगा मनमाना पहनावा, 15 नवंबर से वर्दी जरूरी

तमिलनाडु । तमिलनाडु की सरकारी शराब दुकानों में काम करने वाले TASMAC कर्मचारियों को अब तय वर्दी पहननी होगी। सरकार के आदेश के मुताबिक 15 नवंबर 2026 से दुकान के कामकाज के दौरान निर्धारित वर्दी पहनना जरूरी होगा। इसका मकसद सभी दुकानों में कर्मचारियों का पहनावा एक जैसा और व्यवस्थित रखना है। सरकार ने हर कर्मचारी के लिए सालाना 6,000 रुपये का वर्दी भत्ता भी मंजूर किया है। इस रकम से कर्मचारियों को वर्दी के तीन जोड़े तैयार कराने होंगे।

सरकारी आदेश के मुताबिक दुकान के पर्यवेक्षक हल्के नीले रंग की कमीज और गहरे नीले रंग की पैंट पहनेंगे। वहीं, बिक्री कर्मचारियों और सहायक बिक्री कर्मचारियों के लिए बेज रंग की कमीज और गहरे भूरे रंग की पैंट तय की गई है। एक वरिष्ठ TASMAC अधिकारी ने बताया, सभी कमीजों पर बाईं छाती की तरफ TASMAC का चिन्ह लगा होना जरूरी है। कमीज को पैंट के अंदर या बाहर, दोनों तरह से पहना जा सकता है।

सभी जिलों में वर्दी के रंग और कपड़े में एकरूपता रखने के लिए कर्मचारियों को तय कपड़ा ही खरीदना होगा। इसके लिए उन्हें अपने जिले के मुख्यालय में स्थित सरकारी कॉ-ऑप्टेक्स दुकानों से मंजूर कपड़ा खरीदने को कहा गया है कर्मचारियों को 31 अक्टूबर 2026 तक कपड़ा खरीदना होगा, जबकि वर्दी की सिलाई 10 नवंबर 2026 तक पूरी करनी होगी। अधिकारी ने बताया, 15 नवंबर 2026 से काम के समय तय वर्दी पहनना अनिवार्य होगा।

TASMAC अधिकारियों के मुताबिक नवंबर के मध्य से दुकानों का निरीक्षण शुरू किया जाएगा। अगर कोई कर्मचारी वर्दी का भत्ता लेने के बाद बिना उचित वजह के वर्दी नहीं बनवाता या उसे नहीं पहनता है, तो उससे दी गई रकम वापस ली जा सकती है। इसके साथ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है।

शराबबंदी और आबकारी विभाग की वर्ष 2026-27 की नीति संबंधी रिपोर्ट के अनुसार, तमिलनाडु राज्य विपणन निगम यानी TASMAC राज्य में 4,048 खुदरा शराब दुकानें चलाता है। इन दुकानों में पर्यवेक्षक, बिक्री कर्मचारी और सहायक बिक्री कर्मचारियों समेत कुल 22,877 कर्मचारी काम करते हैं। TASMAC तमिलनाडु सरकार की वह संस्था है जिसे राज्य में शराब की थोक और खुदरा बिक्री का काम सौंपा गया है।

ऋतब्रत बनर्जी का सनसनीखेज खुलासा

अभिषेक के निर्देश पर बना था ममता समेत 14 टीएमसी उम्मीदवारों को हराने का प्लान

कोलकाता

विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत तृणमूल कांग्रेस के 14 उम्मीदवारों को हराने की योजना पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के निर्देश पर उनके कार्यालय कैमक स्ट्रीट से बनाई गई थी।

एक समाचार पत्र को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने दावा किया कि उनके पास इस संबंध में पर्याप्त साक्ष्य हैं और जरूरत पड़ने पर इसे अदालत में पेश किया जा सकता है। यह दावा हालिया मीडिया रिपोर्ट में भी प्रकाशित हुआ है।

ऋतब्रत का दावा है कि इसके तहत संबंधित क्षेत्रों में पार्टी एजेंटों को रोकने और महत्वपूर्ण कार्यकर्ताओं को निष्क्रिय करने जैसे कदम उठाए गए। ऋतब्रत के मुताबिक, उद्देश्य ममता बनर्जी को

चुनाव में हराकर संगठन और सरकार पर नियंत्रण हासिल करना था। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पास कथित योजना में शामिल सभी 14 नामों की सूची है। हालांकि, उपलब्ध रिपोर्ट में उन्होंने पूरी सूची सार्वजनिक नहीं की है। अभिषेक बनर्जी की ओर से इस विशेष दावे पर तत्काल प्रतिक्रिया का उल्लेख नहीं है।

2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी भवानीपुर में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं। चुनाव परिणाम के बाद ममता की ओर से मतदान प्रक्रिया में अनियमितता के आरोप लगाए गए थे, जिनमें पार्टी एजेंटों को मतदान केंद्रों में प्रवेश नहीं देने का आरोप भी शामिल था।

ऋतब्रत के मौजूदा दावे के बाद इन आरोपों और उनके बताए कथित घटनाक्रम के बीच संबंध को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, दोनों घटनाओं के बीच सीधे संबंध की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सिनेमा जगत के युगपुरूष थे ताराचंद बड़ज़ात्या

सिनेमा जगत के युगपुरुष तारा चंद बडज़ात्या का नाम एक ऐसे फिल्मकार के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने पारिवारिक और साफ सुथरी फिल्म बनाकर लगभग चार दशकों तक सिने दर्शकों के दिल में अपनी खास पहचान बनाई। फिल्म जगत में सेठजी के नाम से मशहूर महान निर्माता ताराचंद बडज़ात्या का जन्म राजस्थान में एक मध्यम वर्गीय परिवार में 10 मई 1914 को हुआ था। ताराचंद ने अपनी स्नातक की शिक्षा कोलकाता के विधासागर कॉलेज से पूरी की। उनके पिता चाहते थे कि वह पढ़ लिखकर बैरिस्टर बने लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति खराब रहने के कारण ताराचंद को अपनी पढ़ाई बीच में ही छोडऩी पड़ी।वर्ष 1933 में ताराचंद नौकरी की तलाश में मुंबई पहुंचे मुंबई में वह मोती महल थियेटर्स प्राइवेट लिमिटेड नामक फिल्म वितरण संस्था से जुड़ गए। यहां उन्हें पारश्रमिक के तौर पर 85 रुपए मिलते थे।

वर्ष 1939 में उनके काम से खुश होकर वितरण संस्था ने उन्हें महाप्रबंधक के पद पर नियुक्त करके मद्रास भेज दिया । मद्रास पहुंचने के बाद ताराचंद और अधिक परिश्रम के साथ काम करने लगे। उन्होंने वहां के कई निर्माताओं से मुलाकात की और अपनी संस्था के लिए वितरण के सारे अधिकार खरीद लिए। मोती महल थियेटर्स के मालिक उनके काम को देख काफी खुश हुए और उन्हें स्वंय की वितरण संस्था शुरू करने के लिए उन्होंने प्रेरित किया। इसके साथ ही उनकी आर्थिक सहायता करने का भी वायदा किया। ताराचंद को यह बात जच गई और उन्होंने अपनी खुद की वितरण संस्था खोलने का निश्चय किया।

15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ तो इसी दिन उन्होंने राजश्री नाम से वितरण संस्था की शुरूआत की। वितरण व्यवसाय के लिए उन्होंने जो पहली फिल्म खरीदी वह थी चंद्रलेखा। जैमिनी स्टूडियो के बैनर तले बनी यह फिल्म काफी सुपरहिट हुई जिससे उन्हें काफी फायदा हुआ। इसके बाद वह जैमिनी के स्थाई वितरक बन गए। इसके बाद ताराचंद ने दक्षिण भारत के कई अन्य निर्माताओं को हिन्दी फिल्म बनाने के लिए भी प्रेरित किया।अंजली, वीनस, पक्षी राज और प्रसाद प्रोडक्शन जैसी फिल्म निर्माण संस्थाएं उनके ही सहयोग से हिन्दी फिल्म निर्माण की ओर अग्रसर हुई और बाद में काफी सफल भी हुईं। इसके बाद ताराचंद फिल्म प्रर्दशन के क्षेत्र से भी जुड़ गए जिससे उन्हें काफी फायदा हुआ। उन्होंने कई शहरों में सिनेमा हॉल का निर्माण किया। फिल्म वितरण के साथ-साथ उनका यह सपना भी था कि वह छोटे बजट की पारिवारिक फिल्मों का निर्माण भी करें।

अभिनेता संजय खान के अलावा कई अन्य अभिनेताओं और अभिनेत्रियों के सिने करियर को संवारने में भी ताराचंद का अहम योगदान रहा है। जिनमें सचिन-सारिका को गीत गाता चल, अमोल पालेकर-जरीना वहाब को चितचोर, रंजीता को अंखियों के झरोके से, राखी को जीवन मृत्यु, अरुण गोविल को सावन को आने दो, रामेश्वरी को दुल्हन वही जो पिया मन भाए, सलमान खान-भाग्यश्री को मैने प्यार किया से ब्रेक देकर उन्हें बॉलीवुड में स्थापित किया।ताराचंद को मिले सम्मानों को देखा जाए तो उन्हें अपनी निर्मित फिल्म के लिए दो बार फिल्म फेयर के सर्वश्रेष्ठ फिल्मकार से नवाजा गया है। अपनी निर्मित फिल्मों से लगभग चार दशक तक दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने वाले महान फिल्माकार ताराचंद बडज़ात्या 21 सितंबर 1992 को इस दुनिया को अलविदा कह गए।

78 वर्ष के हुये महेश भट्ट

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्मकार महेश भट्ट आज 78 वर्ष के हो गये।महेश भट्ट का जन्म 20 सितंबर 1948 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता नानाभाई भट्ट फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने फिल्मकार थे। घर में फिल्मी माहौल के कारण उनका रुझान भी फिल्मों की ओर हो गया और वह निर्देशक बनने का सपना देखने लगे। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह निर्माता- निर्देशक राज खोसला के सहायक के तौर पर काम करने लगे।महेश भट्ट ने अपने सिने करियर की शुरुआत वर्ष 1970 में एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म संकट से की। इसके बाद उन्होंने बतौर निर्देशक मंजिले और भी हैं, विश्वासघात, लहू के दो रंग, नया दौर और अभिमन्यु जैसी कई फिल्में निर्देशित की लेकिन इन फिल्मों से उन्हें कोई खास फायदा नहीं पहुंचा। वर्ष 1982 में महेश भट्ट को फिल्म अर्थ निर्देशित करने का अवसर मिला। फिल्म में स्मिता पाटिल, शबाना आजमी और कुलभूषण खरबंदा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। माना जाता है कि इस फिल्म के जरिये महेश भट्ट ने अभिनेत्री परवीन बॉबी के साथ अपने रिश्ते को दर्शाया था। फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई। वर्ष 1984 में प्रदर्शित फिल्म सारांश महेश भट्ट के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म साबित हुई। फिल्म में अनुपम खेर और रोहिणी हथगड़ी और सोनी राजदान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म में अपनी बेहतरीन पटकथा के लिए महेश भट्ट मॉस्को फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार से सम्मानित भी किये गए।

वर्ष 1986 में प्रदर्शित फिल्म नाम महेश भट्ट निर्देशित अहम फिल्मों में शुमार की जाती है। राजेन्द्र कुमार निर्मित इस फिल्म में संजय दत्त और कुमार गौरव ने अहम भूमिका निभाई थी। यूं तो इस फिल्म के लगभग सभी गीत सुपरहिट साबित हुए लेकिन पंकज उधास की मखमली आवाज में चिट्ठी आई है वतन से चिट्ठी आई है गीत आज भी श्रोताओं की आंखों को नम कर देता है।वर्ष 1986 से वर्ष 1989 महेश भट्ट के सिने करियर का बुरा वक्त साबित हुआ। इस दौरान उनकी आज, काश, ठिकाना, कब्जा जैसी फिल्में प्रदर्शित हुईं लेकिन ये सभी फिल्में टिकट खिड़की पर बुरी तरह से नकार दी गयी। वर्ष 1989 में महेश भट्ट ने अपने भाई मुकेश भट्ट के साथ मिलकर फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख दिया और विशेष फिल्मस के बैनर तले डैडी का निर्माण किया। वर्ष 1993 में महेश भट्ट को एक बार फिर से अभिनेता आमिर खान के साथ फिल्म हम है राही प्यार के में काम करने का अवसर मिला जो उनके सिने करियर की एक और सुपरहिट फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में आमिर खान और जूही चावला की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसदं किया था। वर्ष 1995 में महेश भट्ट ने छोटे पर्दे की ओर भी रुख कर लिया और शोभा डे की कहानी स्वाभिमान को निर्देशित किया। यह धारावाहिक दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ था। वर्ष 1998 में प्रदर्शित फिल्म तमन्ना महेश भट्ट के निर्देशन में बनी महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है। वर्ष 1998 में महेश भट्ट की एक और सुपरहिट फिल्म जख्म प्रदर्शित हुई। इस फिल्म के जरिये महेश भट्ट ने अयोध्या में हुए बावरी मस्जिद विध्वंस के बाद मुंबई में हुए दंगे में एक परिवार को त्रास्दी को रूपहले पर्दे पर पेश किया था। फिल्म में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए अजय देवगन जहां सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया वहीं महेश भट्ट को सर्वश्रेष्ठ कहानी के लिए फिल्म फेयर पुरस्कार का सम्मान प्राप्त हुआ। वर्ष 1999 में प्रदर्शित फिल्म कारतूस की टिकट खिड़की की असफलता के बाद महेश भट्ट ने फिल्म निर्देशन के क्षेत्र से किनारा कर लिया। हालांकि उन्होंने फिल्मों की कहानी और स्क्रीनप्ले लिखना जारी रखा।महेश भट्ट अपने सिने करियर में तीन बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किये गए। उन्होंने अपने चार दशक लंबे सिने करियर में लगभग 50 फिल्मों का निर्देशन किया है।

अवैध कच्ची महुआ शराब के विरुद्ध सिवनी पुलिस की सबसे बड़ी कार्यवाही

कुचबंदिया मोहल्ला गंज में 6 थानों की संयुक्त टीम का छापा, 500 क्विंटल लाहन नष्ट

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर पूर्णत: अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आज थाना कोतवाली क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी सिवनी चंचलेश मरकाम के कुशल नेतृत्व में की गई।

थाना कोतवाली क्षेत्र के कुचबंदिया मोहल्ला गंज वार्ड में अवैध कच्ची महुआ शराब बड़े पैमाने पर बनाए जाने की सूचना पर पुलिस द्वारा विशेष योजना तैयार की गई। इस कार्यवाही 06 थानों की टीम रही जिसमें कोतवाली, लखनवाड़ा, डूण्डासिवनी, बंडोल, महिला थाना, अजाक एवं रक्षित केंद्र सिवनी के लगभग 100 से अधिक पुलिस बल की संयुक्त टीम गठित कर गंज क्षेत्र के विभिन्न घरों एवं रेलवे ट्रैक

के आसपास एक साथ छापामार कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान पुलिस टीम को विभिन्न स्थानों एवं रेलवे ट्रैक के पास से-लगभग 400 डिब्बे, लगभग 500 क्विंटल महुआ लाहन, 10 भट्टियां, 20 ड्रम एवं अन्य निर्माण सामग्री मिली। समस्त लाहन एवं भट्टियों को मौके पर ही विधिवत नष्ट किया गया। कार्यवाही के दौरान 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत 01 प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जिले में अवैध शराब के विरुद्ध इस प्रकार की सख्त कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री नि:शुल्क स्कूटी योजना से सिवनी के 196 विद्यार्थी लाभान्वित

सिवनी। स्वतंत्र मत। मुख्यमंत्री नि:शुल्क स्कूटी वितरण योजना वर्ष 2026 के अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्कूटी प्रदान की जा रही है। योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय, भोपाल से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।

इसी अवसर पर सिवनी जिले में भी कृष्णम गार्डन, सिवनी में जिलास्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के योजना से लाभान्वित 196 विद्यार्थियों, जिनमें 104 बालिकाएं एवं 92 बालक शामिल हैं, के साथ उनके पालक, जनप्रतिनिधि एवं छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जिलास्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर

पालिका परिषद सिवनी के अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया एवं जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन की उपस्थिति रही। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी अविनाश दीक्षित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों द्वारा जिले के पात्र विद्यार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से स्कूटी की चाबी प्रदान की गई। योजना के माध्यम से विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलने के साथ उनकी उच्च शिक्षा एवं आगे की शैक्षणिक यात्रा को सुगम बनाने में सहायता मिलेगी।

छपारा पुलिस सायबर फ्रॉड के 35 लाख रुपये प्रार्थी को वापस दिलाए

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी लखनादौन अपूर्व भलावी के नेतृत्व में थाना छपारा पुलिस को सायबर फ्रॉड के मामले में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

2000 किलोमीटर पीछा कर 100 से अधिक सीसीटीव्ही खंगाले, उत्तराखंड-उत्तरप्रदेश के फर्जी खाते होल्ड कराए

सिवनी। स्वतंत्र मत। थाना छपारा क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 27.07.2026 को प्रार्थी वैभव शिवहरे ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह इंटरनेशनल एक्सपोर्ट का काम करता है। उसे बांग्लादेश से 100 टन सुपारी का ऑर्डर प्राप्त हुआ था। उक्त ऑर्डर की सप्लाई हेतु उसने ऑनलाइन स्थानीय व्यापारियों से संपर्क किया। इसी दौरान सांगली महाराष्ट्र के बालाजी ट्रेडर्स नामक कंपनी से 100 टन सुपारी 2 करोड़ रुपये में उपलब्ध कराने का सौदा हुआ। प्रार्थी द्वारा व्यापारी के खाते में 35 लाख रुपये एडवांस के रूप में डाले गए। बाद में सैम्पल देखने सांगली महाराष्ट्र जाने पर ज्ञात हुआ कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बालाजी ट्रेडर्स के नाम से फर्जी तरीके से उसके साथ 35 लाख रुपये की ठगी की है।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना छपारा में अपराध क्र. 326/26 धारा 318(4), 319(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में एसडीओपी लखनादौनअपूर्व भलावी एवं थाना प्रभारी छपारा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्य एकत्रित करने पर ज्ञात हुआ कि आरोपियों द्वारा प्रार्थी की राशि को एक बैंक खाते से दूसरे विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया है तथा संदेही खाते उत्तराखंड एवं उत्तरप्रदेश में संचालित हो रहे हैं। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उत्तराखंड एवं उत्तरप्रदेश के लिए रवाना होकर लगभग 2000 किलोमीटर का सफर तय कर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को चेक किया गया। संदेहियों एवं उनके फर्जी खातों की जानकारी एकत्र कर संबंधित बैंकों को नोटिस देकर फर्जी खातों में जमा राशि को होल्ड कराया गया एवं निकासी पर रोक लगवाई गई।

बैंक से उचित पत्राचार एवं वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर होल्ड कराई गई सम्पूर्ण 35 लाख रुपये की राशि प्रार्थी के बैंक खाते में वापस ट्रांसफर कराने में सफलता प्राप्त की गई। उक्त कार्यवाही में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लखनादौन अपूर्व भलावी, थाना प्रभारी छपारा निरी. खेमेन्द्र कुमार जैतवार, उप निरी. मुकेश डेहरिया, उप निरी. भुजवल सिंह प्रजापति, प्र.आर. मूलसिंह उइके, आर. विनय सेंगर, आर. सूरज गिरारे, सायबर सेल प्रभारी सउनि देवेन्द्र जायसवाल एवं सायबर सेल प्र.आर. अजय बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शहीद राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि

सिवनी। स्वतंत्र मत। गोंडवाना साम्राज्य के अमर शहीद महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के 169वें बलिदान दिवस के अवसर पर 18 सितंबर को मंडला रोड स्थित सिवनी से करीब 12 किलोमीटर दूर ग्राम चुरना टोला ईदावाड़ी में श्रद्धांजलि एवं स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड महासभा मध्यप्रदेश एवं ग्राम कमेटी चुरना टोला के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन, बरघाट विधायक कमल मर्सकोले तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी सहित अन्य अतिथियों ने सहभागिता की। अतिथियों एवं उपस्थित जनसमुदाय ने महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के चित्र एवं प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके बलिदान को नमन किया।

देश की आजादी के लिए दिया सर्वोच्च बलिदान- इस अवसर पर विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका शौर्य, त्याग और देशभक्ति सदैव स्मरणीय रहेगा।

उन्होंने दोनों अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों द्वारा महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह की प्रतिमा स्थल पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। इस पर विधायक दिनेश राय मुनमुन ने प्रतिमा स्थल पर टीन शेड निर्माण के लिए 2 लाख रुपये तथा सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 से 25 लाख रुपये की राशि की घोषणा की।

विधायक की घोषणा पर ग्राम चुरना टोला, ईदावाड़ी एवं आसपास के क्षेत्र के ग्रामीणों, सरपंच विनीता मरावी तथा कार्यक्रम आयोजक अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड महासभा मध्यप्रदेश की ओर से आभार व्यक्त किया गया। **सांस्कृतिक कार्यक्रम ने बांधा समां**- कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं। इसके उपरांत कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आसपास के ग्रामों के ग्रामीण, मातृशक्ति, पितृशक्ति एवं आमंत्रित अतिथियों ने उपस्थित होकर आयोजन को भव्यता प्रदान की।

भोजन वितरण के साथ जरूरतमंद बुजुर्ग की मदद, जिला अस्पताल में कराया भर्ती

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी। न्यू आसरा सोशल फाउंडेशन द्वारा मानसिक रूप से विक्षिप्त जनों एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए जन सहयोग से प्रतिदिन नि:शुल्क भोजन वितरण किया जाता है। संस्था की अध्यक्ष नाज़नीन शेख (रोज़) के नेतृत्व में जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ-साथ संकट में पड़े लोगों की सहायता भी की जा रही है। इसी सेवा कार्य के दौरान बस स्टैंड क्षेत्र में एक बुजुर्ग व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में मिले।

संस्था की अध्यक्ष नाज़नीन शेख ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए तत्काल बुजुर्ग को जिला चिकित्सालय सिवनी पहुंचाया। वहां उनकी आवश्यक चिकित्सा करवाई गई तथा चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया। संस्था द्वारा जन सहयोग से चलाए जा रहे इस सेवा कार्य के माध्यम से प्रतिदिन जरूरतमंद एवं मानसिक रूप से विक्षिप्त जनों

को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। संस्था ने आमजन से अपील की है कि वे भी इस सेवा कार्य में सहयोग के लिए आगे आएं, ताकि जरूरतमंद लोगों तक भोजन एवं आवश्यक सहायता निरंतर पहुंचाई जा सके। न्यू आसरा सोशल फाउंडेशन, जिला सिवनी (मध्यप्रदेश) द्वारा सेवा कार्य निरंतर जारी है।

सिद्धपीठ श्री ज्वाला देवी मंदिर में 159वां संगीतमय सुंदरकांड पाठ सम्पन्न

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिद्धपीठ श्री ज्वाला देवी मंदिर, भैरोगंज में माँ ज्वाला देवी एवं श्रीराम भक्त हनुमान जी महाराज की असीम कृपा से 159वां साप्ताहिक संगीतमय सुंदरकांड एवं श्रीहनुमान चालीसा पाठ श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच सुंदरकांड पाठ से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान श्रीहनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया और धर्मलाभ अर्जित किया।

धार्मिक आयोजन के साथ दिया स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश कार्यक्रम में धार्मिक अनुष्ठान के साथ समाजहित और जनजागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी श्रद्धालुओं को जागरूक किया गया। वर्षा ऋतु समाप्त होने की ओर है, ऐसे में घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने, जलभराव रोकने तथा वर्षा के बाद जमा पानी की समुचित निकासी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। श्रद्धालुओं से कहा गया कि आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें और जमा पानी को नियमित

रूप से खाली करें, ताकि मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके। ऋतु परिवर्तन के इस दौर में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए मलेरिया, हैजा सहित अन्य जल एवं मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई।

अंधविश्वास से दूर रहकर वैज्ञानिक उपचार अपनाने की अपील मंदिर समिति ने नागरिकों से हल्का एवं सुपाच्य भोजन करने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने का आग्रह किया। विशेष रूप से सर्पदंश जैसी आपात स्थिति में झाड़-फूंक अथवा अंधविश्वास का सहारा लेने के बजाय तत्काल निकटतम चिकित्सालय पहुंचकर वैज्ञानिक उपचार कराने का संदेश दिया गया।

समिति ने कहा कि स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर जागरूकता फैलाकर समाज को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने में योगदान दे सकता है।

जन्मदिवस पर अगस्त्य सिवनी ने कराया पूजन-अर्चन

इस अवसर पर विशेष यजमान अगस्त्य सिवनी ने अपने जन्मदिवस के शुभ अवसर पर परिवार सहित मंदिर में विधि-विधान से पूजन-अर्चन कराया। इसके उपरांत संगीतमय सुंदरकांड पाठ, श्रीहनुमान चालीसा एवं भव्य महाआरती सम्पन्न हुई। महाआरती के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में माँ ज्वाला देवी एवं श्रीहनुमान जी महाराज से समस्त भक्तों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की गई।

संवेदनशील पहल और चिकित्सकीय साहस से बची बैगा महिला और नवजात की जान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। कभी-कभी चिकित्सा केवल इलाज तक सीमित नहीं रहती, बल्कि संवेदनशील निर्णय, अनुभव और टीमवर्क किसी परिवार के लिए जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद बन जाते हैं। जिला चिकित्सालय बालाघाट में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जहां अत्यंत जटिल परिस्थितियों में एक बैगा महिला और उसके नवजात शिशु की जान बचाने के लिए चिकित्सकों की टीम ने जिला अस्पताल में ही जोखिमपूर्ण ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 वर्षीय शौकरिन, पत्नी रूपचंद बैगा, निवासी बैंगाटोला सोनगुड्डा, तहसील बिरसा, को 20 सितंबर 2026 को प्रसव के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट में भर्ती कराया गया था। महिला की स्थिति गंभीर थी। प्रसव समय से पहले हो रहा था और गर्भस्थ शिशु की स्थिति ट्रांसवर्स लाई थी। इसके साथ ही एब्डॉमिनल एब्रप्शन, नाल का गले में फंसना, फाल्सीपेरम मलेरिया पॉजिटिव होना, अत्यधिक रक्त की कमी और लगातार रक्तस्राव जैसी कई गंभीर जटिलताएं मौजूद थीं। ड्यूटी पर मौजूद डॉ. स्वाति मेश्राम ने मरीज की गंभीर स्थिति की जानकारी सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन को दी। ऐसे समय में डॉ. निलय जैन ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए निर्णय लिया उन्होंने वरिष्ठ निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. दिनेश मेश्राम से उनके लंबे अनुभव के आधार पर इस चुनौतीपूर्ण केस को यहीं संभालने का आग्रह किया। चिकित्सकीय जोखिमों को समझते हुए टीम ने ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। चिकित्सकों और ओटी स्टाफ की पूरी टीम ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में समन्वय के साथ काम किया। लगभग 45 मिनट तक चले ऑपरेशन के बाद एक नवजात बालक का सुरक्षित जन्म हुआ। ऑपरेशन सफल होने के बाद चिकित्सकों और परिजनों ने राहत की सांस ली।

बलवाकाण्ड में नाम आने से डरें नहीं बल्कि साक्ष्य प्रस्तुत करें : एसपी

किरनापुर थाना में उपद्रव मामले में 26 की गिरफ्तारी, पुलिस कर रहीं जांच

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। किरनापुर थाना में बलवाकाण्ड के मामले में पुलिस लगातार कार्यवाई कर नये-नये खुलासे कर रहीं हैं। कुछ नेताओं के द्वारा गर्भवती महिला से मारपीट के मामले को लेकर पुलिस की छवि धुमिल करने को लेकर षड़यंत्र कर उपद्रवी का शराब पिलकर घटना को अंजाम दिया गया इसी मामले में एसपी आदित्य मिश्रा ने कहा कि शराब को गांव में बाटी गई जिसमें अब तक 26 लोगों को गिरफ्तार किया गया हैं वहीं 65 लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया हैं।

एसपी आदित्य मिश्रा ने कहा कि जो भी लोग इस उपद्रवी में शामिल नहीं हैं उन्हे डरने की आवश्यकता नहीं हैं और जिस पर भी मामला दर्ज हुआ हैं अगर वह भी अपने साक्ष्य सामने रख दे तो उन्हे भी डरने की जरूरत नहीं है। लेकिन अब भी सवाल वहीं हैं कि आखिर कौन वह सफेद पोश नेता हैं जिन्होने भोलेभाले मरार माली

समाज को मोहरा बनाकर थाना कांड को अंजाम दिया गया है?

यह हैं घटना...

किरनापुर थाने में दर्ज चोरी के प्रकरण में कथित आरोपी कैलाश चौधरी और उसकी पत्नी सावित्री के साथ पुलिस द्वारा मारपीट किए जाने के आरोप से जुड़ा है। जिसमें चार पुलिस कर्मी निलंबित हैं और जांच जारी है। थाने में की पुलिस पिटाई के विरोध में 15 सितंबर को किरनापुर में समाज ने आंदोलन किया था। जिसमें तकरीबन 5 हजार से ज्यादा लोग, आंदोलन में शामिल हुए थे। सामाजिक आंदोलन के दौरान, किरनापुर थाने में हुई पत्थरबाजी, तोडफोड़ और पुलिसकर्मियों पर हमले और फिर पुलिस ने आंसु गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया गया, इस दौरान कई पुलिसकर्मियो को चोटें आने के साथ ही थाने के भवन को भी नुकसान पहुंचा था। अब शराब से लेकर कुछ सरपंच व सफेद पोश नेताओं का एंगल सामने आया हैं। पुलिस ने दावा हैं कि थाने में उपद्रवी लोगों को मुफ्त में शराब बांटी गई और रूपए भी दिए गए।

बलवे में मामला दर्ज होने पर डरे नहीं बल्की साक्ष दे.... पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि किरनापुर थाने में 15 सितम्बर को पत्थराव व तोड़फोड़ किया गया, उसमें कई तरह से भ्रमित करने वाले पोस्ट शोषल मीडिया पर वायरल हो रहें है। एफआईआर में नाम आ जाना कोई अपराधी नहीं हो जाता हैं क्योंकि यह बलवा की धारा हैं जिसमें एक हजार से अधिक लोगों के फुटेज हैं, जिसमें जिसकी संलिप्तता नहीं हैं उन्हे कोई डरने व अग्रीम जमानत लेने की आवश्यता नहीं है। हम जिन्होने उपद्रव किया हैं उन पर विधिवत कार्यवाही करगें और जिसका नाम एफआईआर में शामिल होने के बाद भी उपद्रव में शामिल नहीं हैं तो उनका नाम हट जायेगा। बलवे की कार्यवाही में 90 लोगों का नाम एफआईआर में शामिल थे उन्हे बुलवाकर पुछताछ की गई, तो हमने करीब 60 से 65 लोगों पर ही मामला दर्ज किया गया है बाकियों को छोड़ दिया गया है। उन्होने कहा कि समाज के अध्यक्ष ने बताया था कि हमारा विरोध प्रर्दशन केवल शांतिपूर्वक विरोध दर्ज कराने था लेकिन ये कैसे हुआ हमें नहीं पता हैं। उन्होने कहा कि पहले से ही तीन-चार दिनों से शराब और पैसा बटवाकर थाना में उप्रदव करने की योजनाएं बनाई जा रहीं थीं।

ऐसी रची गई उपद्रवी का प्लांन... एसपी आदित्य मिश्रा ने कहा कि एसडीएम, तहसीलदार व महिला पुलिसकर्मीयों के सामने कुछ उपद्रवियों के द्वारा प्लान के साथ थाना के सामने अशोभनीय तरिके से कृत्य किया गया है। उन्होने पहले हिर्री की शराब दुकान से 14 और 15 सितम्बर को कई पेटिया शराब ली गई थीं, जिसमें 14 सितम्बर को शराब ली गई थीं उसे हिर्री, मुर्री, पानगांव सहित अन्य गांवों में बाटी गई। वहीं टेंडवा शराब दुकान से खरीदी शराब पेटियों को भी गांवों में बाटा गया, जिसमें विकास डहाटे परसपानी ढाबा संचालक के द्वारा शराब की पेटियों को बाटा गया और उन्होने ही ऑवलाझरी शराब दुकान से भी शराब की पेटिया ले जा कर समाज के लोगों में बांटी गई हैं। उन्होने कहा कि वॉटसब्स चेट पर भी शराब की खरीदी की गई। जिसमें शराब ठेकेदार सेवेन्द्र परिहार के खाते में पैसा दिया गया है।

भड़काउ बयान देने से बचें...

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे को लेकर कहा कि कंकर मुंजारे जिले के एक वरिष्ठ नेता हैं वे कार्यक्रम में शामिल थे पुरे घटनाक्रम के बाद बयान दिया कि फरवरी 1975 में थाना जलाया था। अगर ऐसे उपद्रव के बाद कोई भड़काउ बयान दे कर बच सकते हैं तो हमें लगता हैं कि ऐसे लोगों की समाज में भी कोई स्वीकारता होंगी। सावर्जनिक मंच से किसी भी जनप्रतिनिधी के द्वारा ऐसी बाते करना, बेहद ही दुखदाई लगता है। इससे पता चलता है कि वे पता नही किस तरह का राजनैतिक हितलाभ लेने की आंकाक्षा रखते है। मेरा उनसे आग्रह है कि वे घबराये नही, एफआईआर दर्जे है लेकिन उनकी उपस्थिति को देखते ही वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

धूमधाम से निकला कश्यप जयंती का जुलूस

कसौधन समाज ने उत्साह से मनाया पर्व

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कसौधन वैश्य समाज द्वारा कश्यप जयंती का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कसौधन वैश्य धर्मशाला से वर्षों से परंपरागत रूप से कश्यप जयंती के अवसर पर जुलूस निकाला जाता है। इस वर्ष भी समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए जयंती पर्व मनाया। जुलूस में समाज के महिला-पुरुष, युवा एवं वरिष्ठजन शामिल हुए। आयोजन के दौरान समाज की एकता, सामाजिक समरसता और परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।

धर्मशाला परिसर से निकले जुलूस में समाजजन उत्साह के साथ शामिल हुए और कश्यप जयंती की शुभकामनाएं दीं। आयोजन में कसौधन समाज के वरिष्ठ अध्यक्ष दर्शन गुप्ता, महामंत्री मनीष संजोग गुप्ता, कोषाध्यक्ष सौरभ गुप्ता, उपाध्यक्ष संतोष प्रसाद गुप्ता, सहित सुरेंद्र गुप्ता, सुरेश गुप्ता, महेंद्र गुप्ता, संतोष गुप्ता, विनोद गुप्ता, संजय गुप्ता, विवेक गुप्ता एवं दीपक गुप्ता की सहभागिता रही। इसी तरह नवयुग मंडल के अध्यक्ष लवकुश गुप्ता, महामंत्री कृष्ण दास गुरु, कोषाध्यक्ष कपिल गुप्ता, उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता सहित राम गुप्ता, भारत गुप्ता, गोलू गुप्ता, आशीष गुप्ता एवं संजू गुप्ता उपस्थित रहे। महिला मंडल की ओर से अध्यक्ष पूजा गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष एडवोकेट अर्चना गुप्ता, महामंत्री कंचन गुप्ता, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता, उपाध्यक्ष मोना गुप्ता सहित रमा गुप्ता, छवी गुप्ता, किरण गुप्ता, कृष्ण गुप्ता, रोशनी गुप्ता, क्षमा गुप्ता, सुशील गुप्ता, सरिका गुप्ता एवं शशि गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं शामिल हुईं।

फोटो : विकास गुप्ता

आहना ने लगाया नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

किसी की आँखों में रोशनी लौटाना, उसके जीवन में उम्मीद जगाने के समान है

कटनी (स्वतंत्रमत)। जायंट्स ग्रुप ऑफकटनी आहना द्वारा सेवा सप्ताह के तृतीय दिवस पर जरूरतमंद लोगों के लिए नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा प्रकल्प का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को बेहतर नेत्र स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराना और उनके जीवन में रोशनी की नई उम्मीद जगाना रहा। शिविर में दूर-दराज के क्षेत्रों से आए लोगों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। जरूरतमंद मरीजों के लिए चश्मा उपलब्ध कराने तथा मोतियाबिंद के उपचार की सुविधा भी प्रदान की गई। बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंचकर इस सेवा का लाभ उठाया। आहना की समाज सेविकाओं ने केवल नेत्र जांच तक ही सेवा को सीमित नहीं रखा, बल्कि शिविर में आए मरीजों एवं उनके साथ आए परिजनों के लिए बिस्किट, नमकीन, चिप्स, केले और सेब सहित खाद्य सामग्री की भी व्यवस्था की। सेवा और संवेदना से भरे इस प्रयास ने शिविर को और भी विशेष बना दिया। आहना की समाज सेविकाओं ने कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण कई जरूरतमंद लोग लंबे समय तक अपनी आंखों की समस्या को नजर अंदाज करते रहते हैं।

धार्मिक तम्बोला कार्यक्रम सानंद संपन्न

जैन मिलन कटनी द्वारा आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। जैन मिलन कटनी द्वारा पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर आयोजित धार्मिक तम्बोला कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ सानंद संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जैन समाज के हजारों की संख्या में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए तम्बोला खेल का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राउंड में प्रतिभागियों को आकर्षक एवं बंपर पुरस्कार प्रदान किए गए। धार्मिक वातावरण के साथ मनोरंजन से भरपूर इस आयोजन ने उपस्थित सभी लोगों में विशेष उत्साह और उमंग का संचार किया। इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय चेयरमैन सुभाष सिंघई की गरिमामयी उपस्थिति रही। जैन मिलन कटनी के अध्यक्ष अंकुर जैन ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी समाजजनों, अतिथियों, सहयोगियों एवं आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में महिला अध्यक्ष निशा जैन, सचिव संचित जैन, कोषाध्यक्ष मनीष जैन, उपाध्यक्ष विभोर जैन, सहमंत्री वैभव जैन, अभिषेक जैन, राहुल जैन, महिला सचिव नीतू जैन, शरद जैन, रंजना जैन, रचना जैन, मीनू जैन, नम्रता जैन सहित जैन मिलन कटनी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज के लोगों को एक साथ जोड़ने के साथ-साथ धार्मिक एवं सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का कार्य करते हैं। जैन मिलन कटनी की ओर से सभी सहयोगियों, अतिथियों एवं उपस्थित समाजजनों का पुनः हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

उद्योगपति मदन लाल ग्रोवर पंचतत्व में विलीन

गमगीन माहौल में पुत्र रंजन बाबू ग्रोवर ने दी मुखाग्नि, अंतिम विदाई में उमड़ा शहर

कटनी (स्वतंत्रमत)। सिविल लाइन क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक, उद्योगपति एवं शिवभक्त मदन लाल ग्रोवर रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। नागपुर के मैक्स हॉस्पिटल में उपचार के दौरान शनिवार, 19 सितंबर को उनका निधन हो गया था। निधन की खबर से शहर में शोक की लहर दौड़ गई। उनकी पार्थिव देह शनिवार को ही कटनी लाई गई। रविवार को नदीपार स्थित मुक्तिधाम में अत्यंत गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके सुपुत्र रंजन बाबू ग्रोवर ने मुखाग्नि दी। इस दौरान परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में उनके पोते रुद्राक्ष ग्रोवर सहित पूर्व मंत्री एवं विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक, मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल, बड़वारा विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, पूर्व विधायक सुनील मिश्रा, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, युवा भाजपा नेता एवं समाजसेवी यश पाठक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, उद्योगपति समाजसेवी, गणमान्य नागरिक और शहरवासी मौजूद रहे। मदन लाल ग्रोवर के निधन से सामाजिक एवं औद्योगिक क्षेत्र में शोक व्याप्त है। अंतिम यात्रा और अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने उनके प्रति शहरवासियों के सम्मान और आत्मीय जुड़ाव को भी व्यक्त किया। **फोटो : विकास गुप्ता**

ट्रक ने दो युवकों को कुचला, एक गंभीर

कटनी-शहडोल मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास हादसा

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी-शहडोल मार्ग पर शनिवार दोपहर नायरा पेट्रोल पंप के पास तेज रतार ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को ठोकर मार दी। ठोकर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों की भीड़ जमा जमा हो हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार तीनों युवक बाइक से कौड़िया की ओर लौट रहे थे। नायरा पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रहे ट्रक ने कथित तौर पर गलत लेन में आकर बाइक को ठोकर मार दी। ठोकर के बाद बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों सड़क पर जा गिरे। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस और डायल 112 को सूचना दी। हादसे में कौड़िया निवासी राममिलन नापित 45 वर्ष और ठितवारा निवासी रामसुजान नापित 40 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कौड़िया निवासी अभिषेक नापित गंभीर रूप से घायल हो गया। डायल 112 की टीम ने घायल को बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। क्षतिग्रस्त बाइक और सड़क पर पड़े युवकों को देखकर राहगीर भी रुक गए।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को व्यवस्थित कराया और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाया। सूचना मिलते ही बड़वारा पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना में शामिल ट्रक को जत कर चालक को हिरासत में लिया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

फोटो : विकास गुप्ता

फोर लेन होगा बिलासपुर रेलखंड कटनी जंक्शन को मिलेगा फायदा

लॉजिस्टिस हब के रूप में विकसित होगा कटनी

कटनी (स्वतंत्रमत)। 367 किलोमीटर लंबे कटनी-बिलासपुर रेलखंड को फोर लेन किया जा रहा है। रेल मंत्रालय ने इसकी मंजूरी दे दी है। इस काम पर 6 हजार 528 करोड़ रूपए खर्च होंगे। इसका सीधा फायदा कटनी को होने जा रहा है। इस परियोजना से कटनी जंक्शन पर लंबे समय से बनी रेल यातायात की समस्या कम होने और ट्रेनों की आवाजाही सुगम होने की उमीद है। फोर लाइन का रेलमार्ग तैयार होने के बाद इस कॉरिडोर पर यात्री और एसप्रेस ट्रेनों के संचालन की अतिरिक्त क्षमता विकसित होगी। इससे भविष्य में नई ट्रेनों के संचालन का रास्ता भी आसान हो सकता है। यह परियोजना पूरी होने के बाद कटनी जंक्शन और बिलासपुर कटनी रेल कॉरिडोर की क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होने की उमीद है। इससे यात्री परिवहन के साथ औद्योगिक और माल ढुलाई व्यवस्था को भी गति मिल सकती है। परियोजना को पूरा करने के लिए 2029-30 तक की समय सीमा तय की गई है। कटनी-बिलासपुर रेलमार्ग के कुछ हिस्सों में दोहरी और तीसरी लाइन है। क्षमता सीमित होने के कारण कटनी की ओर आने वाली अथवा यहां से गुजरने वाली कई एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों को सिग्नल के इंतजार में आउटर पर रुकना पड़ता है। कई बार ट्रेनों को लूप लाइन में भी लेना पड़ता है। फोर लाइन का ट्रैक तैयार होने के बाद यात्री और मालगाड़ियों के संचालन के लिए अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी। इससे ट्रेनों की आवाजाही को बेहतर तरीके से संचालित करने में मदद मिलेगी और यात्रियों के समय की बचत हो सकती है। इसके अलावा कटनी और इससे जुड़े क्षेत्र को देश की ऊर्जा सुरक्षा और माल ढुलाई में फायदा मिलेगा। परियोजना से रेल यातायात का दबाव कम करने के साथ कटनी और आसपास के आदिवासी तथा औद्योगिक क्षेत्रों को भी लाभ मिलने की उमीद है। अतिरिक्त रेल लाइन उपलब्ध होने से ट्रेनों को आउटर पर लंबे समय तक रोकने की जरूरत कम हो सकती है। कटनी से बिलासपुर, रायपुर और नागपुर की ओर जाने वाले यात्रियों को अधिक सुगम रेल सेवा मिलने की उमीद है। अतिरिक्त ट्रैक उपलब्ध होने से कोयला, सीमेंट और अन्य औद्योगिक खनिजों की ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी। इससे कटनी को बड़े लॉजिस्टिस केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिल सकती है। माल परिवहन की क्षमता बढ़ने और लागत कम होने से स्थानीय उद्योगों तथा कारोबार को फायदा मिलने की संभावना है। इससे नए रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं। सुलभ होगी रेल यात्रा - केंद्र सरकार की ओर से हाल ही में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के रेल इंफ्रास्ट्रचर को और मजबूती देने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लिया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की दो प्रमुख मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को आधिकारिक स्वीकृति मिली है।

इससे कटनी के साथ ही बिलासपुर और उससे आगे जाने वाली रेल यात्रा में मजबूती आएगी। चौथी रेल लाइन के निर्माण के बाद कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर से लेकर अमरकंटक तक यात्रियों की रेल यात्रा सुलभ होगी।

फोटो : विकास गुप्ता

नदी, तालाब घाटों का किया निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)। आगामी सामाजिक एवं धार्मिक त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने गणेश विसर्जन के दृष्टिगत जिले के प्रमुख नदी एवं तालाब घाटों गाटर घाट, माई नदी, मोहन घाट, मसुरहा घाट, चाका तालाब, पुरैनी कुण्ड, पीर बाबा, रपटा घाट एवं छपरवाह घाट सहित अन्य विसर्जन स्थलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, घाटों पर आवश्यक पुलिस बल की तैनाती, यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने आगामी त्योहारों के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने, असामाजिक तत्वों पर सतत नजर बनाए रखने तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस अधिकारियों को स्थानीय प्रशासन एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा, डीएसपी अजाक शिवा पाठक, थाना प्रभारी कोतवाली, थाना प्रभारी यातायात सहित जिले के अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस की आमजन से अपील कटनी पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि आगामी सामाजिक एवं धार्मिक त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में मनाएं।

चार दिन में 65 बिजली चोरी के पंचनामे, 185 कनेक्शन जांचे

कटनी (स्वतंत्रमत)। बिजली चोरी और स्वीकृत भार से अधिक बिजली इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ एमपीईबी ने कटनी शहर संभाग में कार्रवाई तेज कर दी है। चार दिन तक चले सघन जांच अभियान में छह वितरण केंद्रों की टीमों ने 185 कनेक्शनों की जांच की। इनमें 65 उपभोक्ता बिजली चोरी या स्वीकृत भार से अधिक लोड का उपयोग करते पाए गए। इन मामलों में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 और 126 के तहत पंचनामे बनाकर प्रकरण दर्ज किए गए। कार्यपालन अभियंता मुकेश महोबे ने मुख्य अभियंता जबलपुर क्षेत्र एसके गिरिया और अधीक्षण अभियंता कटनी वृत्त डीएन चौकीकर के मार्गदर्शन में यह जांच कराई। विभाग के अनुसार अप्रैल से सितंबर 2026 तक शहर संभाग में बिजली चोरी के कुल 580 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें 2.73 करोड़ रुपए की बिलिंग की गई। इनमें से 529 प्रकरणों में 77 लाख रुपए की राशि जमा भी कराई जा चुकी है। विभाग की टीमें शहर, खिरहनी-1 और अन्य वितरण केंद्रों में लगातार जांच कर रही हैं। कनिष्ठ अभियंताओं निमिष तिवारी, राजू पांडे, अतुल वर्मा, संदीप यादव, मनोज तिवारी और धनंजय सिंह की टीमों द्वारा कार्रवाई की ।

मेरे सपनों का भारत थीम पर 53 विद्यार्थियों ने दिखाई कल्पना शक्ति, महापौर सूरी ने बढ़ाया उत्साह

कटनी (स्वतंत्रमत)।

छोटे-छोटे हाथों में रंगों की कूची थी और आंखों में भारत के सुनहरे भविष्य का सपना। किसी की कल्पना में स्वच्छ और सुंदर शहर था, तो किसी ने आधुनिक तकनीक से आगे बढ़ते आत्मनिर्भर भारत को कागज पर उतारा। किसी चित्र में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश था, तो किसी में शिक्षा और विकास की नई तस्वीर। अवसर था सेवा से संकल्प अभियान के तहत आयोजित मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता का, जिसमें नगर निगम के तीनों विद्यालयों के 53 विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से जीवंत कर दिया। नगर निगम कटनी द्वारा अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में साधुराम स्कूल परिसर में तीनों निगम विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता करते हुए अपने सपनों के भारत की तस्वीर कागज पर उकेरी। रंगों और रेखाओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने विकसित, स्वच्छ, समृद्ध, आत्मनिर्भर एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक भारत की परिकल्पना को अभिव्यक्त किया।

53 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा-प्रतियोगिता में साधुराम स्कूल के 15, केसीएस उच्चतर माध्यमिक शाला के 20 तथा ए.रविंद्र राव स्कूल के 18 विद्यार्थियों सहित कुल 53 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। निर्धारित थीम पर चित्र बनाते समय विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और कल्पना शक्ति देखते ही बनती थी। प्रतियोगिता स्थल पर कहीं तिरंगे के रंगों में सजा भारत दिखाई दिया तो कहीं स्वच्छ सड़को, हरियाली, आधुनिक शहरों और आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर नजर आई। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए केवल चित्रकला प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अपने देश के भविष्य को लेकर उनके विचारों और सपनों को अभिव्यक्त करने का अवसर भी बना। उनके चित्रों में यह संदेश स्पष्ट दिखाई दिया कि नई पीढ़ी भारत को स्वच्छ, विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में देखना चाहती है।

निकिता बर्मन प्रथम, प्रांशु द्वितीय-प्रतियोगिता में केसीएस उच्चतर माध्यमिक शाला की निकिता बर्मन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साधुराम स्कूल के प्रांशु द्वितीय तथा ए.रविंद्रराव स्कूल के दीपू चौधरी तृतीय स्थान पर रहे। साधुराम स्कूल के अमित सिंह एवं ए.रविंद्र राव स्कूल की आँचल चौधरी ने सांत्वना स्थान प्राप्त किया।

रंगों के साथ संस्कार और संकल्प की अभिव्यक्ति-सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच देने के साथ ही उन्हें देश और समाज के प्रति अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया।

प्रतियोगिता में उभरी कल्पनाओं ने यह भी दिखाया कि बच्चों के सपनों में केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि स्वच्छ शहर, हरित पर्यावरण, बेहतर शिक्षा, आधुनिक विकास और आत्मनिर्भर भारत की सामूहिक तस्वीर भी शामिल है। कार्यक्रम के दौरान संचालनालय से पधारे अधिकारी ओ.पी. झा, सहायक यंत्री आदेश जैन, उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी सहित तीनों विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अधिकारियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

एशियन गेम्स के पहले दिन राइफल शूटिंग में भारत को 2 सिल्वर

- भारत ने पदकों का खाता खोलते हुए की शानदार और उम्मीदों से भरी शुरुआत

नई दिल्ली

एशियन गेम्स के पहले दिन भारत ने पदकों का खाता खोलते हुए शानदार और उम्मीदों से भरी शुरुआत की। दिन का मुख्य आकर्षण शूटिंग में इलावेनिल वालारिवन का प्रदर्शन रहाए जिन्होंने भारत को दो सिल्वर मेडल दिलाए। इसके अलावा हॉकी, बैडमिंटन और टेबल टेनिस में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला, जबकि मिक्स मार्शल आर्ट्स में भी भारत ने कम से कम एक ब्रॉन्ज मेडल पक्का कर लिया।

निशानेबाजी के 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में इलावेनिल वालारिवन दिन की सबसे सफल भारतीय एथलीट बनकर उभरीं। उन्होंने पहले सोनम उत्तम मस्कर और पदार्पण कर रही विदार्सा विनोद के साथ मिलकर टीम स्पर्धा में सिल्वर मेडल पर निशाना लगाया। इसके बाद उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा में भी रजत पदक अपने नाम किया। पिछले दो एशियन गेम्स में पदक से चूकने वाली 27 वर्षीय इलावेनिल के लिए यह उपलब्धि बेहद खास रही। फाइनल में उन्होंने 252.4 का स्कोर किया और जापान की हिनाता ताइची से महज 0.6 अंक पीछे रह गईं, जिन्होंने 253.0 के एशियन गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। दक्षिण कोरिया की बान ह्योजिन को कांस्य मिला। हालांकि इलावेनिल अधिकांश समय बढ़त बनाए हुए थीं, लेकिन अंत की तीन खराब शॉट के कारण वे स्वर्ण पदक से चूक गईं।

मिक्स मार्शल आर्ट्स में सुचिका तरियाल का पदक पक्का।

निशानेबाजी के बाद मिक्स मार्शल आर्ट्स से भारत के लिए अच्छी खबर आई। 36 वर्षीय सुचिका तरियाल ने महिलाओं के ट्रेडिशनल 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की अल्तानचिमेग बैगलमा को 2.0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए कम से कम एक कांस्य पदक पक्का कर लिया। एशियन गेम्स में पहली बार शामिल किए गए एमएमए में यह सफलता ऐतिहासिक है। जूडो से एमएमए में आई सुचिका ने राष्ट्रीय और एशियाई स्तर पर पहले ही अपनी धाक जमाई थी और अब महाद्वीपीय मंच पर भी पदक पक्का कर लिया।

हॉकी में गोलों की बारिशए भारत ने दागे कुल 32 गोल

हॉकी में भी भारतीय पुरुष और महिला टीमों का तूफान देखने को मिला। दोनों टीमों ने अपने-अपने ग्रुप मुकाबलों में कुल 32 गोल दागे। महिला टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से रौंदकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया, जिसमें दीपिका सेहरावत ने अकेले आठ गोल दागे। वहीं पुरुष हॉकी टीम ने इंडोनेशिया के खिलाफ 13-1 से एकतरफा जीत दर्ज की। दिलप्रीत सिंह ने भारत के लिए सर्वाधिक चार गोल किए। दोनों जीत ने टूर्नामेंट में भारतीय टीमों के स्वर्ण पदक के मजबूत इरादों को साफ कर दिया।

बैडमिंटन में भारत की एकतरफा जीत

बैडमिंटन में भारत की महिला टीम ने कजाकिस्तान को 3.0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना मेजबान जापान से होगा। पीवी सिंधु ने सीधे गेमों में जीत दर्ज कर भारत को बढ़त दिलाई, जिसके बाद उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने अपने-अपने एकल मैच जीतकर टीम को आसान जीत दिला दी। भारतीय टीम ने पूरे मैच के दौरान एक भी गेम नहीं गंवाया।

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के फाइनल में

शेफाली वर्मा जितने रन भी नहीं बना सकी पूरी बांग्लादेश टीम

निशिन। भारत ने एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने शेफाली वर्मा के नाबाद शतक की मदद से 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर ऑलआउट हो गई। यानी टीम अकेली शेफाली के स्कोर से 19 रन पीछे रह गई। रविवार को शेफाली ने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन की पारी खेली। उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के लगाए। हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी की। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा और नंदनी शर्मा ने 3-3 विकेट लिएए जबकि श्री चरणी को 2 विकेट मिले। अब 22 सितंबर को फाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से होगा।स्मृति मंधाना 19 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हुईं। इस दौरान मंधाना विमेंस टी.20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज भी बन गईं। उनके नाम अब 4,788 रन हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (4,758 रन) को पीछे छोड़ा।

यशस्वी जायसवाल को मौका मिलना चाहिएः इरफान पठान

नई दिल्ली। इरफान पठान ने रविवार को कहा कि यशस्वी जायसवाल को वनडे में नियमित मौके मिलने चाहिए। उन्होंने जियोहॉटस्टार के फॉलो द ब्लूज कार्यक्रम में यह बात कही। इरफान ने कहा 2027 वर्ल्ड कप से पहले जायसवाल पर्याप्त वनडे खेलें। वेस्टइंडीज दौरे से इसकी शुरुआत हो। हालांकि उन्होंने रोहित शर्मा को ओपनिंग के लिए भारत की पहली पसंद बताया। अगला वनडे वर्ल्ड कप 2027 में 4 अक्टूबर से 21 नवंबर के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की सह.मेजबानी में खेला जाएगा। इरफान ने कहा वेस्टइंडीज के खिलाफइस वनडे सीरीज में मुझे जिस खिलाड़ी को मिलने वाले मौकों पर नजर रहेगी, वह यशस्वी जायसवाल हैं। वह टीम के बैकअप ओपनर हैं। जब भी मौका होए मैं उन्हें खेलते देखना चाहूंगा। वेस्टइंडीज दौरे पर जायसवाल को टॉप ऑर्डर में मौका मिलने की संभावना कम है। कप्तान शुभमन गिल और रोहित ओपनिंग करते हैं। नंबर-3 पर विराट कोहली खेलेते हैं। रोहित और विराट सिर्फ वनडे खेलते हैं। दोनों के अगले साल वर्ल्ड कप में खेलने पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट शायद ही उन्हें प्लेइंग.11 से बाहर बिठाए। जायसवाल को मिडल ऑर्डर में उतारा जा सकता है। इसकी वजह है कि नंबर-4 पर खेलने वाले श्रेयस अय्यर एशियन गेम्स के लिए जापान गए हैं। हालांकि जायवाल को ऋतुराज गायकवाड से चुनौती मिलेगी।

रणजी ट्रॉफ़ी के पहले दो मुक़ाबलों में सिराज करेंगे हैदराबाद की कप्तानी

हैदराबाद

रणजी ट्रॉफी के आगामी सीज़न में पहले दो मुक़ाबलों में मोहम्मद सिराज हैदराबाद की कप्तानी करेंगे और सीवी मिलिंद को दल का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने अपनी मीडिया रिलीज़ में बताया है कि सिराज की अनुपस्थिति या उनकी अनुपलब्धता में मिलिंद कप्तानी की भूमिका अदा करेंगे। हैदराबाद के दल में अनुभवी बल्लेबाज़ तनमय अग्रवाल, राहुल सिंह और विकेटकीपर बल्लेबाज़ राहुल रादेश और साई रेड्डी को शामिल किया गया है। 15 सदस्यीय दल में तनय त्यागराजन, अनिकेत रेड्डी और अजय देव गौड़ को शामिल किया गया है। सिराज वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ भारत के वनडे दल का हिस्सा हैं, तीन मैचों की यह सीरीज़ 3 अक्टूबर को न्यू चंडीगढ़ में समाप्त होगी। हैदराबाद का पहला रणजी ट्रॉफी मुक़ाबला 11 अक्टूबर को त्रिपुरा के ख़िलाफ़ है, हालांकि इसका वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है। उनका अगला मुक़ाबला 18 अक्टूबर को आंध्र के ख़िलाफ़ विजयनगरम में शुरू होगा। भारत का न्यूज़ीलैंड दौरा 22 अक्टूबर को शुरू होगा, हालांकि इस दौरे पर पहले टी 20 सीरीज़ खेली जानी है। सिराज ने आख़िरी बार भारत के लिए यह प्रारूप इस साल फरवरी में खेला था।

रणजी ट्रॉफी 2026-27 के लिए हैदराबाद का दल

मोहम्मद सिराज कप्तान, सीवी मिलिंद उपकप्तान,तनमय अग्रवाल, एम अभिरथ रेड्डी, राहुल सिंह, के हिमा तेजा, राहुल रादेश विकेटकीपर, साई रेड्डी विकेटकीपर, वरुण गौड़, तनय त्यागराजन, अनिकेत रेड्डी, रक्षण रेड्डी, अजय देव गौड़, रुतिक यादव मेंडे, साई विकास रेड्डी, स्टैंडबाय खिलाड़ी- भावेश सेठ, एच के सिम्हा, टी रवि तेजा, शौनक कुलकर्णी, मुदस्सर हुसैन, कार्तिकेय काक, पृथ्वी रेड्डी।

युवराज सिंह के छक्कों की बराबरी करने में लगे 14 साल

नई दिल्ली। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार उह गैर्दा पर छह छक्के लगाने का रिकॉर्ड जब युवराज सिंह ने बनाया था, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई दूसरा बल्लेबाज इसकी बराबरी कर पाएगा। युवराज ने वर्ष 2007 में इंग्लैंड के खिलाफएक ओवर की छह गेंदों पर छह छक्के लगाकर क्रिकेट जगत में इतिहास रचा था। उनके इस कारनामे की बराबरी करने में दूसरे खिलाड़ी को करीब 14 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था। वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड ने वर्ष 2021 में यह उपलब्धि हासिल कर युवराज के रिकॉर्ड की बराबरी की। युवराज सिंह ने यह ऐतिहासिक कारनामा पहले टी20 विश्व कप के दौरान किया था। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले युवराज शानदार फॉर्म में नहीं थे। टूर्नामेंट में इससे पहले खेले गए तीन मुकाबलों में उनके बल्ले से महज छह रन निकले थे। स्कॉटलैंड के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ वह एक और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच रन बनाकर आउट हुए थे। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में युवराज ने हालांकि आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी शुरू की। एंड्रयू चिलटॉफ के साथ मैदान पर उनकी कहासुनी भी हुई। इसके बाद युवराज ने अपना गुस्सा इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड पर निकाला। पारी के 19वें ओवर में युवराज़ ने ब्रॉड की लगातार छह गेंदों पर छह छक्के जड़ दिए। इस तरह वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने।

अनुबंधित दायित्व पूरे नहीं हुए तो एनटीपीसी ने रद्द किया 413 करोड़ रुपये का अनुबंध

नयी दिल्ली

एनटीपीसी लिमिटेड ने महाराष्ट्र स्थित अपने मौदा सुपर थर्मल पावर स्टेशन में 400 एमडब्ल्यूएच क्षमता का बैटरी ऊर्जा भंडारण तंत्र बीईएसएस स्थापित करने के लिए जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट लिमिटेड को दिया गया ठेका रद्द कर दिया है। कंपनी ने यह कदम ठेकेदार के अनुबंधित दायित्वों को पूरा न करने और परियोजना की आवश्यक प्रगति हासिल करने में विफल रहने पर उठाया है। मार्च 2026 में 413़37 करोड़ रुपये का यह ठेका दिया गया था, जिसे राष्ट्रीय ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप 15 महीनों के भीतर पूरा किया जाना था। महत्वपूर्ण गतिविधियों में हालांकि परियोजना को भारी देरी का सामना करना पड़ा। कंपनी के अनुसारए एनटीपीसी ने तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के लिए जीआरआईएल को अनुबंधीय नोटिस भी जारी किया थाए लेकिन ठेकेदार आवश्यक उपाय करने में नाकाम रहा। नतीजतन, एनटीपीसी ने तत्काल प्रभाव से अनुबंध समाप्त कर दिया। इसके अलावा अनुबंधित प्रावधानों के अनुसार कंपनी ने लगभग 91 करोड़ रुपये की उपलब्ध प्रतिभूतियों को भुना लिया है। एनटीपीसी ने कहा कि मौदा बीईएसएस परियोजना ग्रिड लचीलेपन को मजबूत करने और नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को समर्थन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनी हुई है। कंपनी ने जीआरआईएल के जोखिम और लागत पर परियोजना की पुनः निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है जैसा प्रासंगिक अनुबंधित प्रावधानों में निर्दिष्ट है। एनटीपीसी ने कहा कि वह परियोजना को जल्द पुनः आवंटित करने और समय पर पूरा करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर उपाय कर रही है। मौदा बीईएसएस परियोजना पारंपरिक बिजली उत्पादन परिसंपत्तियों के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण को तैनात करने की एनटीपीसी की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा.केंद्रित बिजली प्रणाली को संतुलित करने में ऊर्जा भंडारण की बढ़ती भूमिका को देखते हुए कंपनी कई स्थानों पर बीईएसएस परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से निकाले 20,974 करोड़

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफवीआईएस की बिकवाली का सिलसिला फिर लौट आया है। सितंबर महीने में 18 तारीख तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से 20,974 करोड़ की भारी निकासी की है। वैश्विक अनिश्चितताओं, अमेरिका में बढ़ती ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपए ने विदेशी निवेशकों को सतर्क कर दिया है। जुलाई में 20,200 करोड़ और अगस्त में 29,630 करोड़ की मजबूत खरीदारी के बाद सितंबर में फिर से बिकवाली देखने को मिल रही है। सीडीएसएल के आंकड़ों के मुताबिक इस साल 2026 में एफवीआईएस अब तक भारतीय शेयरों से कुल 2.45 ट्रिलियन यानी 2़45 लाख करोड़ निकाल चुके हैं।

महंगे कच्चे माल के बीच ग्राहकों को मिल सकती है फेस्टिव सीजन में राहत

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में आमतौर पर खरीदारी बढ़ जाती है। ऐसे समय में कंपनियां भी बिक्री बढ़ाने की तैयारी करती हैं लेकिन इस बार एफएमसीजी सेक्टर के सामने एक अलग चुनौती है। चीनी, खाद्य तेल, कॉफी, कोको और पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की लागत बढ़ रही है। इसके बावजूद ज्यादातर एफएमसीजी कंपनियां फिलहाल अपने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ाने से बचना चाहती हैं। कंपनियों का जोर कीमत बढ़ाने के बजाय ज्यादा सामान बेचकर बिक्री बढ़ाने पर है। एफएमसीजी कंपनियां बढ़ती लागत का कुछ असर ग्राहकों तक पहले ही पहुंचा चुकी हैं। इंडस्ट्री के अनुसार जून तिमाही में कई कंपनियों ने चुनिंदा प्रोडक्ट्स की कीमतों में करीब 2 से 5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। इसका मकसद बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा निकालना था। ऐसे में अब कंपनियां तुरंत दूसरी कीमत बढ़ोतरी करने के मूड में नहीं हैं। इसकी बड़ी वजह त्योहारी सीजन में मांग को बनाए रखना है। कंपनियों को डर है कि कीमत ज्यादा बढ़ाने से ग्राहक खरीदारी कम कर सकते हैं और बिक्री की रफ्तार पर असर पड़ सकता है। आईटीसी के फूड्स डिविजन के सीईओ और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हेमंत मलिक ने कहा कि कंपनी त्योहारी सीजन तक कीमतों को स्थिर रखने की कोशिश करेगी। उनके मुताबिकए बढ़ती कमोडिटी लागत के असर को कम करने के लिए कंपनी लागत घटाने और अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को बेहतर तरीके से मैनेज करने पर काम कर रही है। मलिक ने यह भी कहा कि जीएसटी दरों में पिछली कटौती के बाद कई एफएमसीजी कैटेगरी में बिक्री की मात्रा बढ़ी थी। इससे बाजार में मांग को सहारा मिला। हालांकि अगर लागत का दबाव आगे भी बना रहता है तो वित्त वर्ष की तीसरी या चौथी तिमाही में कीमतों की दोबारा समीक्षा की जा सकती है। डाबर इंडिया ने भी कुछ प्रोडक्ट्स पर कीमतों में सीमित बढ़ोतरी की है।

आईसीएआई ने एसएसए 5000 जारी किया

कोच्चि। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान आईसीएआई ने एसएसए 5000 सस्टेनेबिलिटी एश्योरेंस एंगेजमेंट्स के लिए सामान्य आवश्यकताएं और फ्रेमवर्कश् जारी किया है। एसएसए 5000 अंतर्राष्ट्रीय फ्रेमवर्क आईएसएसए 5000 के अनुरूप है। आईसीएआई ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह देश में सस्टेनेबिलिटी एश्योरेंस पारितंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। वैश्विक फ्रेमवर्क में भारतीय संदर्भ के हिसाब से कुछ बदलाव किए गए हैं। इस व्यापक फ्रेमवर्क का मकसद सस्टेनेबिलिटी एश्योरेंस एंगेजमेंट्स के लिए एक मजबूत और एक समान आधार प्रदान करना है। साथ ही सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग की बदलती जरूरतों को भी पूरा करना है। एसएसए 5000 वित्त वर्ष 2027.28 से या उसके बाद लागू हो सकेगा। आईसीएआई के अध्यक्ष प्रसन्ना कुमार डी ने कहा एसएसए 5000 देश में सस्टेनेबिलिटी एश्योरेंस को वैश्विक मानकों के स्तर पर ले जाएगा।ष् यह सिद्धांतों पर आधारित एक व्यापक फ्रेमवर्क है जिसे निवेशकों और हितधारकों के बीच स्थाई भरोसा जगाने के लिए तैयार किया गया है। आईसीएआई के उपाध्यक्ष मंगेश किनरे ने कहा कि एसएसए 5000 सस्टेनेबिलिटी एश्योरेंस के दायरे को बढ़ाता है और साथ ही अलग.अलग रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क को समान सख्ती और एकरूपता के साथ शामिल करता है। देश की शीर्ष 1ए000 कंपनी के लिए पर्यावरणीय, सामाजिक तथा प्रशासन के स्तर पर अपने काम के बारे में जानकारी देना जरूरी है।

सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव की संभावना

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव, पश्चिम एशिया संघर्ष के घटनाक्रम तथा कच्चे तेल के रुख के बीच आने वाले सप्ताह में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है और यह सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। मौद्रिक नीति और भू.राजनीतिक घटनाक्र मों से भरे सप्ताह के बाद अब निवेशकों का ध्यान नए आर्थिक आंकड़ों पर रहेगा। इनमें प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के खरीद प्रबंधक सूचकांक के आंकड़े शामिल हैं। विश्लेषकों ने कहा कि सप्ताह के अंत में जारी होने वाले अमेरिकी हाउसिंग बाजार, टिकाऊ उपभोक्ता सामान के ऑर्डर और उपभोक्ता धारणा से जुड़े आंकड़ों पर भी पैनी नजर रखी जाएगी। इससे मौद्रिक नीति के भविष्य की चाल और सर्राफा की मांग के संकेत मिल सकेंगे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अक्टूबर डिलिवरी वाला सोना पिछले सप्ताह 1,597 रुपये यानी 1.04 फीसदी चढ़कर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं चांदी का वायदा भाव 6,629 रुपये यानी करीब तीन फीसदी की बढ़त के साथ 2़41 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज और करेंसी रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी ने कहाए श्एमसीएक्स पर सोना पिछले सप्ताह 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब कमजोरी के साथ खुला थाए लेकिन निचले स्तर पर खरीदारी का समर्थन मिलने से यह 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया।श् उन्होंने कहा कि यह सुधार तेज उतार-चढ़ाव के उस दौर के बाद देखने को मिला है, जब बाजार प्रमुख वृहद आर्थिक और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के असर का आकलन कर रहे थे।

त्योहारी सीजन में डेढ़ से दोगुना बढ़ गया हवाई किराया

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन की अभी शुरुआत भी नहीं हुई है और हवाई किराया आसमान पर पहुंच गया है। कुछ रूट पर तो विमानों का किराया दो से तीन गुना तक बढ़ चुका है। इसे देखते हुए दिल्ली और देश में व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखा है। उन्होंने विमान कंपनियों की मनमानी पर नकेल कसने की मांग की है और कहा है कि त्योहारी सीजन में आम आदमी की सुविधा का ख्याल रखा जाए। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि सीटीआई की रिसर्च में सामने आया है कि कुछ दिनों पहले जो हवाई टिकटें सस्ती थीं, वही टिकटें अब दोगुने से ज्यादा दाम पर बेची जा रही हैं। पिछले कुछ दिनों में अचानक से इंडिगो, एयर इंडिया सहित तमाम विमानन कंपनियों ने 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक हवाई किराया बढ़ा दिया है जिससे मध्य वर्ग और उच्च मध्य वर्ग की कमर टूट गई है। गणपति महोत्सव के साथ ही देश में त्योहारी सीजन शुरू हो गया है जो कि दिवाली और छठ पूजा तक चलेगा। ऐसे में लोगों की हवाई यात्रा की फ्रीक्वेंसी भी बढ़ेगी। हवाई किराये में 100 प्रतिशत उछाल आना विमानन कंपनियों की मनमानी है।

सेवा से संकल्प अभियान जनभागीदारी और सेवा की भावना को सशक्त करने का माध्यम: मुख्यमंत्री डॉ यादव

नीमच में शीघ्र शुरू होगा एयरपोर्ट, सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम का होगा निर्माण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि नीमच में शीघ्र ही एयरपोर्ट बनाया जायेगा। साथ ही खेल सुविधाओं में विस्तार के लिये सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनाया जायेगा। प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में एक लाख से अधिक भर्तियां की गई हैं। आगामी ढाई वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक भर्तियां और की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने नीमच के अग्रोहा भवन में आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने में उनके योगदान का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में सेवाए जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प से ही शक्ति और विकास का मार्ग प्रशस्त

होता है तथा प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने नीमच के विकास, नागरिकों के जुझारूपन और उद्यमशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को आयोजित आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम सनातन परंपरा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

प्रदेश के बजट और रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का शिक्षा बजट लगभग 5 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपये तथा प्रदेश का कुल बजट बढ़कर 4 लाख 48 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में ड्रॉपआउट रेट शून्य होने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 70 हजार रुपये से अधिक हो गई है। तथा बिजली उत्पादन 32 हजार मेगावॉट से अधिक पहुंच गया है।

वर्ष 2002 में प्रदेश में लगभग 5 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जिनमें करीब 8 हजार सीटें उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश में विगत वर्षों में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है तथा प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी एक्सप्रेस.वे के माध्यम से बेहतर की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार से जिले के युवाओं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

चीता प्रोजेक्ट को बताया नीमच के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच के खिमला क्षेत्र में मादा चीता को छोड़ा जा रहा है। उन्होंने इसे जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व के अग्रणी देशों की कतार में है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तथा न्यायपालिका एवं संवैधानिक संस्थाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं समझौतों में भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों और किसानों के हितों को प्राथमिकता दी है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक भूमिका निरंतर मजबूत हुई है और देश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री का जताया आभार

विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि जिले में 2 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा से संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ यादव का नीमच को विभिन्न सौगातें देने तथा चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच को चयनित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने गांधी सागर बांध के पानी से किसानों को मिल रहे लाभ और कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव का भी उल्लेख किया। विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने कहा कि भारत विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा एवं श्री वंदन खंडेलवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने अभियान में सहभागी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं विभिन्न संगठनों की सराहना की।

विद्यार्थी को समग्रता से समझकर उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना ही शिक्षा का ध्येय: मंत्री परमार

अनुभव आधारित एवं विद्यार्थी.केंद्रित शिक्षा से ही होगा व्यक्ति त्व का समग्र विकास, नुभवात्मक अध्यापक विकास कार्यक्रम का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी को समझकर उसके व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। जिस प्रकार परिवार में बच्चों के स्वभावए रुचिए आदतों और व्यवहार को समझकर उनके साथ व्यवहार किया जाता है, उसी प्रकार प्राध्यापकों को भी विद्यार्थियों की रुचि, क्षमता और आवश्यकताओं को समझते हुए शिक्षण करना चाहिए। विद्यार्थी को समग्रता से समझे बिना शिक्षा अपने व्यापक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकती। मंत्री श्री परमार रविवार को भोपाल स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के सभागृह में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित अनुभवात्मक अध्यापक विकास कार्यक्रम भोपाल केंद्र के क्षेत्रीय प्रशिक्षण.सह.अभिमुखीकरण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए सामूहिक शक्ति और संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में अनुभव के आधार पर शिक्षण.पद्धतियों का निरंतर विकास समय की आवश्यकता है। प्राध्यापक केवल विषय का ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, संवेदना, कौशल और जीवन-मूल्यों के विकास में सहभागी बनें। अनुभवात्मक शिक्षण विद्यार्थियों को ज्ञान को जीवन से जोड़ने और उसे व्यवहार में उतारने की क्षमता प्रदान करता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि श्अनुभव से सीखनाए विद्यार्थी को समझना और शिक्षा को जीवन से जोड़ना यही ऐसी शिक्षा का आधार है, जो विद्यार्थी के ज्ञान के साथ उसके व्यवहार, संवेदना, कौशल और व्यक्तित्व का भी विकास करती है। शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा, जीवन-मूल्यों और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी है।

भारतीय भाषाओं का ज्ञान बढ़ाएगा भाषाई अपनत्व और राष्ट्रीय एकात्मता

मंत्री श्री परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश में अहिंदी भारतीय भाषाओं को क्रेडिट के साथ विद्यार्थियों को पढ़ाने की कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं की विविधता से परिचित कराने के साथ भाषाई एकात्मता को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि भाषाएँ केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि एक-दूसरे की संस्कृति, भावनाओं और समाज को समझने का सेतु भी हैं। मंत्री श्री परमार ने कहा कि जब मध्यप्रदेश का विद्यार्थी देश की अन्य भारतीय भाषाओं को सीखेगा और आगे शिक्षा, रोजगार या अन्य अवसरों के लिए किसी दूसरे प्रदेश में जाएगा, तो वहां की भाषा के कुछ शब्दों और अभिव्यक्तियों के माध्यम से संवाद में सहजता और अपनत्व का अनुभव होगा। यह अपनत्व केवल व्यक्तिगत संबंधों को मजबूत नहीं करेगाए बल्कि विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों और समाजों के बीच परस्पर समझ, आत्मीयता और राष्ट्रीय एकात्मता को भी सशक्त करेगा।

गणेश पंडाल में सजी सत्यवान सावित्री की जीवंत झांकी

हटा (स्वतंत्र मत)। श्री बिहारी जी सरकार समाज सेवा समिति द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर गणेश पंडाल में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान सत्यवान-सावित्री की जीवंत झांकी प्रस्तुत की गई जिसने श्रद्धालुओं का विशेष ध्यान आकर्षित किया। झांकी के माध्यम से सत्यवान सावित्री की कथा और उनके त्याग, समर्पण एवं पतिव्रता धर्म का संदेश प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने पात्रों का जीवंत अभिनय कर झांकी को प्रभावी बनाया। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पंडाल में पहुंचे। आयोजन के दौरान गणपति बप्पा की आरती, भजन कीर्तन सहित अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की आराधना कर सुख समृद्धि की कामना की। समिति के सदस्यों ने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान प्रतिदिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मुक्तिधाम में सेवा संकल्प : तुलसी वन की सफाई की गई

हटा (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत गौरीशंकर वार्ड स्थित गौरीशंकर मुक्तिधाम सेवा समिति के सदस्यों ने मुक्तिधाम परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। समिति के सदस्यों ने मुक्तिधाम परिसर स्थित तुलसी वन की सफाई करते हुए खरपतवार और अनावश्यक झाड़ियों को हटाया। इसके साथ ही परिसर में नए पौधे भी रोपे गए। श्रमदान के दौरान हरगोविंद पाराशर, राजराम गोस्वामी, इमरत तंतुवाय, कामता

तंतुवाय, चम्पी चौरसिया सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई। समिति के सदस्यों ने बताया कि मुक्तिधाम सेवा समिति द्वारा केवल अभियान अवधि में ही नहीं बल्कि पिछले कई माह से नियमित रूप से सेवा कार्य किए जा रहे हैं। समिति के सदस्य पूरे वर्ष मुक्तिधाम परिसर के साथ-साथ सुनार नदी के विभिन्न घाटों तथा नगर के अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान करते हैं। समिति का कहना है कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता और हरियाली बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ समिति के सदस्य नियमित रूप से श्रमदान कर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे हैं।

शिवाजी चौक पर विराजे गजानन

सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में अरम्या ने मारी बाजी

दमोह (स्वतंत्र मत)। नगर के शिवाजी चौक पर विराजमान दगडूशेठ के भव्य दरबार में छत्रपति गणेश उत्सव समिति द्वारा एक शानदार सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया और पूरा माहौल भक्तिमय कर दिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान गणेश की वंदना व भक्ति गीतों पर एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस स्पर्धा में अरम्या ने अपने शानदार नृत्य कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी शानदार प्रस्तुति को अतिथियों और दर्शकों ने खूब सराहा और उन्हें पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस खास अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक और धर्मप्रेमी बंधु दगडूशेठ के दरबार में उपस्थित रहे।

गणपति बप्पा की भक्ति में झूमा हटा

भजनों से गूंजा पंडाल तो बच्चों ने बिखेरा हुनर

हटा (स्वतंत्र मत)। महाकाल गणेश उत्सव समिति हटा द्वारा आयोजित गणेश उत्सव में भक्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सुंदर संगम देखने को मिला। भगवान गणेश की विधि.विधान से आरती के बाद महिलाओं ने भक्तिभाव से भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुनों से पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु भी भक्ति के रंग में सराबोर नजर आए। इसके बाद नन्हे बच्चों

ने गणपति बप्पा के भजनों और गीतों पर अपनी कला एवं प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों ने उत्साह के साथ मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। नन्हे कलाकारों की मासूमियतए उत्साह और प्रतिभा ने आयोजन में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में भगवान गणेश के प्रति गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला।

महिलाओं के भजनों और बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने धार्मिक आयोजन को भक्ति के साथ संस्कृति और मनोरंजन से भी जोड़ दिया। महाकाल गणेश उत्सव समिति के आयोजन में श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा की आराधना के साथ बच्चों की प्रतिभा का उत्साहवर्धन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा।

होटल रॉयल दमयंती पैलेस में अग्नि दुर्घटना की जांच के लिए दल गठित

दमोह (स्वतंत्र मत)। होटल रॉयल दमयंती पैलेस दमोह में 19 सितंबर को कैटरिंग कार्य के दौरान गैस सिलेंडर से हुई दुर्घटना में व्यक्तियों के झुलसनेध्हताहत होने की घटना के कारणों, सुरक्षा व्यवस्थाओं में संभावित कमी तथा उत्तरदायित्व का तथ्यात्मक परीक्षण करने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी प्रताप नारायण यादव द्वारा जांच दल गठित किया गया है। जांच दल में अनुविभागीय दंडाधिकारी, नगर पुलिस अधीक्षक/अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी रहेंगे।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता

दमोह (स्वतंत्र मत)।

विकसित भारत की संकल्पना पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन जिले की सभी शासकीय शासकीय माध्यमिक स्कूल हाई स्कूल तथा हायर सेकंडरी विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में जिले के सभी विद्यालयों में न्यूनतम 50 विद्यार्थियों की सहभागिता हेतु जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी विद्यालयों को निर्देशित किया गया था।

अनेक विद्यालयों में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर चित्रकला में अपना उत्साह दिखाया। चित्रकला के साथ-साथ विकसित भारत की संकल्पना पर आधारित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी आज विभिन्न विद्यालयों में किया गया। 21 सितंबर को सभी विद्यालयों में आज हुई प्रतियोगिता की पेंटिंग्स की प्रदर्शनी लगाई जाएगी जिसमें जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक एवं जन सामान्य को अवलोकन हेतु आमंत्रित किया गया है। प्रत्येक विद्यालय से तीन श्रेष्ठ पेंटिंग एवं भाषण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

स्टाइपेंड वृद्धि को लेकर प्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री से की मुलाकात

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टर के स्टाइपेंड में वृद्धि किए जाने के निर्णय के लिए आज मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों की ओर से उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल का आभार व्यक्त किया।इंटर्न डॉक्टरों के प्रतिनिधि डॉ साकेत रायपुरिया एवं करण पटेल ने अपने डीन एवं सुपरिटेंडेंट सर के साथ उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के रीवा निवास पर पहुंचकर उनका धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि स्टाइपेंड वृद्धि की मांग को गंभीरता से लेते हुए सरकार द्वारा सकारात्मक पहल किए जाने से प्रदेश के हजारों इंटर्न डॉक्टर को राहत मिली है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए सभी इंटर्न डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि सरकार द्वारा चिकित्सा विद्यार्थियों एवं युवा चिकित्सकों की समस्याओं को समझते हुए किए गए इस निर्णय से उनका मनोबल बढ़ा है। उन्होंने भविष्य में भी चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर इसी प्रकार के सहयोग एवं सकारात्मक संवाद की अपेक्षा व्यक्त की।

आईटी पार्क रोजगार सृजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना

मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है उज्जैन और इंदौर

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। आईटी पार्क एवं इंजीनियरिंग कैंपस के माध्यम से युवाओं को शिक्षा के साथ रोजगारए कौशल विकास और नई तकनीकों से जुडने के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि उज्जैन में आईटी क्षेत्र के विस्तार की दिशा में आईटी पार्क एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जो आने वाले समय में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने में सहायक होगी। आईटी पार्क के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि इंदौर और उज्जैन को मेट्रोपॉलिटन

सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्य किए जा रहे है। इन विकास कार्यों का उद्देश्य युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षाए तकनीकी नवाचार और उद्योगों के विस्तार को गति देना है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नई तकनीक और नवाचार के माध्यम से प्रदेश के प्रदर्शन को और बेहतर बनाया जा सकता है।

आईटी क्षेत्र के विस्तार से प्रदेश में नए उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार और कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इससे प्रदेश के समग्र विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए निगरानी की जा रही है। उज्जैन में आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए आवश्यक विकास कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। शहर के विकास, आधुनिक अधोसंरचना, तकनीकी सुविधाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए राज्य सरकार समन्वित रूप से कार्य कर रही है। आईटी पार्क परियोजना का निर्माण दो चरणों में किया जा रहा है। परियोजना के लिए लगभग 2.16 हेक्टेयर भूमि निर्धारित की गई है। इसमें कुल प्रस्तावित 15,480 वर्गमीटर बिल्ट.अप एरिया का निर्माण किया जाना है।

इसमें से 11,436 वर्गमीटर क्षेत्र आईटी कंपनियों के लिए आरक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के निर्धारित मापदंडों का पालन सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं।

अधारताल थाना क्षेत्र में हादसा, चालक गंभीर

तेज रफ्तार वाहन ने ऑटो को मारी टक्कर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल थाने में विभाष रैकवार उम्र 25 वर्ष निवासी गोकलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह आटो चलाता है। वह अधारताल से शोभापुर ब्रिज की तरफ जा रहा था । उसी समय पीछे से आ रही टाटा की आईसर वाहन का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये उसके आटो में पीछे से टक्कर मार दिया। जिससे उसका आटो पलट गया। हादसे में वह नीचे दब गया । टक्कर लगने से उसके सिर, चेहरे दोनों कंधों, वायें पैर, दाहिनी जांघ में चोट आई। अधारताल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घमापुर थाने का मामला, जांच में जुटी पुलिस

माइंस में वाहन लगाने के नाम पर धोखाधड़ी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। घमापुर थाने में दुर्गेश रजक उम्र 30 वर्ष निवासी लालमाटी द्वाराक नगर ने बताया कि उसके मोबाइल नम्बर पर अज्ञात नम्बर से कॉल आया जिसने अपने आपको बालाजी ट्रांसपोर्टर बताते हुये अपनी गाड़ियां माइंस में लगाने के लिये कहा। उक्त व्यक्ति ट्रांसपोर्टर है, उसने उक्त मोबाइल धारक पर विश्वास करते हुये गाड़ियां भेजने पर 70 प्रतिशन वाहन लोडिंग में पेमेंट एडवांस देने के लिये कहा। जिसपर व्यक्ति द्वारा अकाउण्ट नम्बर व पेटीएम स्केनर भेजकर पैसे डालने के लिये कहा। उसने पेटीएम के क्यूआर कोड से स्कैन करके फोन पे के माध्यम से 44 हजार रूपये पेमेंट कर दिये जिसके बाद उक्त मोबाइल धारक का कॉल बंद आ रहा है।

2 युवकों की चाकू गोदकर हत्या, बदमाशों से बचने गहरे नाले गिरे तीसरे युवक की भी मौत

हनुमानताल, गोराबाजार और मझगंवा थाना क्षेत्र में वारदात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में बदमाशों के हौसले बुलंद होने से आमजनों में डर का माहौल व्याप्त है। दरअसल विगत दिवस जिले के अलग-अलग इलाकों से 2 युवकों की हत्या की वारदात सामने आई है। पहली वारदात हनुमानताल थाना इलाके के बाबाटोला में हुई। यहां रविवार दोपहर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि 22 साल के सूरज चौधरी की मौत हो गई। वहीं, भूरा चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। इस मामले में हनुमानताल थाना प्रभारी सुभाष चंद्र बघेल ने बताया कि उन्हें बाबाटोला के ठक्कर ग्राम वार्ड में विवाद और मारपीट की सूचना मिली थी। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तब तक विवाद में एक युवक की मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान 22 वर्षीय सूरज चौधरी के रूप में हुई है। भूरा चौधरी भी गंभीर रूप से घायल है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह झगड़ा शराब के नशे में हुआ था। हालांकि, विवाद किस बात को लेकर शुरू हुआ, पुलिस इसकी जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

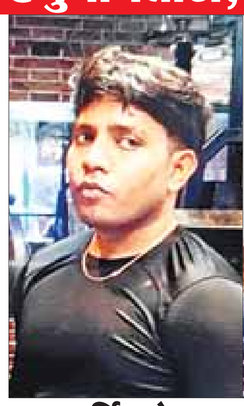

सर्चिंग के बाद गहरे नाले में मिला शव

इसी प्रकार गोराबाजार थाना क्षेत्र में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात डी मार्ट के सामने एक अंडे की दुकान के संचालक से 2 युवकों का विवाद हो गया। कुछ ही देर में दुकान के संचालक ने तीन-चार युवकों को बुला लिया जो लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और दोनों से मारपीट करने लगे। आरोपियों से बचने के लिए भागते समय एक युवक खंदारी नाले में गिर गया। पानी अधिक होने के कारण उसकी डूबने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक गोराबाजार निवासी अर्जुन अपने साथी रूपेंद्र के साथ रात करीब 12 से 1 बजे तिलहरी डी-मार्ट के पास अंडे खाने गया था। यहां सिकंदर अंडे की दुकान लगाता है। पैसों के लेनदेन को लेकर अर्जुन और सिकंदर के बीच विवाद हो गया। कुछ ही देर में सिकंदर के 3 साथी और पहुंच गए और अर्जुन व रूपेंद्र के साथ मारपीट करने लगे। मारपीट से बचने के लिए अर्जुन सड़क पार कर भागने लगा। अंधेरा होने के कारण उसे आगे का रास्ता दिखाई नहीं दिया और वह सीधे खंदारी नाले में जा गिरा। नाले में पानी अधिक होने से वह डूब गया। इधर अर्जुन का साथी रूपेंद्र किसी तरह गोराबाजार थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अर्जुन के साथ मारपीट करने वाले 3 युवकों को देर रात ही अभिरक्षा में ले लिया गया है, जबकि कुछ अन्य की तलाश जारी है।

युवक की चाकू मारकर हत्या, ग्रामीणों ने किया चकाजाम

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मझगवां थाना क्षेत्र की नुंजा कॉलोनी में शनिवार रात श्मशानघाट के पास 21 वर्षीय गणेश वंशकार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के बड़े भाई गोलू वंशकार के मुताबिक, साहिल चौधरी गणेश को बातचीत के बहाने श्मशानघाट के पास ले गया। वहां उसके दो-तीन साथी पहले से मौजूद थे। बातचीत के दौरान साहिल ने गणेश से गाली-गलौज की। विरोध करने पर साथियों ने गणेश को पकड़ लिया और साहिल ने उसकी पीठ व जांघ में चाकू से दो-तीन वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल गणेश को वहीं छोड़कर आरोपी भाग गए। अधिक खून बहने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, गणेश के बड़े भाई जितेंद्र करीब एक साल पहले चौधरी समाज की एक लड़की को भगाकर ले गया था। बताया जा रहा है कि वह साहिल की बहन थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में रंजिश चल रही थी। पोस्टमार्टम के बाद शव जैसे ही नुंजी कॉलोनी पहुंचा, ग्रामीणों ने शव सड़क पर रखकर सिहोरा-मझगवां रोड पर जाम लगा दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और पुलिस से जमकर बहस हुई। ग्रामीणों की मांग थी कि गणेश की हत्या में शामिल सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए और एफआईआर में सभी के नाम दर्ज किए जाएं।

दुर्लभ आनुवांशिक विकार अशर सिंड्रोम के प्रति जिनसार के विद्यार्थियों ने चलाया जन जागरूकता अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अशर सिंड्रोम जागरूकता दिवस 2026 के अवसर पर हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) में बी.एससी. नर्सिंग के विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम अशर सिंड्रोम को पहचान और जागरूकता के दायरे में लाना रही। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्या, जिंसार के मार्गदर्शन में तथा मार्टिना पॉल एवं हेमलता ठाकुर के समन्वय में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने शैक्षणिक नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से अशर सिंड्रोम के बारे में जागरूकता का संदेश दिया।

नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से दिया संदेश

नाट्य प्रस्तुति में इस सिंड्रोम से प्रभावित व्यक्तियों के जीवन में आने वाली चुनौतियों, विशेष रूप से श्रवण एवं दृष्टि संबंधी कठिनाइयों, को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। विभिन्न दृश्यों एवं पात्रों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समय पर पहचान, श्रवण एवं दृष्टि संबंधी सहायता, परिवार एवं स्वास्थ्यकर्मियों के सहयोग, प्रभावी संवाद, पुनर्वास, संवेदनशीलता तथा सामाजिक समावेशन के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों में अशर सिंड्रोम के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, इसके कारण होने वाली श्रवण एवं दृष्टि संबंधी समस्याओं के प्रभाव को समझाना तथा प्रभावित व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति, सहयोग और सामाजिक समावेशन को प्रोत्साहित करना शामिल था। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य शिक्षा, प्रभावी संचार, टीमवर्क एवं जन-जागरूकता गतिविधियों के संचालन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। नाट्य प्रस्तुति ने अशर सिंड्रोम जैसे दुर्लभ आनुवंशिक विकार के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम प्रदान किया।

70 वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला शिक्षा अधिकारी गौतमव बर्वे ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि 70वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 21 सितंबर से 25 सितंबर तक किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं में कुश्ती फ्रीस्टाइल 17 वर्ष बालक-बालिका वर्ग एवं कुश्ती ग्रीकोरोमन 17 वर्ष बालक वर्ग, वूशू 17 वर्ष बालक-बालिका वर्ग का आयोजन किया जाना है। सफल आयोजन का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया है। जिसका उद्घाटन कार्यक्रम आज 2 बजे खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्टेडियम रानीताल खेल परिसर में संपन्न होगा। प्रेसवार्ता में जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे, जिला क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा, प्राचार्य आशीष पंड्या, बीएसी अजय रजक, विधि प्रभारी कृष्णकांत शर्मा, चंद्रशेखर स्वामी, सुधीर अवधिया आदि उपस्थित रहे ।

11 केवी लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। खितौला थाना क्षेत्र के जुनवानी बरगवां तालाब के पास रविवार शाम करीब 5 बजे बकरियों के लिए पत्ती तोड़ते समय 32 वर्षीय अफजल शाह 11 केवी बिजली लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गया और उसकी मौत हो गई। अफजल पिता जहीर शाह, वार्ड नंबर-1 नया मोहल्ला का निवासी था। बताया जा रहा है कि मृतक अफजल रोज अपने बकरों और बकरियों के लिए पत्ती लेने जाता था। रविवार को भी वह इसी काम से जुनवानी बरगवां तालाब के पास पहुंचा था। पत्ती तोड़ते समय वह 11 केवी लाइन की चपेट में आ गया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे। परिजन अफजल को सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। खितौला पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने हादसे की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस की निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय शिक्षा व्यवस्था के अतीत, वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को केंद्र में रखकर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का पांचवां एवं अंतिम चरण रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ! प्रतियोगिता में शहर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा, तार्किक सोच, कल्पनाशीलता और विचारशीलता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय भारतीय शिक्षा व्यवस्था अतीत, वर्तमान एवं भविष्य रखा गया था। विषय की व्यापकता को विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कल्पनाशक्ति और दृष्टिकोण के अनुरूप अभिव्यक्त किया। किसी ने भारतीय शिक्षा की गौरवशाली परंपराओं को अपनी रचनाओं में स्थान दिया, तो किसी ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों और तकनीकी बदलावों को

रेखांकित करते हुए भविष्य की शिक्षा का स्वरूप प्रस्तुत किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) सौरभ नाटी शर्मा ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। आज के विद्यार्थी ही आने वाले समय में भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रतियोगिता के पाँचों चरणों के समापन के बाद 27 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा।

मंदिर में लाखों की चोरी, चंद घंटों में पकड़ा गया शातिर चोर

सिविल लाइन थाना की पुलिस की कार्यवाही, ढाई लाख का सामान बरामद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को सिविल लाइन थाने की पुलिस ने चंद घंटों में ही गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी के पास से पुलिस ने चुराया हुआ लगभग एक लाख रूपए का सामान भी बरामद कर लिया है। इस मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी शशि धुर्वे ने बताया कि विगत 18 की रात्रि छुई खदान रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बने शिव शक्ति दुर्गा मंदिर में चोरी होने की सूचना मिली। मौके

पर पहुंचकर जांच की गई तो मंदिर में रखी चांदी छत्र सहित सहित लगभग एक लाख रूपयों से अधिक का सामान गायब था। आरोपी को पकड़ने लिए टीम गठित कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। जिसकी मदद से दीपक उर्फ बबलू पिता छोटेलाल चौधरी निवासी छुई खदान को गिरफ्तार कर पूछताछ कर पूछताछ की गई। जिसने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया । पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मंदिर से चुराया हुआ सामान सहित वारदात में प्रयुक्त बाइक, 2 मोबाइल फोन बरामद किया है। जब्त की गई सामान की कीमत लगभग ढाई लाख रूपए है। आरोपी को पकड़ने सिविल लाइन थाना प्रभारी शशि धुर्वे, सउनि शैलेंद्र मार्को, प्रधान आरक्षक मनोहर पटेल, सदन दीक्षित, आरक्षक सुनील पारधी, आरक्षक विनय सिंह, आर विनोद, मनीष दुबे आदि की भूमिका रही ।

79वें संत समागम की सेवाओं का मंगलमय आगाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। 79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम सतगुरु माता सुदीक्षाजी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमितजी के सान्निध्य में 23 से 26 अक्टूबर तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा, हरियाणा में श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। जिसमें आत्मिक चेतना और मानव एकता के संदेश को हृदय में संजो, देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होंगे। समागम की सेवाओं का शुभारम्भ श्रद्धा, समर्पण और सेवाभाव से परिपूर्ण वातावरण में हुआ। निरंकारी राजपिता रमितजी के कर कमलों से सेवा स्थल का उद्घाटन किया गया। इसी कड़ी में जबलपुर स्थित संत निरंकारी मिशन के श्रद्धालुओं द्वारा आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। 23 अक्टूबर से आयोजित होने जा रहे इस आयोजन में जबलपुर से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

कॉपर वायर, वैल्डिंग मशीन उड़ा ले गया चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

माढ़ोताल थाने में अनिल ठाकुर उम्र 57 वर्ष निवासी करमेता ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह अग्रवाल पेट्रोल पम्प में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। उसे अग्रवाल बंधु पेट्रोल पम्प के मालिक राम नारायण अग्रवाल ने फोन कर बताया कि सुबह लगभग 11 बजे पेट्रोल पम्प पर पहुँचा देखा कि अग्रवाल बंधु पेट्रोल पम्प के पीछे खुले गौदाम में रखे जिसमें एल्यूमीनियम की पाईप, फिटिंग, वैल्डिंग मशीन का कॉपर का तार, लोहे का सामान, एंगल, फेंसिंग वायर, कुल कीमती लगभग 25 हजार रूपये का नहीं था कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

भक्ति के साथ-साथ पर्यावरण का भी संरक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुस्कान सिटी परिसर में मुस्कान सिटी रहवासी सहकारी समिति द्वारा आयोजित गणेश उत्सव के दौरान पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गणेश उत्सव को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए परिसर में आम, अमरूद, आंवला, पपीता सहित विभिन्न फलदार एवं उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बेड़ोरा, सेवानिवृत्त डीएसपी डीपी श्रीवास्तव, राजीव लोचन दुबे, राजेश खरे, रंजीत सिंह, मनोज चांदवानी विशाल कश्यप डॉ. नीलेश पाण्डेय सहित समिति के सदस्य एवं रहवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि गणेश उत्सव केवल धार्मिक आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि समाज को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देने का अवसर भी है। फलदार पौधों के रोपण से परिसर में हरियाली बढ़ने के साथ आने वाले समय में इनके फल भी सभी के लिए उपयोगी होंगे।

नहीं छोड़ा एक भी वैकल्पिक मार्ग, जनता के लिए नासूर बना सड़क चौड़ीकरण का कार्य

उखरी रोड स्थित स्टेट बैंक कॉलानी की जनता हुई परेशान, नगर निगम की बड़ी लापरवाही उजागर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

उखरी क्षेत्र अंतर्गत विवेकानंद वार्ड एवं जयप्रकाश वार्ड स्थित स्टेट बैंक कॉलोनी क्षेत्र में नगर निगम द्वारा सड़क चौड़ीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। इस कार्य के दौरान संबंधित ठेकेदार और नगर निगम की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है, जिससे क्षेत्र में रह रही जनता में भारी रोष व्याप्त है। दरअसल स्टेट बैंक कॉलोनी क्षेत्र में बन रही इस सड़क चौड़ीकरण के कार्य के दौरान नगर निगम द्वारा राहगीरों एवं क्षेत्रीय नागरिकों के लिए कोई भी वैकल्पिक मार्ग नहीं छोड़ा गया है।

ऐसे में जनता अपने-अपने घरों में कैद हो गई। साथ ही उन्हें कहीं निकलने से पहले दस बार सोचना पड़ रहा है। इस पूरी सड़क चौड़ीकरण के कार्य के दौरान नगर निगम और संबधित ठेकेदार की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। दरअसल इस मार्ग पर आने और जाने वाली दोनों की सड़क चौड़ीकरण के कार्य को एक साथ किया जा रहा है। संबंधित ठेकेदार द्वारा मार्ग के दोनों छोर पर बैरिकेडिंग लगा दी गई है। ऐसे में मार्ग से गुजरने वाले राहगीर और वहां रह रहे लोग अपने-अपने घरों में कैद हो गए हैं।

स्कूल के सामने डाली निर्माण सामग्री, विद्यार्थी हो रहे परेशान - सड़क चौड़ीकरण के कार्य में नगर निगम की एक और बड़ी लापरवाही सामने आई। जिस जगह पर यह कार्य किया जा रहा है, उस मार्ग पर एक स्कूल भी बना हुआ है। संबंधित ठेकेदार ने ठीक स्कूल के सामने ही सड़क चौड़ीकरण के कार्य में लगने वाली निर्माण सामग्री डाल दी है। स्कूल में पढने विद्यार्थियों का कहना है कि वर्तमान में उनकी परीक्षाएं हो रही हैं। ऐसे में वैकल्पिक मार्ग ना होने के कारण और स्कूल के सामने निर्माण सामग्री डालने से उन्हें स्कूल तक पहुंचने में भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है।

इन्होंने कहा

क्षेत्र में विकास कार्य होना एक सराहनीय कार्य है। परंतु ठेकेदार द्वारा पूरे मार्ग को बंद कर लापरवाही से कार्य करवाया जा रहा है। ऐसे में अगर किसी घर में अगर कोई आपातकालीन स्थिति पैदा जाए तो वैकल्पिक मार्ग ना होने के कारण उन्हें भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है।

एडवोकेट अखिलेश चौबे, क्षेत्रीय नागरिक

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**